तापमान
अधिकतम 39.1 डिग्री
न्यूनतम 29.3 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, गुरुवार 15 मई 2025

साय ने कहा- मोदी के नेतृत्व में भारत का लोहा दुनिया ने माना 12

कर्नल सोफिया के लिए अभद्र टिप्पणी करने वाले ... 14

मेडिकल कालेजों में प्राध्यापकों के 1000 से ज्यादा पद खाली, चार कालेजों को नोटिस, जवाब में बताया- पदोन्नति से भरेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

नीट का एग्जाम होने और अगले माह रिजल्ट आने की संभावना के बीच एनएमसी द्वारा भी नये सत्र की तैयारी शुरू कर दी गई है। मेडिकल कालेजों को कमियां गिनाकर उन्हें दूर करने की नसीहत भी दी जा रही है। एनएमसी द्वारा महासमुंद, कांकेर, राजनांदगांव और अंबिकापुर सहित अन्य कालेजों को फैकल्टी सहित अन्य कमियों पर भेजे गए नोटिस से हड़कंप मच गया है। कालेजों को इसका जवाब देने के साथ तमाम कमियों को शीघ्र दूर करने की नसीहत दी गई है।

प्रदेश के कई सरकारी मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी है। पिछली बार भी इस कमियों की वजह से कुछ कालेजों को एनएमसी द्वारा 1-1 करोड़ जुर्माने का नोटिस थमाया गया था। कमियां दूर करने और अपना स्पष्टीकरण देने के बाद कालेजों को प्रवेश की मान्यता दी गई थी। एनएमसी ने नये सत्र की तैयारियों के दौरान देशभर के मेडिकल कालेजों के संसाधनों की समीक्षा कर रही है और सामने आने वाली कमियों को दूर करने नोटिस जारी किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार इसके तहत छत्तीसगढ़ के चार कालेजों को नोटिस भेजकर कमियों को दूर करने के संबंध में जवाब मांगा गया है। साथ ही इस बात की चेतावनी भी दी गई है कि कमियों के दूर नहीं होने उन पर जुर्माना भी किया जा सकता है। इन कालेजों में फैकल्टी की समस्या को प्रमुख बताया गया है, इसके साथ ही ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या, अस्पताल में मौजूद बिस्तरों की क्षमता सहित अन्य बिंदुओं पर सवाल उठाया गया है।

महासमुंद, कांकेर, नांदगांव और कांकेर कालेज से मांगा गया जवाब

प्रमोशन का इंतजार...

सूत्रों के अनुसार कुछ कालेजों द्वारा एनएमसी को जवाब भेजा गया है, जिसमें तर्क दिया गया है कि आने वाले दिनों में होने वाले प्रमोशन और पदोन्नति के माध्यम से फैकल्टी की समस्या को दूर कर लिया जाएगा। पिछले दिनों चिकित्सा महाविद्यालयों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में भी शिक्षकों की कमी का मामला सामने आया था। इस दौरान सवास्थ्य सचिव अमित कटारिया द्वारा पदोन्नति के साथ नियमितिकरण के माध्यम से फैकल्टी की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही संविदा आधार पर वॉक इन इंटरव्यू की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है।

लगभग आधे पद खाली

सूत्रों के मुताबिक प्रदेश के शासकीय मेडिकल कालेजों में प्राध्यापक, सह एवं सहायक प्राध्यापकों के कुल 1802 पद स्वीकृत हैं। इसमें 782 फैकल्टी कार्यरत हैं और 1020 यानी 48 फीसदी पद खाली हैं। सबसे ज्यादा समस्या एसआर के पदों की हैं, जहां 518 पदों की तुलनों करीब 145 चिकित्सक कार्यरत हैं। इतना ही नहीं, रायपुर समेत राज्य के कुछ प्रमुख कालेजों के विभिन्न विभागों में स्वीकृत पद से अधिक चिकित्सक कार्यरत हैं। इनकी जानकारी भी चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के पास मौजूद है, मगर इनकी मदद से अन्य कालेजों की कमियों को दूर करने का प्रयास नहीं किया जा रहा है।

कमियों को दूर करने का प्रयास

चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी को दूर करने लगातार वॉक इन इंटरव्यू किया जा रहा है।

- डा. यूएस पैकरा
संचालक
चिकित्सा शिक्षा

खबर संक्षेप

भारतमाला परियोजना आरोपियों की रिमांड 29 मई तक

रायपुर। भारतमाला परियोजना में 48 करोड़ रुपए भू-अधिग्रहण घोटाला मामले में जेल में बंद जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा, केदार तिवारी, उसकी पत्नी उमा तिवारी तथा विजय जैन को बुधवार को ईओडब्लू की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने चारों आरोपियों की न्यायिक रिमांड अवधि 29 मई तक के लिए बढ़ा दी है। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को बताया कि मामले की जांच जारी है। घोटाले से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। अभियोजन पक्ष के तर्क के आधार पर कोर्ट ने चारों आरोपियों की रिमांड अवधि बढ़ाई है।

दोपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

रायपुर। माना थाने की पुलिस ने एक शातिर दोपहिया वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक दोपहिया जब्त की है। त्रिनाथ प्रधान की शिकायत पर पुलिस ने संजीत सिंह चौधरी को गिरफ्तार किया है। त्रिनाथ ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह पिछले माह 25 अप्रैल को टेमरी में अपने रिश्तेदार के यहां गया था। घर के बाहर खड़ी दोपहिया को कोई अज्ञात चोर, चोरी कर ले गया है। पुलिस ने संजीत को सीसीटीवी फूटेज के आधार पर गिरफ्तार किया है।

क्रेडिट कार्ड एक्टिव करने के नाम पर ठगी

रायपुर। राजेंद्र नगर थाना में एक महिला ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ क्रेडिट कार्ड एक्टिव करने के नाम पर 80 हजार रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। तेलीबांधा रिंग रोड-1 मेट्रोहाइट निवासी जिया बजाज ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। जिया ने पुलिस को बताया है कि अज्ञात जालसाज ने उसे कॉल कर क्रेडिट कार्ड एक्टिव करने का झांसा देकर ओटीपी नंबर हासिल कर ठगी की।

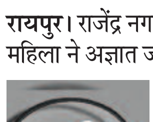

जमीन बंटवारा के विवाद पर डंडे से सिर फोड़ा

रायपुर। उरला थाना में एक व्यक्ति ने अपने चाचा के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जितेंद्र तिवारी ने द्वारिका तिवारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जितेंद्र ने पुलिस को बताया है कि जमीन बंटवारा के विवाद पर द्वारिका ने उसके पिताजी के सिर पर डंडे से वार कर घायल कर दिया।

आपसी रंजिश के चलते मारपीट

रायपुर। आरंग थाने में एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति तथा उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दिलीप चंद्राकर ने सोमनाथ टंडन तथा उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। दिलीप ने पुलिस को बताया है कि सोमनाथ तथा उसके साथियों ने आपसी रंजिश के कारण उसका रास्ता रोक कर मारपीट की है।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रायपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ा गया है एमएलए लैड्स पोर्टल से

ऑनलाइन हुए विधायक, सात ने 74 काम मंजूर किए इनमें अकेले मूणत के 60, बाकी छह के सिर्फ 14

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

लोकसभा एवं राज्यसभा के सांसदों को मिलने वाली निधि की पाई-पाई का हिसाब करने के लिए एमपी लैड्स पोर्टल बनाया गया है। इस पोर्टल की तर्ज पर छत्तीसगढ़ सरकार ने विधायकों के पाई-पाई का हिसाब रखने के लिए एमएलए लैड्स पोर्टल लांच किया है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लाया गया यह पोर्टल फिलहाल रायपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों में लागू है। इन सातों विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों को इस पोर्टल से जोड़ा गया है, जिसके बाद अब सभी विधायकों ने भी इस पोर्टल के माध्यम से ही विधायक निधि से स्वीकृत किए कार्यों के प्रस्तावों को जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग से स्वीकृत कराने के लिए ऑनलाइन अनुशंसा करना शुरू कर दी है। विधायक अभी तक पोर्टल के माध्यम से 74 कार्यों को स्वीकृत कराने अनुशंसा कर चुके हैं, जिनमें से ज्यादातर कार्यों को स्वीकृति भी मिल गई है। खास बात यह है कि राजेश मूणत इसमें सबसे आगे हैं।

अनुशंसा करने में राजेश मूणत सबसे आगे

विधायक निधि से कार्यों को स्वीकृति देने में जिले के विधायकों में रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत सबसे आगे हैं। उन्होंने पोर्टल लांच होने के बाद अब तक 54 लाख 50 हजार रुपए की लागत से 60 कार्यों के लिए अनुशंसा की है, जबकि अन्य 6 विधायकों ने मात्र 14 अनुशंसा की है। इनमें रायपुर ग्रामीण मोतीलाल साहू ने 3, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू 7 तथा धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी एवं आरंग विधायक गुरू खुशवंत साहेब ने 1-1 कार्य की अनुशंसा की है। अभनपुर विधायक ने अनुशंसा किए गए 7 कार्यों के लिए 35 लाख रुपए की स्वीकृति दी है, वहीं रायपुर ग्रामीण विधायक ने 3 कार्य के लिए 26 लाख 60 हजार रुपए, धरसींवा और आरंग विधायक ने 1-1 कार्य के लिए 10-10 लाख रुपए, रायपुर दक्षिण विधायक ने 9 लाख एवं आरंग विधायक ने 3 लाख रुपए की स्वीकृति दी है।

हरिभूमि की खबर पर मुहर, एमएलए लैड्स पोर्टल लांच

विधायक निधि से खर्च पर पाई-पाई का होगा हिसाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खर्च का दिया जाएगा ब्योरा

पोर्टल के शुरू से ही विधायक निधि की राशि से जिस कार्य में भी जितनी भी राशि खर्च की जाएगी, उसकी पाई-पाई का हिसाब होगा। सूत्र के अनुसार विधायक निधि की अनुशंसा के बाद स्वीकृत होने वाले कार्य के निर्माण के लिए एजेंसी को चार हिस्सों में राशि जारी की जाएगी।

डिजिटल इंडिया अभियान के तहत महत्वपूर्ण कदम

एमएलए लैड्स पोर्टल डिजिटल इंडिया अभियान के तहत महत्वपूर्ण कदम है। इस पोर्टल से विधायक निधि का उपयोग अधिक प्रभावी तरीके से होगा।

- नारायण बुनीवाल, अपर संचालक, योजना एवं सांख्यिकी विभाग

एमपीलैड्स की तर्ज पर बनाया गया एमएलएलैड्स पोर्टल

एमपी लैड्स की तर्ज पर बना है एमएलए लैड्स

एमपी लैड्स ऑनलाइन पोर्टल की तर्ज पर एमएलए लैड्स पोर्टल बनाया गया है। अभी तक एमपी लैड्स पोर्टल में सांसदों के लिए जारी गाइड लाइन, सांसद निधि, व्यय का ब्योरा, अनुशंसित, स्वीकृत एवं पूरे हुए कार्यों का संक्षिप्त ब्योरा सहित अन्य कई तरह की जानकारियां पोर्टल में उपलब्ध हैं। एमपी लैड्स की तरह ही एमएलए लैड्स पोर्टल है, जिसमें विधायक निधि की गाइड लाइन, विधायकों को जारी होने वाला फंड, व्यय का ब्योरा, अनुशंसा किए गए कार्य, स्वीकृत व पूर्ण हुए कार्यों का ब्योरा सहित अन्य तमाम जानकारी उपलब्ध रहेगी।

वाटर कूलर की दी स्वीकृति

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विधायक राजेश मूणत ने अनुशंसा किए गए 60 कार्यों में लगभग 50 से ज्यादा कार्य स्कूलों में शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए वाटर कूलर खरीदी के लिए स्वीकृति दी है, वहीं अन्य विधायकों ने ज्यादातर सामुदायिक भवन निर्माण के लिए स्वीकृति दी है।

17 अप्रैल को हुआ था पोर्टल लांच

शासन ने एमएलए लैड्स पोर्टल को 17 अप्रैल 2025 को लांच किया था। इस पोर्टल को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लांच किया गया है, जिसकी शुरुआत रायपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों से की गई है। रायपुर जिले में पोर्टल को सफलता मिलने के बाद इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

पाई-पाई का होगा हिसाब

पोर्टल के शुरू से ही विधायक निधि की राशि से जिस कार्य में भी जितनी भी राशि खर्च की जाएगी, उसकी पाई-पाई का हिसाब होगा। सूत्र के अनुसार विधायक निधि की अनुशंसा से स्वीकृत कार्य के लिए राशि का भुगतान दो किस्त में किया जाएगा। कार्य की शुरुआत में पहली किस्त और दूसरी किस्त का भुगतान कार्य पूर्ण होने पर किया जाएगा। इस दौरान कार्य की प्रगति की रिपोर्ट भी एजेंसी को पोर्टल में अपलोड करना होगा।

निर्माण एजेंसी स्वीकृत कार्य व क्षेत्र के अनुसार ऑटोमेटिक तय होगी

एमएलए लैड्स पोर्टल में सभी शासकीय निर्माण एजेंसियों के नाम भी हैं। स्वीकृत कार्य नगर निगम, नगर पालिक परिषद या फिर नगर पंचायत क्षेत्र का हो। संबंधित क्षेत्र कार्य को योजना एवं सांख्यिकी विभाग से स्वीकृति मिलते ही उस क्षेत्र अंतर्गत शासकीय निर्माण एजेंसी को स्वीकृत कार्य को निर्माण कराने की जिम्मेदारी मिल जाएगी। इसके बाद संबंधी शासकीय एजेंसी द्वारा कार्य के निर्माण के लिए टेंडर निकाला जाएगा।

लॉगिंग के लिए आईडी-पासवर्ड जारी

एमएलए लैड्स पोर्टल में विधायकों और शासकीय निर्माण एजेंसियों के लिए लॉगिंग की सुविधा है। लॉगिंग के लिए आईडी और पासवर्ड भी विधायकों और एजेंसियों को दिए गए हैं।

पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अनुशंसा कर रहे विधायक

एमएलए लैड्स पोर्टल के माध्यम से विधायकों द्वारा कार्यों को स्वीकृत कराने अनुशंसा की जा रही है। लगभग एक माह में 70 से अधिक कार्यों को स्वीकृत कराने अनुशंसा की गई है। पोर्टल को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रायपुर जिले में शुरू किया गया है। सफलता मिलने पर इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

- **प्राची मिश्रा**, उपसंचालक
योजना एवं सांख्यिकी विभाग रायपुर

नवीन शैक्षणिक सत्र से नैक ग्रेडिंग का तरीका महाविद्यालय ही करेंगे तय

बीएड महाविद्यालयों को विकल्प नहीं देगा नैक, शेष कॉलेज चुन सकेंगे ऑनलाइन या ऑफलाइन निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- बीएड कॉलेजों को अनिवार्यतः ऑफलाइन ही करना होगा निरीक्षण

एक माह बाद प्रारंभ हो रहे नवीन शैक्षणिक सत्र से नैक ग्रेडिंग का तरीका बदल जाएगा। अब महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को यह अधिकार रहेगा कि वे ग्रेडिंग का तरीका चुन सकेंगे। वे या तो ऑनलाइन ग्रेडिंग का तरीका चुन सकेंगे अथवा टीम को भौतिक रूप से निरीक्षण के लिए बुला सकेंगे। हालांकि बीएड महाविद्यालयों को यह विकल्प प्रदान नहीं किया जा रहा है। बीएड कॉलेजों को अनिवार्य रूप से ऑफलाइन निरीक्षण ही करना होगा।

अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, शिक्षा महाविद्यालयों में भावी शिक्षकों को तैयार किया जाता है। शिक्षा की गुणवत्ता बनी रहे, इसलिए इसे अनिवार्यतः ऑफलाइन निरीक्षण कैटेगरी में रखने का निर्णय लिया गया है। नवीन महाविद्यालय खोलने और मान्यता संबंधित शर्तें भी बीएड महाविद्यालयों के लिए अन्य कॉलेजों की तुलना में कठिन रही है। इसके चलते बीएड, डीएलएड पाठ्यक्रमों की सीटें भी अन्य पाठ्यक्रमों की तुलना में अत्यंत सीमित होती हैं।

बीएड कॉलेजों को अनिवार्य रूप से ऑफलाइन निरीक्षण ही करना होगा

NAAC
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

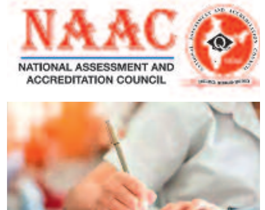

एक समान ग्रेडिंग नहीं

ऑनलाइन और ऑफलाइन ग्रेडिंग चुनने वाले अलग-अलग महाविद्यालयों को एक समान ग्रेडिंग नहीं मिलेगी। जो कॉलेज ऑनलाइन ग्रेडिंग का विकल्प चुनेंगे वे संस्थान के नाम के आगे केवल इस बात का जिक्र कर सकेंगे कि उन्होंने नैक से ग्रेडिंग करवाई है अर्थात नैक उनके महाविद्यालय का निरीक्षण कर चुका है। उन्हें ए, बी, सी या किसी भी तरह की कोई ग्रेडिंग प्रदान नहीं की जाएगी। इसके उलट जो महाविद्यालय ऑफलाइन ग्रेडिंग का चुनाव करेंगे, उन्हें पूर्व की तरह ए, बी, सी या जिस भी ग्रेडिंग के मापदंड को व पूर्ण करेंगे, प्रदान की जाएगी।

ऑनलाइन अपलोड करेंगे फाइल

जो महाविद्यालय ऑनलाइन ग्रेडिंग का विकल्प चुनेंगे, उन्हें संबंधित सभी तरह की फाइलें ऑनलाइन अपलोड करनी होंगी। महाविद्यालय में छात्र-शिक्षक अनुपात, रिसर्च सुविधा, छात्रों के लिए प्लेसमेंट, कैंटिन सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई अन्य बिंदुओं के आधार पर महाविद्यालयों को ग्रेडिंग मिलती है। इनसे जुड़े सभी सत्यापित दस्तावेज महाविद्यालय ऑनलाइन अपलोड करेंगे। जबकि ऑफलाइन ग्रेडिंग में पूर्व की तरह निरीक्षण के लिए टीम आएगी और ग्रेडिंग प्रदान करेगी।

पांच दिन बड़ा बदलाव नहीं

वातावरण में आर्द्रता के साथ उमस की परेशानी बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- जगदलपुर में आज भी हुई बारिश

राजधानी समेत प्रदेश के वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने से गर्मी सह रहे लोगों की परेशानी दोगुनी हो गई है। तेज धूप के साथ उमस के कारण लोगों को चिपचिपी गर्मी सहनी पड़ रही है। तापमान में उतार-चढ़ाव के बीच अगले पांच दिन तक बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। उधर नमी की वजह से बुधवार को भी जगदलपुर में बारिश का दौर जारी रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक पूर्वी बिहार से उप हिमालयीन पश्चिम बंगाल के ऊपर बने हवा के चक्रवाती घेरा की वजह से राज्य में आने वाली नमी की मात्रा में बढ़ोतरी होने लगी है। इसकी वजह से अब मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो गया है और अगले पांच दिनों तक इसमें बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। मंगलवार को राजधानी के कुछ हिस्सों में तेज हवा के साथ आंधी चली थी। इसके बाद कुछ देर बाद बारिश भी हुई थी, इसके बाद मौसम में बदलाव हुआ और रात को भारी उमस ने बेचैनी बढ़ा दी थी। बुधवार को दिन में तेज धूप के बीच अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। वातावरण में मौजूद 55 प्रतिशत नमी के असर से चिपचिपी गर्मी बढ़ गई और लोगों को ज्यादा परेशानी का अनुभव करना पड़ा। जगदलपुर में इसी वजह से आज भी बारिश का दौर जारी रहा। संभावना जताई गई है कि अधिकतम तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव के अलावा 20 मई तक प्रदेश में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। उसके बाद अधिकतम तापमान में गिरावट संभावित है।

परीक्षाओं की तैयारी छोड़कर खाना बना रहे छात्र, क्योंकि मेस बंद, रात में बत्ती भी गुल

- मामाला पत्रकारिता विवि का, भोजन सहित प्रसाधान जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी तरसे
- खराब वॉटर कूलर और वर्षों से साफ नहीं हुई पानी टंकी को लेकर भी फूटा गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेश के एकमात्र पत्रकारिता विवि में छात्र इन दिनों पढ़ाई छोड़कर खाना बना रहे हैं। दरअसल, छात्रावास का मेस कई महीनों से बंद पड़ा हुआ है। छात्र बाहर से खाकर अथवा अपने कमरे ही भोजन बनाकर काम चला रहे हैं। पढ़ाई के दौरान रात में बत्ती गुल की शिकायत भी विद्यार्थी कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि वे लंबे समय से विवि प्रशासन से इसकी शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं होने के कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है। गर्मी के दिनों में छात्रों को ठंडा पानी भी नहीं मिल पा रहा है। विवि में लगे अधिकतर वॉटर कूलर खराब हो चुके हैं। एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा ने कहा, विद्यार्थियों ने अब मानवाधिकार आयोग जाने का निर्णय लिया है ताकि उन्हें मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। इसे लेकर छात्रों ने बुधवार को हॉस्टल का निरीक्षण करते हुए असुविधाओं की सूची तैयार की है।

महीनों से साफ नहीं हुए टॉयलेट

छात्रों का कहना है कि मेस की सुविधा लंबे समय से सुचारु रूप से संचालित नहीं हो रही हैं, जिससे उन्हें भोजन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण छात्रों की रात्रि में पढ़ाई और अन्य आवश्यक कार्य बाधित हो रहे हैं। छात्रावास परिसर में नियमित सफाई का अभाव है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्रसाधन में नल और शौचालयों के कमोड सहित पानी टंकी की सफाई न होने के कारण छात्रों को उपयोग में गंभीर असुविधा एवं स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं। कई विद्यार्थियों ने गंदे पानी के कारण स्वास्थ्य खराब होने की शिकायत भी की है।

मानवाधिकार आयोग जाएंगे छात्र

छात्रों का आरोप है कि उनके द्वारा शिकायत के बावजूद बातों को अनसुना किया जा रहा है। विवि में कुलपति का पद दो माह से रिक्त है। ऐसे में छात्रों की समस्याओं को देखते हुए मानवाधिकार आयोग में शिकायत करने का निर्णय विद्यार्थियों द्वारा लिया गया है। गौरतलब है कि विवि के पूर्व कुलपति बलदेवभाई शर्मा का कार्यकाल 4 मार्च को समाप्त हो चुका है। राजभवन द्वारा कुलपति पद के जारी विज्ञापन भी रद्द किया जा चुका है। ऐसे में विद्यार्थी अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए भटक रहे हैं।

मेट्रोमोनियल साइट पर दिया शादी का झांसा, की लाखों की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोतवाली थाना में एक थोक फल कारोबारी ने मध्यप्रदेश की एक महिला के खिलाफ मेट्रोमोनियल साइट के माध्यम से संपर्क कर गोल्ड ट्रेडिंग तथा कार खरीदी करने के नाम पर 14 लाख ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कारोबारी ने मेट्रोमोनियल साइट पर अपनी शादी के लिए बायोडाटा दिया था। जालसाज ने महिला कारोबारी से संपर्क कर शादी करने का इच्छुक होना बताते हुए ठगी की।

बैजनाथपारा निवासी अब्दुल हक ने ठगी की ▶▶| शेष पेज 13 पर

जालसाज ने फल कारोबारी को गोल्ड ट्रेडिंग, कार खरीदी करने का झांसा देकर ठग लिए 14 लाख

चैटिंग के दौरान झांसे में लिया

अब्दुल ने पुलिस को बताया है कि महिला ने अपने आपको विधवा बताते हुए उससे संपर्क किया था। अब्दुल के अनुसार चैटिंग के दौरान महिला ने गोल्ड ट्रेडिंग का लाभ बताते हुए निवेश करने पर डेढ़ से दो गुना फायदा होने का झांसा दिया। झांसे में लेने के बाद महिला ने फल कारोबारी से 18 से 30 अप्रैल के बीच अपने अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कराकर ▶▶| शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

आरक्षक शिवबचन हत्याकांड पर नेताम ने सीएम और सीएस को दी जानकारी

रायपुर। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने पिछले दिनों बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सनावल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लिबरा में रेत माफिया द्वारा पुलिस आरक्षक शिवबचन सिंह को ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या किए जाने की कड़ी भर्त्सना की है। उन्होंने बुधवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मुख्य सचिव से मिलकर घटना के संबंध में अवगत कराया।

घटिया सड़क पर बिफरे साव, हफ्तेभर में मांगी रिपोर्ट

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने गुणवत्ताहीन सड़क निर्माण की शिकायत पर एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों की तत्काल कमेटी बनाकर इसकी जांच के निर्देश दिए हैं। निर्देश के बाद प्रमुख अभियंता ने विभागीय अधिकारियों की कमेटी बनाकर एक सप्ताह में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा है। उप मुख्यमंत्री ने एलडब्ल्यूई योजना के तहत निर्माणाधीन नारायणपुर-सोनपुर-मरोड़ा मार्ग में गुणवत्ताहीन कार्य के संबंध में सोशल मीडिया में प्रकाशित समाचार पर त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रमुख अभियंता को वरिष्ठ अधिकारियों की कमेटी बनाकर जांच के निर्देश दिए थे।

19 को जांजगीर-चांपा में संविधान बचाओ रैली-सभा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 19 मई को जांजगीर-चांपा जिले में प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली और आमसभा का आयोजन किया है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इसमें शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि संविधान बचाओ रैली का आयोजन पिछली बाद दुर्ग जिले से शुरू वाली थी, पहलगाम की घटना के बाद रैली को स्थगित कर दिया गया। उसके बाद बिलासपुर से संविधान बचओ रैली का आयोजन किया गया था, लेकिन पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले के बाद देश में बने माहौल के चलते स्थगित किया गया।

2026 तक नक्सलमुक्त भारत हमारा संकल्प, शाह ने की सुरक्षा बलों के साहस की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नक्सल उन्मूलन अभियान को निर्णायक मोड़ पर ले जाते हुए छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर नक्सल विरोधी ऑपरेशन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक सफलता पर सुरक्षा बलों को बधाई दी है और इस निर्णायक उपलब्धि को नक्सलमुक्त भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए हम दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बलों विशेषकर सीआरपीएफ, एसटीएफ और डीआरजी के जवानों की सराहना करते हुए कहा, लाल आतंक के विरुद्ध चल रही इस निर्णायक लड़ाई में हमारे वीर जवानों ने विषम परिस्थितियों में पूरी बहादुरी से नक्सलियों का सामना किया है। उनके अदम्य साहस, धैर्य और पराक्रम को मैं नमन करता हूं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अब वह दिन दूर नहीं जब छत्तीसगढ़ पूरी तरह नक्सलमुक्त होगा, और बस्तर के गांव-गांव में शांति, समृद्धि और विकास की नई रोशनी फैलेगी।

लाल आतंक के विरुद्ध निर्णायक विजय : साय

31 नक्सलियों को मारकर पाई ऐतिहासिक सफलता

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्विट करके बताया है कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के दुर्गम क्षेत्र पर हाल ही में हुए अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराकर नक्सल उन्मूलन अभियान में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। उन्होंने इलाके किया है कि यह क्षेत्र रणनीतिक योजना, नक्सल प्रशिक्षण और हथियार निर्माण का गढ़ रहा है। आज उसी पहाड़ पर शान से तिरंगा लहरा रहा है, यह भारत की आंतरिक सुरक्षा और संप्रभुता की विजय का प्रतीक है। श्री शाह ने कहा, यह सफलता केवल एक सैन्य विजय नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक और वैचारिक विजय भी है, जिसने नक्सल नेटवर्क की रीढ़ को हिला दिया है।

तिरंगा यात्रा में उमड़े लोग, कहा- पाकिस्तान से बदला पूरा

साय ने कहा- मोदी के नेतृत्व में भारत का लोहा दुनिया ने माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, आतंकवाद के विरुद्ध छेड़े गए निर्णायक संघर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सेनाओं ने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन किया है। जिस तरह से शत्रु के सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को हमारी सेना ने चोट पहुंचाई, आतंकवादियों के ठिकानों पर चुन-चुनकर सेना द्वारा प्रहार किया गया, उस अद्भुत पराक्रम से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का मान पूरी दुनिया में बढ़ा है।

श्री साय बुधवार को सर्वसमाज मंच के तत्वावधान में आयोजित तिरंगा यात्रा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, इस निर्णायक लड़ाई में भारत की कूटनीति का लोहा भी दुनिया ने माना है। पहलगाम घटना के बाद पूरी दुनिया ने पाकिस्तान के कुकृत्य की निंदा की और भारत का साथ दिया। हमारी शानदार कूटनीति के चलते पाकिस्तान दुनिया में अलग-थलग पड़ गया। हमारे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनियाभर के राजनीतिज्ञों से चर्चा की। प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जिस तरह से आक्रमण की रणनीति बनाई, उससे शत्रु हक्का बक्का रह गया। इससे पाकिस्तान की सैन्य और कूटनीतिक रणनीति की पोल भी दुनिया के सामने खुल गई और इससे उनके मिलिट्री पावर के झूठे दावों की पोल भी खुल गई। पहलगाम हादसे के बाद से लगातार भारत ने जिस तरह से शत्रु देश पर दबाव डाला, उससे भारत की रणनीतिक कुशलता का परिचय मिलता है।

पाकिस्तान पूरी तरह से एक्सपोज हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे रणनीतिक रिस्पांस के बारे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बहुत अच्छी बात कही। उन्होंने हनुमान का उदाहरण दिया जिसके बारे में रामचरितमानस ने लिखा गया है कि जिन्ह मोहिं मारा ते मैं मारे, अर्थात हनुमान जी कहते हैं कि मैंने उन्हीं को मारा, जिन्होंने मुझ पर हमला किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया में भारत का कद एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में बढ़ा है। पाकिस्तान पूरी तरह से एक्सपोज हुआ है। यह लड़ाई भारत के युद्ध कौशल का भी यह बड़ा उदाहरण है। इस लड़ाई ने साबित कर दिया कि तकनीक के मामले में भारत बहुत अग्रणी है। श्री साय ने कहा कि जहां पाकिस्तान में राजनीतिक दलों में मतभेद रहे, भारत में पूरी तरह से एकजुटता दिखी।

भाजपा ने ट्रम्प की आभार यात्रा निकाली : बैज

भाजपा की तिरंगा यात्रा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा की यह यात्रा ट्रम्प के लिये आभार यात्रा है। भाजपा की केन्द्र सरकार के निर्णय के कारण देश आहत हुआ है। अपने केन्द्र सरकार की विफलता छिपाने भारतीय जनता पार्टी तिरंगा यात्रा निकाल रही है।

छत्तीसगढ़ में ट्राइबल म्यूजियम बनेगा पर्यटन और शोध का बड़ा केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ राज्य के पहले ट्राइबल म्यूजियम का लोकार्पण

आदिवासी बहुल राज्य छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार ने ट्राइबल म्यूजियम बनाकर आदिवासी संस्कृति, सभ्यता और उनकी जीवनशैली को आमजनों तक पहुंचाने के लिए अभिनव पहल की है। इसके लिए नवा रायपुर अटल नगर में करीब 10 एकड़ क्षेत्र में भव्य एवं आकर्षक आदिवासी संग्रहालय (ट्राइबल म्यूजियम) बनाया गया है। राज्य के पहले ट्राइबल म्यूजियम का लोकार्पण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया। उन्होंने कहा, राज्य में ट्राइबल म्यूजियम पर्यटन और शोध का बड़ा केंद्र बनेगा।

ट्राइबल म्यूजियम को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष पहचान हमारी सुंदर जनजातीय संस्कृति से है। इस जनजातीय संस्कृति की भव्य झलक एक ही परिसर के नीचे दिखाने आज हमने ट्राइबल म्यूजियम का लोकार्पण किया है। छत्तीसगढ़ में जनजातीय संस्कृति में विविधता है और हर जनजातीय समुदाय की अपनी विशिष्ट पहचान है। प्रदेश में देखें तो 43 जनजातीय समुदाय हैं और इनकी अनेकों उपजातियाँ हैं। इसके साथ ही हमारे राज्य में विशेष पिछड़ी जनजातियाँ भी हैं। जनजातीय समुदाय का सुंदर संसार, इनका खानपान, पहनावा, संगीत, लोककला, वाद्ययंत्र, नृत्य इन सबकी झलक आपको इस म्यूजियम में दिखेगी। इसमें 14 गैलरी हैं और हर गैलरी एक विशेष थीम पर बनाई गई है।

एक स्थान पर मिलेगी सभी जानकारी- नेताम

इस समारोह में विभागीय मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, आदिवासी बहुल प्रदेश में आदिवासी संस्कृति को, उनके जीवन पद्धति को सबसे सामने रखने के लिए ट्राइबल म्यूजियम का निर्माण हुआ है। अब तक छत्तीसगढ़ में बहुत से रिसर्चर्स आते रहे हैं जिन्हें यहाँ की आदिवासी संस्कृति, उनके जीवनशैली को जानने के लिए लोगों को अलग-अलग माध्यमों को तलाशना पड़ता था। अब ट्राइबल म्यूजियम में एक स्थान पर ही छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले हर आदिवासी समुदाय के बारे में संपूर्ण जानकारी लोगों को मिल जाएगी।

म्यूजियम को जीवंत बनाया गया- रमन

ट्राइबल म्यूजियम के लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, म्यूजियम को जीवंत बनाया गया है। हिंदुस्तान में सबसे अधिक आदिवासी समुदाय की आबादी छत्तीसगढ़ में है, ऐसे में इस म्यूजियम का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

32 फीसदी आबादी के जनजीवन को दिखाया गया

मुख्यमंत्री ने कहा, इस म्यूजियम में हमारे जनजातीय क्षेत्रों की बहुरंगी संस्कृति की झलक दिखाई गई है। यह झलक दर्शकों को इस बात के लिए प्रेरित करेगी कि वे बस्तर और सरगुजा घूमने जाएं और जिन चीजों को उन्होंने इस म्यूजियम में महसूस किया है उसे वहां प्रत्यक्ष रूप में देख सकें। उन्होंने कहा, यहां जनजातीय समुदाय की आबादी 32 फीसदी है। इतनी बड़ी आबादी के जनजीवन को दिखाने का हमारे पास अब तक कोई भव्य म्यूजियम छत्तीसगढ़ में नहीं था। अब यह कमी पूरी हो गई। कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रूप से 11 छात्रावास अधीक्षकों को मंच पर आमंत्रित कर मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

शिक्षा भूमि
2025-26
प्रवेश प्रारम्भ

PRANAVANANDA ACADEMY
An English Medium Senior Secondary School
(Affiliated to C.B.S.E., Affiliation on 3330050)
www.bssparaipur.co.in
ADMISSION OPEN
Session -2025-26
Salient Features- • This is run & managed by the world renowned philanthropic organization of monks- Bharat Sevashram Sangha.
• Man making education is the motto of this School
Nursery to Class IX & XI
VIP Road, Raipur (C.G.)
Mob. : 79873-74076, 83497-84854, 73896-25110

Congratulations!
सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025
के सफल विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

रायपुर में बच्चों को सीबीएसई और सीजी बोर्ड – दोनों ही पाठ्यक्रमों के तहत शिक्षा देने वाले दर्जनों स्कूल हैं। सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मजबूत आधार तैयार किया जाता है, वहीं सीजी बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में क्षेत्रीय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक व सांस्कृतिक मूल्यों को भी समान महत्व दिया जाता है।जहां सीबीएसई बोर्ड में बच्चे ऑल इंडिया लेवल पर हो रही परीक्षाओं, ओलंपियाड्स, जेईई, नीट आदि की तैयारी करते हैं, वहीं सीजी बोर्ड के स्कूल राज्य स्तरीय परीक्षाओं और पारंपरिक मूल्य आधारित शिक्षा को भी आगे बढ़ा रहे हैं।
आधुनिक शिक्षण प्रणाली और डिजिटल लर्निंग :- इस वर्ष अधिकतर स्कूलों ने स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल बोर्ड, ई-लर्निंग कंटेंट, भाषा प्रयोगशाला और साइंटिफिक एक्टिविटी कॉर्नर जैसी सुविधाओं को और उन्नत किया है। कई स्कूलों में अब एआई आधारित लर्निंग मॉड्यूल, टैब आधारित पढ़ाई, और वर्चुअल क्लास की सुविधाएं भी शुरू हो चुकी हैं।यह तकनीकी बदलाव सिर्फ शिक्षण को ही नहीं, बल्कि बच्चों की सीखने की शैली को भी बदल रहा है – जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें।
अनुभवी शिक्षक और छात्र केंद्रित शिक्षा :- रायपुर के स्कूलों में अनुभवी, प्रशिक्षित और अपडेटेड फैकल्टी बच्चों को न केवल पढ़ाती है, बल्कि उनके अंदर की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित भी करती है। कई स्कूलों ने अपने शिक्षकों को दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और मुंबई जैसे शहरों में विशेष प्रशिक्षण दिलवाया है ताकि वे बच्चों को नई पीढ़ी के अनुसार पढ़ा सकें।
सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में अग्रणी :- आज का दौर केवल किताबी ज्ञान का नहीं रहा। इसी को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में डांस, म्यूजिक, आर्ट एंड क्राफ्ट, थिएटर, रोबोटिक्स, मार्शल आर्ट, तैराकी, योग, स्पोर्ट्स और लीडरशिप एक्टिविटी जैसी अनेक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को भी शिक्षा के मुख्यधारा में शामिल किया गया है।
बच्चों में आत्मविश्वास, लीडरशिप, टीमवर्क और रचनात्मकता जैसे गुणों का विकास इन्हीं कार्यक्रमों के माध्यम से होता है।
माता-पिता की पसंद बनते जा रहे हैं ये स्कूल :- रायपुर के अधिकतर स्कूल अब केवल शहर तक सीमित नहीं हैं। कई स्कूलों की शाखाएं बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, महासमुंद, राजनांदगांव जैसे शहरों में भी खुल चुकी हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है इन स्कूलों की गुणवत्ता, अनुशासन और बच्चों के संपूर्ण विकास पर दिया जाने वाला जोर।
प्रवेश प्रक्रिया और विशेष सुविधाएं :- प्रवेश प्रक्रिया अधिकांश स्कूलों में ऑनलाइन और ऑफलाइन – दोनों माध्यमों से संचालित की जा रही है। कुछ स्कूलों में काउंसलिंग, अभिभावक इंटरव्यू, और बच्चे की बेसिक स्किल टेस्टिंग के आधार पर प्रवेश दिया जा रहा है। वहीं कुछ स्कूल 'पहले आओ, पहले पाओ' की नीति पर भी काम कर रहे हैं।इसके साथ ही स्कॉलरशिप योजना, टैलेंट टेस्ट के माध्यम से छूट, ट्रांसपोर्ट सुविधा, हॉस्टल सुविधा (कुछ स्कूलों में) और वीकली एक्टिविटी रिपोर्ट जैसे फीचर्स भी अभिभावकों को आकर्षित कर रहे हैं।

HOLY HEARTS SCHOOL
KABIR NAGAR, RAIPUR
AFFILIATED WITH CBSE, DELHI | AFFILIATION NO. 3330415
|| तेजस्वि नावधीतमस्तु ||
Welcome to the World of HOLY HEARTS
Empowering Young Minds for a Bright Future
• Safe, Secure & Modern Campus | Highly Qualified CBSE-Trained Teachers
• Holistic Education: Academics, Discipline & Personality Development
• Career Counseling & Competitive Exam Prep (NTSE, Olympiads, etc.)
• Smart Classrooms – Tech-enabled learning in every class
• Sports : Variety of Indoor & Outdoor Sports with Experienced Coaches
• Dedicated NCC Unit – Leadership, discipline & patriotism
CBSE CURRICULUM: CLASS XI & XII
• Streams: Science (Maths/Bio), Commerce, Humanities (Arts)
• Optional Subjects: Applied Maths, Computer Science, PE, Yoga & more
ADMISSIONS OPEN
PRE-NURSERY to CLASS IX & XI
WITH SAFE & SECURE TRANSPORT FACILITY
KABIR NAGAR, BESIDES AIIMS RESIDENTIAL COMPLEX, RAIPUR
0771-7132200, 78285-90181
www.holyheartsraipur.com
RANKED AS ONE OF THE TOP SCHOOLS IN RAIPUR BY EDUCATION WORLD

Vardhman
English Medium Hr.Sec. School
Kasar Gali, Satti Bazar, Raipur
Mo. 7222961022
Nursery to XII (All Sub.)
Maths, Bio, Commerce
Vardhman The School
Nahar Road, Krishna Nagar, Santoshi Nagar, Raipur
Mob.9109329528

खबर संक्षेप

उच्च शिक्षा विभाग के अधीन होंगे बीएड महाविद्यालय

रायपुर। निजी महाविद्यालय संगठन ने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह से मुलाकात कर बीएड पाठ्यक्रम को स्कूल शिक्षा विभाग से उच्च शिक्षा विभाग में हस्तांतरित करने का निवेदन किया। संगठन ने कहा, नई शिक्षा नीति में बीएड पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालयीन शिक्षा का हिस्सा माना है। प्रदेश में अभी भी बीएड पाठ्यक्रम का संचालन स्कूल शिक्षा विभाग करता है। इसके कारण शिक्षा महाविद्यालय को तकनिकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विस अध्यक्ष ने मांगों को पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष डॉ.सुरेश शुक्ला, मोती जैन, सिद्धार्थ दास, राजीव गुप्ता, कनक जैन, धर्मेंद्र ओझा शामिल रहे।

बीटेक पुनर्मूल्यांकन परिणाम घोषित

रायपुर। स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि द्वारा बीटेक पुनर्मूल्यांकन के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। सीएसवीटीयू से संबद्ध प्रदेश के सभी इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के छात्र अपने नतीजे ऑनलाइन देख सकते हैं। तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों की घोषणा की गई है। विवि द्वारा तैयार किए गए डिजिवर्सिटी पोर्टल पर जाकर ये नतीजे देखे जा सकते हैं। पुनः पुनर्मूल्यांकन के लिए विद्यार्थी 20 मई तक आवेदन कर सकते हैं।

डॉ. दीक्षा चौबे की एकल कुंडलिया संग्रह का विमोचन

रायपुर। सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हाल में राष्ट्रीय कवि संगम के बैनर

तले दुर्ग की हिंदी व छत्तीसगढ़ी भाषा की छंदकारा, सृजनकार व व्याख्याता डॉ. दीक्षा चौबे के कुंडलिया संग्रह कुंडलिया कल्लोलिनी का विमोचन किया गया। पुस्तक समीक्षा डॉ. शिवकुमार श्रीवास ने प्रस्तुत की। डॉ. दीक्षा चौबे का यह तीसरा एकल संग्रह है, इसके पूर्व एक गीत संग्रह और एक कहानी संग्रह व कई साझा संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। उन्हें साहित्य के क्षेत्र में विभिन्न मंचों से सम्मानित व पुरस्कृत किया गया है तथा कई किताबों के लिए पाँच वर्ल्ड रिकॉर्ड प्राप्त हो चुके हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्यकार व समीक्षक डॉ पीसी लाल यादव गंडई, योगेश अग्रवाल, साहित्यकार रामेश्वर शर्मा, अरुण निगम, महेश शर्मा व कमल शर्मा व विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 70 साहित्यकारों की उपस्थिति रही।

निधन

कैलाश चंद दहिया

रायपुर। शैलेंद्र नगर निवासी कैलाश

चंद दहिया (78) का 14 मई को हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा दिनांक 15 मई को सुबह 11 बजे निवास स्थान शैलेंद्र नगर से मारवाड़ी श्मशान घाट जाएगी। वे घनश्याम दहिया के बड़े पिताजी, गिरीश, रणजीत, धीरज दहिया के पिता एवं नितिन, मुकेश, अमित, सुमित, राजा, राहुल दहिया के भी बड़े पिताजी थे।

माया गोयल

रायपुर। शंकर नगर निवासी समाज

सेविका माया गोयल (72) का 14 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 15 मई सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे रवि गोयल की पत्नी और राजीव, संजीव, अमित गोयल की माता थीं।

सुबह 7 बजे से होनी थी सभी परीक्षाएं, कॉलेजों ने कहा- जगह नहीं, अब कॉमर्स के पर्चे तपती दोपहरी में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मई-जून में पड़ने वाली भीषण गर्मी को देखते हुए रविवि द्वारा सेमेस्टर परीक्षाओं के अंतर्गत सभी विषयों की परीक्षाएं प्रातः 7 से 10 बजे तक करवाने का निर्णय लिया था। इसके लिए समय-सारिणी भी घोषित कर दी गई थी, लेकिन अब इसमें बदलाव कर दिया गया है।

■ कॉमर्स संकाय की परीक्षाएं 12 से 3 बजे तक, अन्य विषय के पर्चे सुबह 7 से 10 बजे तक

इसके पीछे वजह जगह की कमी है। रविवि द्वारा एक ही पाली में परीक्षाएं आयोजित किए जाने के फैसले के बाद कई महाविद्यालयों द्वारा अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा गया कि उनके यहां इतनी जगह नहीं है कि वे सभी छात्रों की परीक्षाएं एक ही पाली में करवा सकें। महाविद्यालयों के अनुरोध को देखते हुए रविवि ने दो पाली में परीक्षा करवाने का निर्णय लिया है।

अब कॉमर्स की परीक्षाएं दोपहर 12 से 3 बजे तक होंगी, जबकि शेष विषयों की परीक्षाएं प्रातः 7 से 10 बजे ही होगी। हालांकि छात्रों को इस बदले हुए समय से राहत नहीं मिलेगी। अधिकतर महाविद्यालयों में पंखों के अतिरिक्त कूलर अथवा एसी की व्यवस्था नहीं है। दोपहर 12 से 3 बजे के मध्य दिन का सर्वाधिक तापमान दर्ज होता है। इन हालातों में परीक्षाएं दिलाना छात्रों के लिए चुनौतिपूर्ण रहेगा।

रविवि द्वारा इस बार भी बदली गई सेमेस्टर परीक्षाओं की समय-सारिणी

फिर से बदली जाएगी समय-सारिणी

रविवि द्वारा बीकॉम परीक्षाओं की समय-सारिणी फिर से बदली जा सकती है। पूर्व में सीए फाउंडेशन से टकराव के कारण समय सारिणी बदली गई, लेकिन अब सीए इंटरमीडिएट से टकराव हो रहा है। रविवि एक-दो दिनों के अंतराल में नवीन समय-सारिणी जारी करेगा। इसके अतिरिक्त पूर्व में रविवि की परीक्षाएं 28 मई से प्रारंभ हो रही थी। अब इसकी शुरुआत 3 जून से होगी। 9 जुलाई तक रविवि की परीक्षाएं चलेंगी।

नतीजों से पहले ही पोर्टल बंद

सेमेस्टर समय-सारिणी में बदलाव के अतिरिक्त छात्रों ने प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन तिथि बढ़ाने की भी मांग की है। सीबीएसई 12वीं कक्षा के परिणाम 13 मई को घोषित हुए हैं। वहीं रविवि अध्ययनशाला में संचालित विभिन्न स्नातक एवं एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा की अंतिम तिथि पूर्व में ही समाप्त हो चुकी है। कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के लिए यह अंतिम तिथि 12 मई निर्धारित थी। छात्र संगठनों ने दोबरा आवेदन पोर्टल खोलने की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में 13 की मौत के बाद जिम्मेदारों की नींद टूटी, 2 दिन में सौ से ज्यादा कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बलौदाबाजार मार्ग के बंगोली में चार दिन पूर्व भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत के बाद पुलिस, ट्रैफिक के साथ परिवहन विभाग ने पिछले दो दिनों में सौ से ज्यादा गाड़ियां पकड़ी हैं। ट्रैफिक पुलिस तथा परिवहन विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड की टीम ने मालवाहक गाड़ियों में यात्री परिवहन करते पकड़ा है। मालवाहक वाहन में यात्री परिवहन रोकने डीजीपी अरुण देव गौतम तथा परिवहन विभाग के अफसरों ने पूरे दिन अपने अफसरों के साथ बैठक की। बुधवार को खरोरा, खमतराई थाना क्षेत्र में पुलिस ने जनजागरूकता अभियान चलाने के साथ लोगों के साथ बैठक की। बैठक में मालवाहन वाहन में यात्री ढोने से रोकने की समझाइश दी गई।

■ पुलिस के साथ परिवहन विभाग की मालवाहक वाहन में यात्री परिवहन रोकने हाई लेवल मीटिंग

अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने सभी जिलों के परिवहन अफसरों को मालवाहक वाहन में सवारी ढोते पाए जाने वाले वाहन का परमिट रद्द कर वाहन जब्त करने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने शादी सीजन को देखते हुए विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में बाराती गाड़ियों की जांच कर तय संख्या से ज्यादा सवारी ले जाने तथा मालवाहक वाहन में सवारी ढोने पर सख्त कार्रवाई करने निर्देश दिए हैं। पुलिस तथा परिवहन विभाग के अफसरों ने निरंतर जांच अभियान चलाए जाने के लिए कहा है।

एसएसपी बोले सभी दस्तावेज साथ रखें

एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने मालवाहक वाहन के चालकों को अपने साथ सभी दस्तावेज साथ रख कर वाहन चलाने की समझाइश दी। इसके साथ ही एसएसपी ने वाहन चालकों को नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी। साथ ही मालवाहक वाहन के मालिकों को अपने वाहन को किसी भी तरह से यात्री गाड़ी के रूप में नहीं चलाने की चेतावनी दी है।

सौ से ज्यादा वाहन पकड़े

ट्रैफिक पुलिस तथा परिवहन विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड की टीम ने मंगलवार तथा बुधवार को ग्रामीण क्षेत्रों में घूम-घूमकर सौ से ज्यादा मालवाहक गाड़ियां पकड़ीं। जिन गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उनका उपयोग सवारी ढोने में किया जा रहा था। परिवहन विभाग ने 30 से ज्यादा गाड़ियां जब्त कर आरटीओ में खड़ी कर दिया है।

वाहन मालिकों को पुलिस ने दिए निर्देश

बंगोली में हुई सड़क दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए खमतराई तथा खरोरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार को जनजागरूकता अभियान चलाया। खमतराई तथा खरोरा में एक हजार के करीब लोग तथा वाहन स्वामी बैठक में शामिल हुए। खमतराई थाने की पुलिस ने वाहन मालिकों को मालवाहक वाहन में किसी भी प्रकार से सवारी नहीं ढोने के लिए शपथ पत्र भरवाया। साथ ही लोगों को किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने जाने के लिए मालवाहक वाहन में जाने से बचने की सलाह दी।

पैसे बचाने के लिए मालवाहक वाहन

गांव में किसी के यहां विवाह के लिए किसी अन्य तरह का आयोजन होता है, तो वे समान्य यात्री गाड़ी बुक करने के बजाय मालवाहक वाहन बुक करते हैं। इसकी वजह उन्हें गांव में ट्रैक्टर सहित अन्य तरह के छोटे मालवाहक वाहन आसानी से मिल जाते हैं। कई ऐसे होते हैं, जिनके यहां कार्यक्रम होता है, उनके पास या अपने पड़ोसी के पास ट्रैक्टर होता है। ऐसे स्थिति में उन्हें एक जगह से दूसरी जगह जाने ट्रैक्टर या अन्य छोटे मालवाहक वाहन में केवल डीजल का खर्च लगता है।

सर्वोदय तालाब के बाहर नाली, गंदा पानी जाने से रोकने टो वॉल बनेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित वार्ड के सर्वोदय तालाब में नाली का गंदा पानी जाने से रोकने चारों ओर टो वॉल बनाया जाएगा। इसके साथ ही तालाब की सफाई करायी जायेगी। आम जनता की सुविधा के लिए सर्वोदय तालाब के पार में चारों ओर आने-जाने के लिए पाथवे निर्माण भी कराया जायेगा। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने जोन 10 के अधिकारियों को इस आशय के निर्देश दिए।

■ तालाब के चारों ओर बनेगा पाथवे, सौंदर्यीकरण होगा

■ निगम आयुक्त ने तालाब का किया निरीक्षण

नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने बुधवार को जोन 10 क्षेत्र स्थित सर्वोदय तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तालाब के आसपास के घरों से प्रतिदिन निकलने वाले गंदा पानी के बहाव को तालाब में जाने से रोकने नाली बनाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने आम्रपाली सोसाइटी के पास वाले मार्ग में निरीक्षण कर नाला सफाई बारिश से पहले कराने की हिदायत जोन 10 के अधिकारियों को दी। मार्ग में कब्जा जमाकर लगाये जा रहे अवैध ठेलों और गुमटियों को हटाते हुए यातायात सुगम बनाने और गंगा डायग्नोस्टिक हास्पिटल के सामने सड़क पर वाहन पार्किंग बंद करने कहा है, ताकि मार्ग में पार्किंग के कारण सड़क यातायात बाधित होने की समस्या दूर की जा सके।

तालाब निरीक्षण के दौरान जोन 10 अध्यक्ष सचिन मेघानी, जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, उप अभियंता निवृत्ति परमार की उपस्थिति रही।

अवंति विहार मुख्य मार्ग रहेगा बुधवार रात्रि से बंद, पुलिया तोड़कर नया निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अवंतिविहार मुख्य मार्ग में पुलिया निर्माण कार्य के कारण 14 मई की रात्रि से मार्ग बंद रहेगा। जीई रोड से खम्हारडीह थाना तक आने-जाने वाले इस मार्ग में पुलिया तोड़कर नई पुलिया बनाने का कार्य शुरू हो रहा है, इसलिए लोग आवागमन के लिए सड़क के दोनों ओर के डायवर्सन मार्ग का उपयोग अपनी सुविधा अनुसार कर सकते हैं।

■ फूड स्टापेज भवन के सामने निर्माण मार्ग दोनों तरफ से बंद

महर्षि वाल्मिकी वार्ड में अवंतिविहार मुख्य मार्ग में फूड स्टापेज भवन के सामने पुरानी पुलिया को तोड़कर नई पुलिया बनाई जायेगी। इसलिए इस मार्ग पर बुधवार रात्रि से आवागमन बंद रहेगा। जोन 9 कमिश्नर संतोष पांडे ने बताया कि निगम आयुक्त के आदेश अनुसार शहर की जनता को सूचित किया गया है कि अवंति विहार मुख्य मार्ग जो कि जीई रोड से खम्हारडीह थाने तक जाता है, इस मार्ग में पुलिया निर्माण किया जाना है।

निर्माण कार्य की वजह से पुलिया को दोनों तरफ से बंद किया जा रहा है। 14 मई की रात्रि से कार्य पूरा होने तक यह मार्ग बंद रहेगा।

प्रभावित क्षेत्र के रहवासी आवागमन के लिए सड़क के दोनों ओर स्थित डायवर्सन मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। द फूड स्टापेज भवन के पास से आवागमन का मार्ग परिवर्तित किया गया है।

पुराने पाइप लाइन से पानी का प्रेशर कम, जल संकट दूर करने पाइप लाइन विस्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर नगर निगम जोन 9 क्षेत्र स्थित पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड के पाम ब्लाजियो क्षेत्र सहित आसपास के रहवासियों को जलसंकट से जल्द छुटकारा मिलेगा। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने बुधवार को इस क्षेत्र में पाइप लाइन विस्तार कार्य का लोकार्पण किया। 39 लाख 56 हजार रुपये की लागत से इस क्षेत्र में पाइप लाइन का विस्तार होगा।

■ पेयजल की समस्या का होगा समाधान

दरअसल, पाम ब्लाजियो सहित आसपास की रहवासी कालोनियों में निगम की पुरानी पाइप लाइन से पानी का प्रेशर कम आने से लोगों को गर्मी के समय पेयजल की

समस्या से जूझना पड़ रहा है। जलसंकट की स्थिति को देखते हुए विधायक मोतीलाल साहू ने जोन अध्यक्ष गोपेश साहू और वार्ड पार्षद देवदत्त द्विवेदी की उपस्थिति में पाइप लाइन विस्तार कार्य का लोकार्पण किया। श्री साहू ने जोन कमिश्नर संतोष पांडे और उप अभियंता जल आशुतोष पांडे को पाइप लाइन विस्तार का कार्य समय रहते पूरा करने के निर्देश दिये हैं।

प्रदेश की 146 गांवों को मिली आयुष ग्राम की पहचान

रायपुर। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम चरण में 146 ग्रामों को 'आयुष ग्राम' के रूप में चिन्हित किया गया है। इन गांव में आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्कूल शिक्षकों, स्व-सहायता समूहों और जन प्रतिनिधियों की भागीदारी से स्वास्थ्य जागरूकता को जन आंदोलन का रूप दिया जा रहा है।

योजना के तहत ग्रामवासियों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जोड़ने के लिए औषधीय पौधों की खेती, उनके घरेलू उपयोग, योग, प्राणायाम और प्राकृतिक चिकित्सा को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने हेतु नियमित कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इस पहल के माध्यम से सरकार का लक्ष्य ग्रामीण इलाकों में आयुष की पहुंच सुनिश्चित करना और भारत की प्राचीन चिकित्सा विधाओं को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है। इन मेलों के माध्यम से लोगों को निशुल्क परामर्श, औषधि वितरण और जीवनशैली सुधार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कल होगा जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला

रायपुर। आयुष संचालनालय के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी रायपुर के मार्गदर्शन में निशुल्क जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन पटेल विद्या मंदिर परिसर, महमाई पारा, पुरानी बस्ती में 16 मई को सुबह 10 बजे से 4 बजे तक किया जाएगा। उक्त शिविर में विभिन्न रोगों के चिकित्सा परामर्श के लिए आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, तथा प्राकृतिक एवं योग चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे। आयुष औषधियां निशुल्क प्रदान की जाएगी।

नगर सैनिकों की भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर सेना विभाग द्वारा 1715 महिला नगर सैनिकों की छात्रावास ड्यूटी तथा 500 नगर सैनिकों की जनरल ड्यूटी के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए लिखत परीक्षा 22 मई रविवार को व्यापम द्वारा राज्य के 04 जिले रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर एवं अंबिकापुर में आयोजित की जाएगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन एवं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई शाम 5:00 बजे तक है।

पेज 11 के शेष ...

मेट्रोमोनियल साइट पर ....

शिकायत दर्ज कराई है। अब्दुल ने पुलिस को बताया है कि वह तलाकशुदा है, इसलिए उसने शादी करने अप्रैल में मेट्रोमोनियल साइट पर अपना बायोडाटा अपलोड किया। बायोडाटा में दिए गए मोबाइल नंबर पर मध्यप्रदेश, बैतूल की सादिया शेख नाम की महिला ने अब्दुल से संपर्क किया और शादी करने की इच्छा व्यक्त करते हुए उसके साथ मोबाइल से चैट करने लगी।

चैटिंग के दौरान .....

ठगी का शिकार बनाया। मेट्रोमोनियल साइट निकाह फार एवर के बारे में अब्दुल ने जानकारी जुटाई, तो उसे उस साइट को जालसाजों द्वारा चलाए जाने के बारे में जानकारी मिली।

मोटर वाहन के पंजीकृत मालिक को नोटिस के लिए पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना स्थापना और ताजा पंजीकरण का उपयोग किया जा सकता है वित्तीय के नाम में प्रमाण पत्र
(डुप्लिकेट में बनाया जा सकता है और डुप्लिकेट कॉपी को फाइनेंसर को एक साथ भेजा जाना है नोटिस जारी करना)
पंजीकरण की स्थिति का कार्यालय बिलासपुर रेफरी संख्या 305/RTO/25 दिनांक 07/05/2025
श्री **श्यामली सेल्स कार्पोरेशन** (रजिस्टर्ड)। है। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि **टाटा मोटर्स फाईनेंस लिमिटेड** (Financio) है / ने सूचित किया है कि उसने / उन्होंने मोटर वाहन असर पंजीकरण को अपने कब्जे में ले लिया है संख्या **सीजी 10 बी.क्यू. 9757** एक समझौते द्वारा कवर किया गया किराया-खरीद / पट्टे। उक्त समझौते के प्रावधानों के तहत अपने डिफ़ॉल्ट के कारण हाइपोथैकेशन, और:
1. आपने उसे / उन्हें पंजीकरण प्रमाणपत्र देने से मना कर दिया है।, 2. आप फरार हो गए हैं।
उसने पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने और नए सिरे से जारी करने का अनुरोध किया है उसके / उसके नाम में पंजीकरण का प्रमाण पत्र।
अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त के पंजीकरण के प्रमाणपत्र को सरेंडर करें मोटर वाहन जो आपके द्वारा बनाए रखा गया है वह आपके कब्जे को खोने के बावजूद और जिससे धारा 2 (3) के तहत मोटर वाहन का स्वामित्व और आपके भेजने के लिए रसीद की तारीख से सात दिनों के भीतर इस कार्यालय में, यदि कोई हो, का प्रतिनिधित्व आपके द्वारा यह नोटिस, विफल होने पर पंजीकरण का एक नया प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा फाइनेंसर का नाम, आपके अनुसार आयोजित पंजीकरण का प्रमाणपत्र रद्द करना धारा 51 (5) के साथ।
तारीख.....
Registered Authorty
Bilaspur(C.G)

नाम परिवर्तन
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **अमित तिरपुड़े पिता पुरूषोत्तम तिरपुड़े**, निवासी - सी-203, सालासर ग्रीन, सरोना, रायपुर (छ.ग.), पिन-492099, यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपना पुराना नाम अमित तिरपुड़े पिता पुरूषोत्तम तिरपुड़े को त्याग कर नया नाम **अमित पुरूषोत्तम तिरपुड़े पिता पुरूषोत्तम तिरपुड़े** रख लिया हूँ।
अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम **अमित पुरूषोत्तम तिरपुड़े पिता पुरूषोत्तम तिरपुड़े** से ही जाना पहचाना जावे।
अमित पुरूषोत्तम तिरपुड़े
सी-203, सालासर ग्रीन, सरोना, रायपुर (छ.ग.), पिन-492099

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला रायपुर
आम सूचना
जारी दिनांक 15/04/2025
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामदयाल माहेश्वरी पिता/पति बिसौहा माहेश्वरी निवासी मंदिर हसौद छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल-मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 1378/3, 1383/1, 1383/3, 1383/4 रकबा 0.291, 0.121, 0.081, 0.101 हेक्टेयर का सीमांकन/बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 20/01/2025 के परिपालन में दिनांक 30/05/2025 को समय 02 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।
अतः उक्त सीमांकन/बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।
(राजस्व निरीक्षक)
मंदिर हसौद

:: आम सूचना ::
कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर
जारी दिनांक 15/04/2025
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राम सिंह पिता /पति बिसौहा राम निवासी मंदिर हसौद छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 1383/16 रकबा 0.304 हे. का सीमांकन /बटांकन/ न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 20/01/2025 के परिपालन में दिनांक 20/05/2025 को समय 2.00 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।
अतः उक्त सीमांकन/ बटांकन/ में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/ आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नही है।
राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

रोड एक्सीडेंट में घायलों को मिलेगा डेढ़ लाख तक निशुल्क उपचार, आईआरएडी पोर्टल होगा मददगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

सड़क हादसे में घायल होने वालों को स्वास्थ्य योजना में पंजीकृत अस्पतालों में डेढ़ लाख तक निशुल्क उपचार की सुविधा मिलेगी। इसके लिए इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटा बेस (आईआरएडी) पोर्टल मददगार होगा। इस ऐप का संचालन पुलिस, स्वास्थ्य, परिवहन और एनएचएआई की सहभागिता से होगा। ऐप का उद्देश्य एक्सीडेंट के पीड़ितों के त्वरित उपचार के साथ ब्लैक स्पॉट और कारणों का मंथन कर कमियां दूर करना भी है।

सूत्रों के मुताबिक इस ऐप की पासवर्ड आईडी चारों विभागों को दी गई है। इसमें में सभी विभाग अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर एंट्री करेंगे। कई बार इस तरह की स्थिति बनती है कि घटना के बारे में समुचित जानकारी नहीं होने पर घायलों को त्वरित उपचार की सुविधा नहीं मिल पाती। पुलिस के साथ अन्य विभाग सड़क हादसे की समीक्षा में अपनी प्रमुख भूमिका नहीं निभा पाते। आईआरएडी इन्हीं कमियों को दूर करेगा। सीएमएचओ डा. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि इस योजना के तहत रोड एक्सीडेंट में जख्मी होने वाला प्रधानमंत्री सड़क दुर्घटना नकद रहित उपचार योजना का पात्र होगा। योजना के अनुसार पीड़ित दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों के भीतर किसी भी पीएमजेएवाय योजना में पंजीकृत अस्पताल में भर्ती होकर 1.50 लाख रुपये तक की राशि का निशुल्क उपचार करा सकेगा। इससे घायलों के इलाज पर होने वाले खर्च की चिंता दूर होगी। साथ संबंधित पोर्टल पर दुर्घटना की सही और त्वरित प्रविष्टि से न केवल सहायता प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि राज्य और केंद्र सरकार को सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी नीतियाँ तैयार करने में भी सहायता मिलेगी।

सड़क हादसा कम करने, घायलों का त्वरित उपचार, कारणों पर मंथन का उद्देश्य

पिछड़ रहे अस्पताल वाले

सूत्रों के अनुसार आईआरएडी पोर्टल में एंट्री करने में पुलिस सक्रियता दिखा रही है, मगर शासकीय और निजी अस्पताल वाले इसमें पिछड़ रहे हैं। अस्पतालों के पंजीयन काउंटर में बैठने वाले कर्मचारियों को इस पोर्टल एंट्री करने की जिम्मेदारी गई है। कई बार ऐसा होता है कि घटना के बाद घायल सीधे अस्पताल पहुंच जाते हैं और पुलिस को इसका पता नहीं चल पाता। पोर्टल में एंट्री इस समस्या का समाधान कर सकती है। अस्पतालों की सुस्ती को दूर करने विभागीय अफसरों द्वारा निर्देश जारी किया गया है।

■ पुलिस, स्वास्थ्य, परिवहन और एनएचएआई की सहभागिता से संचालित हो रहा एप

मददगार को 25 हजार की सम्मान राशि

इस योजना के तहत घायलों की मदद कर उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने वालों को भी सम्मानित किया जाएगा। पूर्व में मददगार को 5 हजार रुपये दिए जाते थे जिसे बढ़ाकर अब 25 हजार रुपये किया गया है। इसके अलावा मदद करने वालों के घटना के अलावा अन्य तरह की पूछताछ नहीं की जाएगी। अक्सर यह बात सामने आती है कि आम लोग पुलिस पचड़े में फंसने के डर से सड़क हादसों के प्रत्यक्षदर्शी होने के बाद भी मदद के लिए सामने नहीं आते।

खबर संक्षेप

संसाधन भत्ता को लेकर पटवारी संघ ने राजस्व मंत्री को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों ने बुधवार को प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा से मुलाकात की। इस दौरान संघ ने मंत्री को वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा संसाधन भत्ता को लेकर पूर्व में की गई घोषणा को याद दिलाते हुए अप्रैल 2025 से संसाधन भत्ता पटवारियों को प्रदाय कराने की मांग की। संघ के प्रांताध्यक्ष भागवत कश्यप ने बताया कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट सत्र में पटवारियों को ऑनलाइन कार्य के लिए संसाधन भत्ता देने की घोषणा की थी। इस घोषणा के तहत अब तक संसाधन भत्ता दिया नहीं गया है। उन्होंने कहा कि पटवारियों द्वारा ऑनलाइन के सारे कार्य जैसे खसरा संकलन, संशोधन, विलोपन, नक्शा बटांकन, ऑनलाइन अभिलेख दुरुस्ती के अलावा फसल गिरदावरी, जियो रिफ्रेसिंग, कृषि संगणना आदि योजनाओं को भुईयां के माध्यम से ऑनलाइन डिजिटलीकरण कार्य अपने संसाधन से करते हैं। इन कार्यों के लिए संसाधन भत्ता देने की घोषणा मंत्री द्वारा की गई है जो वित्तीय बजट में शामिल है।

भाजपा मंत्री विजय शाह पर एफआईआर दर्ज कराने थाना पहुंचे कांग्रेसी

रायपुर। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में राजधानी के समस्त कांग्रेसी बुधवार को रायपुर सिविल लाईन थाना में बीजेपी मंत्री विजय शाह पर एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे। इस मौके पर श्री उपाध्याय ने बताया कि बीजेपी मंत्री विजय शाह ने देश की बेटी, बहन कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है, इस मंत्री का विवादास्पद बयान पहली बार का नहीं है ऐसे कई बयान हैं जिनमें मंत्री विजय शाह विवादों से घिरे रहते हैं। उनकी यह टिप्पणी देश की जांबाज बेटी के लिए अतिअशोभनीय है। जिसकी कांग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है और दोषी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है। मांग करने वालों में युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, कमलाकांत शुक्ला, दिनेश ठाकुर, सुरेश उपाध्याय, हनी बग्गा, बाकर अब्बास, पूजा देवांगन, अशोक ठाकुर, नवीन चन्द्राकर, शिव श्याम शुक्ला, दिनेश तिवारी, वेद प्रकाश कुशवाहा, किशनपुरी गोस्वामी, हर्षित जायसवाल, उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार समाधान शिविर आज

रायपुर। नगर निगम जोन 4 के वार्डो के लिए 15 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बूढ़ापारा के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में समाधान शिविर आयोजित है। महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में संबंधित विभाग के अधिकारी आवेदकों को उनके आवेदन पर की गयी समाधान संबंधी कार्यवाही की जानकारी देंगे। इसी तरह जोन 5 के वार्डो से प्राप्त आवेदनों के संबंध में समाधान शिविर 19 मई को डीडी नगर सामुदायिक भवन सेक्टर 2 में आयोजित होगा।

कांग्रेस ने सभी जिलों में किया प्रदर्शन

कर्नल सोफिया के लिए अभद्र टिप्पणी करने वाले भाजपाई मंत्री का कांग्रेस ने फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

देश की जांबाज बेटी भारतीय सेना की कर्नल सोफिया के बारे में भारतीय जनता पार्टी के नेता और मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर कांग्रेस ने प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में विजय शाह का पुतला फूंक कर विरोध जताया।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने मांग की है कि मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह को तत्काल मंत्री पद से बर्खास्त किया जाय। उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाय। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दल के नेता की बद्‌जुबानी के लिये देश की जांबाज बेटी कर्नल सोफिया से तत्काल माफी मांगें। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश के उस मंत्री को अभी तक बर्खास्त क्यों नहीं किया, जिसने कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ बेहद शर्मनाक और पूरी तरह से अस्वीकार्य बयान दिया? केवल राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा इन टिप्पणियों की निंदा कर देना पर्याप्त नहीं है। मंत्री का बयान भाजपा की विकृत मानसिकता को दर्शाता है। बुधवार को रायपुर शहर, रायपुर ग्रामीण, बलौदाबाजार, गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी, बालोद, दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण, भिलाई शहर, बेमेतरा, राजनांदगांव शहर, राजनांदगांव ग्रामीण, कवर्धा, जगदलपुर शहर बस्तर ग्रामीण, सुकमा, नारायणपुर, कोण्डागांव, बीजापुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, बिलासपुर शहर, बिलासपुर ग्रामीण, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली, कोरबा शहर, कोरबा ग्रामीण, जांजगीर-चांपा, रायगढ़ शहर, रायगढ़ ग्रामीण, जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया सहित कांग्रेस के सभी जिला एवं ब्लाकों में पुतला दहन किया गया।

शहर कांग्रेस ने फूंका पुतला

कांग्रेस भवन गांधी मैदान के सामने एकत्रित कार्यकर्ताओं ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर उनके इस्तीफे की मांग की। शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे ने कहा, आज पूरा देश उनके इस बयान से आक्रोशित है। भाजपा को स्पष्ट करना चाहिये कि यह बयान भाजपा का है या उसकी विचारधारा का। पुतला दहन कार्यक्रम में कन्हैया अग्रवाल, पंकज शर्मा, उधोराम वर्मा, मदन तालेड़ा, सुरेश ठाकुर, नवीन चंद्राकर, प्रशांत ठेंगडी, दिनेश ठाकुर, आकाश तिवारी, बंशी कन्नौजे, अविनय दुबे, दिनेश तिवारी, योगेश तिवारी, नंदकुमार पटेल, गावेश साहू, प्रवीण चंद्राकर, विक्की वाधवानी, शीतल कुलदीप बोगा, पंकज सिंह ठाकुर, भूपेंद्र जलक्षत्री, सुयश शर्मा, संगीता दुबे, लोकेश्वरी साहू, सुषमा ध्रुव, आरती देवी, पदमा कहार, शब्बीर खान, राज देवांगन, ब्रम्हा सोनकर, मोहम्मद आसीफ, नवीन लाजरस, महावीर देवांगन, मुन्ना मिश्रा उपस्थित थे।

कैट ने तुर्की-अजरबैजान की यात्राओं का बहिष्कार करने किया आव्हान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कैट ने चीन, तुर्की तथा अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान का खुला समर्थन करने पर देशभर के व्यापारियों एवं लोगों से आव्हान किया है कि वे तुर्की तथा अजरबैजान की यात्राओं का पूरी तरह बहिष्कार करें। तुर्की और अजरबैजान के साथ व्यापार बंद करने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय 16 मई को कैट द्वारा नई दिल्ली में आयोजित देश के प्रमुख व्यापारी नेताओं के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया जाएगा।

■ भारतीय व्यापारियों का तुर्की और अजरबैजान के खिलाफ सख्त रुख

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, प्रदेश अध्यक्ष परमानन्द जैन ने बताया कि चीन को लेकर कैट विगत कई वर्षों से चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने अभियान चलाए हुए है, जिसका व्यापक असर पड़ा है। अब तुर्की एवं अजरबैजान की यात्राओं के बहिष्कार के संबंध में कैट ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स संगठनों सहित अन्य संबंधित वर्गों से संपर्क कर इस अभियान को तेज करेगा। उधर दूसरी ओर तुर्की और अजरबैजान के साथ व्यापार बंद करने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय 16 मई को कैट द्वारा नई दिल्ली में आयोजित देश के प्रमुख व्यापारी नेताओं के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया जाएगा। अमर पारवानी ने कहा कि यदि भारतीय नागरिक तुर्की और अजरबैजान के पाकिस्तान के प्रति समर्थन के विरोध में इन देशों की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो इसका इन देशों की अर्थव्यवस्था, विशेषकर पर्यटन क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार तुर्की में कुल विदेशी आगमन 62.2 मिलियन पर्यटक का था, जिसमें अकेले भारत से ही करीबन 3 लाख पर्यटक थे। वर्ष 2023 की तुलना में भारतीय पर्यटकों की संख्या में 20.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गयी।

यात्रा का बहिष्कार इन देशों की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ेगा

श्री पारवानी एवं श्री जैन ने कहा यदि भारतीय पर्यटक तुर्की की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो तुर्की को करीबन $291.6 मिलियन का प्रत्यक्ष नुकसान होगा। इसके अतिरिक्त, भारतीय पर्यटकों द्वारा आयोजित विवाह, कॉर्पोरेट कार्यक्रम और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के रद्द होने से अप्रत्यक्ष रूप से और भी आर्थिक नुकसान हो सकता है। चूंकि भारतीय पर्यटक मुख्यतः अवकाश, मनोरंजन, विवाह, और साहसिक गतिविधियों के लिए अजरबैजान जाते हैं, इन क्षेत्रों में भी आर्थिक मंदी बड़े पैमाने पर हो सकती है। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी और प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बेहद मजबूत है, और कोई भी भारत को कमजोर समझने की भूल न करे। भारतीय नागरिकों द्वारा तुर्की और अजरबैजान की यात्रा का बहिष्कार इन देशों की अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। यह कदम न केवल आर्थिक दबाव बनाएगा, बल्कि एक मजबूत राजनीतिक संदेश भी देगा, जिससे दोनों देशों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

तीन साल से तबादलों पर प्रतिबंध नहीं बनी नीति, कर्मचारी परेशानी में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में शासकीय सेवकों के लिए पिछले तीन साल से सरकार ने तबादलों पर प्रतिबंध लगा रखा है। यही नहीं तीन साल से सरकार ने तबादला नीति भी नहीं बनाई है। इस मामले को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पत्र भेजकर जल्द से जल्द नवीन स्थानांतरण नीति लागू करने की मांग की है।

फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को बड़ी राहत दिलाने के उद्देश्य से कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने राज्य में वर्षों से लगे स्थानांतरण प्रतिबंध को हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि वर्ष 2022 में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा स्थानांतरण नीति तो जारी की गई थी, लेकिन इसके तीन वर्ष बीतने के बाद भी राज्य सरकार द्वारा स्थानांतरण पर लगे प्रतिबंध को नहीं हटाया गया है। इससे प्रदेश के हजारों शासकीय कर्मचारी मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक रूप से परेशान हो रहे हैं।

■ फेडरेशन ने उठाया मुद्दा, सीएम, सीएस से की मांग

■ पति-पत्नी की पोस्टिंग अलग-अलग जगहों पर

फेडरेशन ने कही ये बात, रखी मांग

पति-पत्नी प्रकरण में पारस्परिक स्थानांतरण की सुविधाःवर्तमान नीति में पति-पत्नी दोनों यदि शासकीय सेवक हैं, तो उनके एक ही स्थान पर पदस्थापना की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। इससे दंपती दूर-दूर स्थानों पर कार्यरत होने के कारण पारिवारिक जीवन में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। पूर्व में मान्यता प्राप्त संगठन पदाधिकारियों को स्थानांतरण में छूट दी जाती थी, लेकिन वर्तमान स्थानांतरण नीति में इसका उल्लेख नहीं है। मध्यप्रदेश की नीति में यह व्यवस्था आज भी लागू है, जिसे छत्तीसगढ़ में भी शामिल किया जाना चाहिए। गंभीर बीमारी से पीड़ित कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की मांग के साथ कहा गया है कि दिव्यांग, कैंसर, हार्ट सर्जरी, किडनी ट्रांसप्लांट जैसे गंभीर रोगों से पीड़ित कर्मचारियों को स्थानांतरण में प्राथमिकता दी जाए, ताकि वे बेहतर इलाज व पारिवारिक सहयोग प्राप्त कर सकें।

■ भाजपा कार्यालय में 300वीं जयंती पर पहुंचीं यूपी महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष सुषमा सिंह

अहिल्याबाई ने राज-व्यवस्था, न्याय और सुशासन को किया स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उत्तरप्रदेश महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष सुषमा सिंह ने कहा, आज 300 वर्ष के बाद हमें पुण्यश्लोका महारानी अहिल्याबाई होल्कर के बारे में जानने का अवसर मिला है। यह पार्टी कार्यकर्ताओं के नाते हमारे लिए और सभी परिवारों के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने देवी अहिल्याबाई को महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बताते हुए कहा, उनका पूरा जीवन सामाजिक सुधारों, सुशासन की अवधारणा को धरातल पर साकार करने और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए समर्पित रहा।

उन्होंने महारानी अहिल्याबाई के शासनकाल की चर्चा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में हो रहे जन कल्याण और महिला सशक्तीकरण के काम महारानी अहिल्याबाई के शासनकाल से पूरी तरह जुड़ाव रखते हैं। कृषि, पर्यावरण, प्रजा कल्याण और जीव जन्तुओं की चिंता करने वाली लोकमाता अहिल्यादेवी के शासनकाल में कभी अकाल नहीं पड़ा। महिलाओं को उन्होंने सैन्य टुकड़ी में शामिल किया, ठीक उसी तरह आज भी महिलाएं भारतीय सेना में नेतृत्व कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर में व्योमिका सिंह व सोफिया कुरैशी के रणनीतिक नेतृत्व कौशल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, मोदी शासनकाल में भी महिलाओं के विकास व कल्याण के साथ-साथ उनके आर्थिक समाजिक व राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में काम हो रहे हैं। इस अवसर पर अहिल्याबाई जयंती कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक नारायण चंदेल, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, सहित कई भाजपा पदाधिकारी मौजूद थे।

■ छत्तीसगढ़ में भी होंगे 31 मई तक कई कार्यक्रम

■ आज भी महिलाएं भारतीय सेना में नेतृत्व कर रही

15 दिनों तक होंगे विविध कार्यक्रम : भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की तिथिवार जानकारी देते हुए कहा कि 16 से 18 मई तक सभी जिला कार्यालयों में कार्यशालाएं पूर्ण होंगी। 21 व 22 मई को सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 23 और 24 मई को मंदिरों की सफाई की जाएगी। 25 और 26 मई को महाविद्यालय स्कूलों व छात्रावासों में गोष्ठी-परिचर्चा के कार्यक्रम होंगे। 26 और 27 मई को मंडल इकाइयों के स्तर पर गोष्ठी व परिचर्चा रखी जाएगी। 28 मई को जनपद मुख्यालयों, 29 मई को नगर पंचायतों एवं 30 मई को नगर पालिकाओं के स्तर पर गोष्ठी परिचर्चा व महिला सम्मान समारोह के कार्यक्रम होंगे। इन सभी कार्यक्रमों के जरिए अहिल्याबाई के संपूर्ण व्यक्तित्व व कर्तव्य विस्तार से जन-जन तक पहुंचना है।

बिजनेस साइट

विवेकानंद महाविद्यालय में एनएसएस प्रमाण पत्र वितरण समारोह हुआ

रायपुर। विवेकानंद महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में एक भव्य प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर अशोक कुमार झा विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस प्रभारी इंद्राणी सोनकर ने किया और महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। समारोह में डॉ. मिश्रा ने एनएसएस के स्वयंसेवकों को उनके एक वर्ष की सेवाओं और गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए और उनके सामाजिक योगदान के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही, हाल ही में आयोजित तीन दिवसीय रोवर-रेंजर कैंप में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में यह जानकारी भी दी गई कि विवेकानंद महाविद्यालय रायपुर में आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

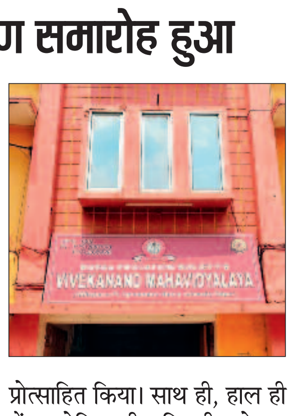

नगर निगम की जोन कमिश्नरी में आएंगे डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारी

■ तहसीलदार तुलसी राठौर की जोन कमिश्नर के रूप में पदस्थापना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम के दस जोन कमिश्नरी में डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति हो सकती है। राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को नगर निगम के जोन कमिश्नरी में बैठाने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक रायपुर नगर निगम में ही राज्य प्रशासनिक सेवा के 15 अधिकारी आ सकते हैं। निगम में अभी जोन कमिश्नर के रूप में नगर पालिका सेवा के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

दरअसल, नई प्रशासनिक व्यवस्था के तहत नगर निगम रायपुर, दुर्ग, भिलाई और बिलासपुर में राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को बैठाने की तैयारी चल रही है। अपर आयुक्त के पद पर भी बदलाव हो सकता है। नगर निगम के दस जोन में जोन कमिश्नर के रूप में डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारियों की प्रतिनियुक्त हो सकती है। विदित हो कि प्रदेश के सबसे बड़े नगर निगम में अभी राज्य प्रशासनिक सेवा से अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता और उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा काम कर रही हैं। इनमें से श्री गुप्ता की सेवानिवृत्ति सितंबर में हो जाएगी।

नगरीय प्रशासन संचालनालय ने भेजा था प्रस्ताव

सूत्रों के मुताबिक इसका प्रस्ताव नगरीय प्रशासन संचालनालय ने 21 अप्रैल को अवर सचिव नगरीय प्रशासन विभाग को भेजा था। पत्र में राज्य प्रशासनिक सेवा के 25 अधिकारियों की मांग की गई है। इन अधिकारियों को अपर आयुक्त, जोन आयुक्त और उपायुक्त के पद पर पदस्थ किया जाएगा। संचालनालय ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से इस फेरबदल को जरूरी बताया है।

तहसीलदार तुलसी राठौर की जोन कमिश्नर के रूप में पदस्थापना

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में रायपुर में पदस्थ तहसीलदार तुलसी राठौर की जोन कमिश्नर के रूप में नई पदस्थापना दी गयी है। निगम आयुक्त विश्वदीप अब किस जोन की जिम्मेदारी उन्हें देते हैं, यह तय होना अभी बाकी है। बताते चलें कि रायपुर नगर निगम के 10 जोन की कमिश्नरी में अभी नगर पंचायत, नगर पालिका स्तर के सीएमओ लेवल के अधिकारियों के साथ एक इंजीनियर और राजस्व अधिकारी काम कर रहे हैं।

तत्कालीन निगम आयुक्त ओपी चौधरी के समय हुई थी शुरुआत

जानकारों का कहना है रायपुर नगर निगम में इसकी शुरुआत तत्कालीन नगर निगम आयुक्त ओपी चौधरी के समय हुई थी। तब तारनप्रकाश सिन्हा और उसके बाद पुलक भट्टाचार्य की नियुक्ति साथ हुई थी। इनके बाद अरविंद शर्मा नगर निगम में उपायुक्त राजस्व के पद पर नियुक्त हुये थे। इनमें से तारनप्रकाश सिन्हा ने बाद में निगम आयुक्त के रूप में यहां काम किया था।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, गुरुवार 15 मई 2025
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

एक छत के नीचे अपनेपन से बंधी ...

लाइव इवेंट

सशक्त शोध के लिए स्पष्ट और सुविचारित परिकल्पना जरूरी

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा शामिल हुए। बुधवार को तकनीकी सत्र के विशेषज्ञ वक्ता महंत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने 'परिकल्पना प्रक्रिया' पर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि यह प्रकिया वैज्ञानिक या शोधकर्ता द्वारा किया जाता है। जिसमें निर्धारित विषय के परीक्षण की जानकारी क्रमबद्ध रूप से दी जाती है। परिकल्पना में प्रारंभिक प्रश्न, विषय की समीक्षा, परिकल्पना का निर्माण, परीक्षण, विश्लेषण मुख्य होता है।

दो दिवसीय तकनीकी सत्र का समापन

कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग-सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें भारतीय संस्कृति की मनमोहक झलक देखने को मिली। इस मौके पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से डॉ. धर्मेंद्र कुमार गंगेश्वर ने उपस्थित शोधार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने बेहतर परिकल्पना तैयार करने की बारीकियों को समझाया। सशक्त शोध के लिए स्पष्ट और सुविचारित परिकल्पना का होना जरूरी है। यह शोधार्थियों के प्रयास और मनोभाव को दर्शाता है। इस दौरान अग्रसेन कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. वीके अग्रवाल, एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. यूलेंद्र कुमार राजपूत, विभागाध्यक्ष डॉ. आकांक्षा दुबे, नवीन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मधुलिका अग्रवाल उपस्थित रहीं।

● राजधानी के अलग-अलग कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं में अब बढ़ने लगा है काम के प्रति जुनून...

महंगी पढ़ाई के बोझ से गार्जियन्स को बचाने के लिए युवा स्टार्टअप से बन रहे आत्मनिर्भर, बढ़ रहा भरोसा

'कहते हैं समय इंसान को सब कुछ सिखाता और सीखने के लिए विवश भी करता है। जी-हां अब महंगी पढ़ाई के बोझ से दबे गार्जियन की व्यथा को देखते हुए युवा पढ़ाई के साथ कमाई का रास्ता खोजने लगे हैं। पढ़ाई का खर्च निकालने के साथ वे अपने शौक भी खुद के पैसे से पूरा करना चाहते हैं। इसके लिए वे कॉलेज टाइम के बाद स्टार्टअप से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इससे उनका काम के प्रति जुनून और खुद पर भरोसा भी बढ़ रहा है।'

रायपुर। बदलते वक्त के साथ युवा स्टार्टअप की योजना बनाने और उसे साकार करने लगे हैं। इन दिनों कॉलेज के विद्यार्थी भी पढ़ाई व काम के प्रति प्रभावी तरीके से जुड़ने लगे हैं। इस बदलाव से जुड़े युवाओं से हरिभूमि ने चर्चा की। उनके अब तक के सफर को समझने का प्रयास किया। इसमें छात्रों ने बताया कि कॉलेज की पढ़ाई और स्टार्टअप के बीच समय प्रबंधन करते हैं। स्टार्टअप को सफल बनाने में गार्डियंस भी सहयोग करते हैं। वे भी स्टार्टअप को सफल बनाने में कड़ी की तरह काम करते हैं। इसका असर भी हमारे काम पर पड़ रहा है।

उधार की मशीन से शुरू किया बिजनेस

दोस्त की मशीन उधार लेकर बलून डेकोरेशन का काम शुरू किया। तब पहली कमाई 500 रुपए हुई थी। मैट्स यूनिवर्सिटी के छात्र पीयूष देवांगन ने बताया कि घर वालों से छिपकर कक्षा बारहवीं में बलून डेकोरेशन का काम सीखने के बाद शुरू किया। इसके पहले जान-पहचान वालों और दोस्तों के घरों में डेकोरेशन के लिए जाते थे। परिजनों की सलाह से इवेंट डेकोरेशन का स्टार्टअप शुरू किया। कॉलेज के दौरान काम का स्तर बढ़ता गया। अभी छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र में भी डेकोरेशन का काम करते हैं। अब लाखों की कमाई डेकोरेशन से हो रही है। स्टार्टअप की कमाई से अब कॉलेज की फीस और घर वालों को भी सहयोग करने का अवसर मिल रहा, इससे आत्म विश्वास भी बढ़ रहा है।

चैनल बनाकर छोटे काम को बड़ा स्वरूप देने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें दोस्तों को भी जोड़ने का प्रयास करते हैं, ताकि वे भी अपनी पढ़ाई और खुद का खर्च वहन कर सकें।

थामा फैशन डिजाइनिंग का हाथ

मन में कुछ करने का जज्बा हो तो किसी भी स्थिति में काम को सफलता से किया जा सकता है। मैट्स यूनिवर्सिटी से अंतिम वर्ष की छात्रा सिद्धी अग्रवाल ने बताया कि बचपन से फैशन डिजाइनिंग और इस फील्ड में काम करने में रुचि रही। कॉलेज के दूसरे वर्ष 2023 में डिजाइनर आउट फीट तैयार करने का ऑडर मिलने लगा। अब तक वेडिंग, कार्निवल, बर्थ डे, पार्टी थीम पर भी ड्रेस डिजाइन करने के लिए आर्डर मिलता है। शुरू में कस्टमर के पसंद, ना पसंद और उनकी थीम को लेकर परेशानी होती थी। समय के साथ फैशन डिजाइनिंग से खुशी मिलने लगी है। अभी तक 12-13 डिजाइनर आउट फीट तैयार करने का मौका मिला, जो मेरे लिए सबसे यादगार पल रहा। वर्तमान में ड्रेस डिजाइनिंग के साथ ही शहर के बड़े ब्रांड का सोशल मीडिया हेंडल भी करती हूं।

घर में शुरू किया, केक बनाने का काम

खुशी माधवानी ने बताया कि घर में ही कप केक, केक और कुकी बनाने का काम शुरू किया। डिग्री गर्ल्स कॉलेज की छात्रा ने बताया कि कॉलेज के साथ स्टार्टअप शुरू किया। इससे अब हर महीने 20 से 30 हजार रुपए कमा रही हैं। छात्रा ने बताया कि साल 2021 में कुकिंग क्लास ज्वाइन करके घर से ही काम शुरू किया था। अब आने वाले 1-2 साल में इसे बड़े स्तर पर दुकान खोलने की योजना चल रही है। कॉलेज की पढ़ाई और बिजनेस में तालमेल बैठाने के लिए मां सहयोग करती हैं। जो परीक्षा व अन्य दिनों में मेरी मदद करती हैं। इससे काम सरल हो जाता है। साथ ही कस्टमर के चेहरे की मुस्कान ही मेरे काम का मुख्य उद्देश्य है। अपना काम लोगों तक पहुंचाने के लिए कॉलेज के आनंद मेला में हिस्सा लिया, जिससे कई लोगों ने मेरे काम को जाना और ऑडर देना शुरू किया।

सिटी इवेंट

साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम पर व्याख्यान सत्र का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर में बुधवार को 'साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम' विषय पर ग्रीष्मकालीन विज्ञान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्देशित जन-जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विविध बिन्दुओं पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को डिजिटल बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और साइबर धोखाधड़ी संबंधित सुरक्षा की जानकारी देना रहा। भारतीय रिजर्व बैंक से उप महाप्रबंधक अमरेन्द्र गुप्ता, प्रबंधक चंद्र सोनी विशेष तौर से शामिल हुए, जिन्होंने छात्रों को बैंकिंग, मुद्रा प्रणाली, साइबर सुरक्षा और डिजिटल भुगतान जैसे विषयों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा, साइबर क्राइम जैसे स्थिति में सबसे पहले आरबीआई के हेल्पलाइन पर जानकारी दें, इससे साइबर ठगों को गिरफ्तार करने में मदद मिलती हैं।

हैकर्स और साइबर अपराधियों के पास व्यक्तिगत डेटा मौजूद

शिविर में निजी एवं शासकीय विद्यालयों के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं रायपुर, आमासिवनी, दलदल सिवनी, खरोरा, सामोदा, डूंडा और मोवा से 120 छात्र उपस्थित रहे। इस मौके पर साइंस सेंटर के महानिर्देशक डॉ. एस. कर्मकार ने छात्रों को भविष्य में डिजिटल नागरिक के रूप में तैयार करने की बात कही। इंटरनेट और अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सुरक्षा के प्रति सचेत रहना, हैकर्स और साइबर अपराधियों के पास आपके व्यक्तिगत डेटा और वित्तीय जानकारी तक पहुंचने का बहुत आसान तरीका है। व्याख्यान सत्र के अंत में क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। साथ ही आरबीआई के शिक्षाप्रद बुकलेट वितरण किया गया, इसमें ठगी का शिकार होने पर सुझाव सूची, बचने के उपाय प्रमुखता से दर्शाया गया है।

योग सिद्धांतों पर पानी आधारित व्यायाम, इससे कम होगा तनाव

रायपुर। एक्वा योग को वाटर योग कहा जाता है। बदलते समय में अब इस अनोखे वर्कआउट का बहुत ट्रेंड है। यह योग सिद्धांत पानी आधारित व्यायाम की तरह किया जाता है। इसके कई तरह के फायदे होते हैं।

जोड़ों का तनाव कम करना, लचीलापन बढ़ाना, वजन प्रबंधन के साथ ही मानसिक तनाव को कम करने के लिए भी यह व्यायाम कारगर है। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ऐलिगेंस द्वारा बुधवार को वीआईपी रोड स्थित आर्क विला में एक्वा और साउंड हीलिंग सेशन किया गया। नील योग के संचालक निलेश ईशावानी द्वारा यह योग करवाया गया। क्लब की प्रेसिडेंट रॉट मनीषा अग्रवाल ने बताया कि भाग-दौड़ भरी जिंदगी में तनाव और शारीरिक असुविधा आम बात हो गई है। इस नवीन पद्धति से हमें स्वस्थ रहने और संतुलित जीवन जीने में मदद करता है।

पानी आधारित योग सीखने पहुंचे लोग

इस आयोजन की चेयरपर्सन रॉट मेघा अग्रवाल और रॉट नीतू गोयल ने बताया कि ध्वनि चिकित्सा और जल चिकित्सा शरीर के दर्द को कम करने में मदद करती है। इस आयोजन को दो भागों में किया गया। इसमें जिन लोगों ने शामिल होने के लिए सहमति दी थी, उन्हें तय समय में बुलाने के बाद प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में योग सिद्धांतों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं, पानी आधारित व्यायाम को करने की विधा के साथ ही बाहर निकलने के बाद किस तरह से शरीर को रिलेक्स दिया जा सकता है, इसकी जानकारी भी सभी 60 मेंबर्स को दी गई। इस योग सिद्धांतों पर पानी आधारित व्यायाम को सीखने हर वर्ग के लोग पहुंचे।

ट्रस्ट के प्रयास से हुआ एक जोड़े का भव्य वैवाहिक समारोह

रायपुर। कमला बाई पुखराज लोढ़ा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुरू किए गए सर्व सुविधायुक्त विवाह अभियान की श्रृंखला में पहली भव्य शादी सजीव संगीत और उल्लास पूर्ण वातावरण में सफलता से किया गया। इस विवाह से जुड़े दोनों पक्षों से कुल 3.51 लाख रुपए में यह आयोजन कराया गया। जिसमें विवाह से जुड़ी सभी जरूरी इंतजाम शामिल था। कार्यक्रम में समाज की परंपराओं और रीति-रिवाजों का भी पूरी तरह पालन किया गया। इसके लिए दोनों पक्षों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोगी बने। इसके लिए ट्रस्ट के लोगों ने भी अलग-अलग काम को बेहतर और समय पर पूरा करने के लिए जिम्मेदारी बांटी थी।

आयोजन करने के लिए संकल्पित

ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी अनिल लोढ़ा एवं निर्मल गोलछा ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज में समानता को बढ़ावा देना और विवाह को गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित कराना है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट भविष्य में भी इस प्रकार के समारोह आयोजन करने के लिए संकल्पित है। इसके लिए समय-समय पर मीटिंग के जरिए निर्णय लेने और संकल्प को आयोजन का हिस्सा बनाने के लिए प्रयास किया जाएगा। इस तरह के प्रयास से लोगों को कम खर्च में बेहतर आयोजन करने का अवसर मिलेगा।

श्री सीजी एयर एसक्यूएन के एनसीसी कैडेट्स शहर की ट्रैफिक को व्यवस्थित व सुरक्षित बनाने स्वप्रेरित दे रहें योगदान

कार्नर न्यूज

देश सेवा का मौका सरहद पर मिले या सड़क पर हम डट जाएंगे इसी जज्बे को ट्रैफिक सिग्नल पर दिखा रहे एनसीसी कैड्ट्स

रायपुर। श्री सीजी एयर एसक्यूएन के 10 एनसीसी कैडेट्स शहर के प्रमुख सिग्नल चौराहों पर ट्रैफिक नियम का पालन कराने उतरे हैं। शाम 5 बजे से कैडेट्स ट्रैफिक जवानों के साथ रात करीब 8 बजे तक मोर्चा संभाल रहे हैं। इस दौरान उनके कभी बाइक चालकों को लाल, हरी, पीली सिग्नल के मायने बताते, तो किसी कार चालक को ट्रैफिक नियमों की पाठ पढ़ाते, विस्सल बजा कर ट्रैफिक जाम क्लीयर करते गजब का उत्साह, अनुशासन और देश सेवा की जज्बा को देखकर हर कोई शहरी सलाम कर रहा है। सिटी यातायात विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक शहर के दो-तीन कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स हैं। वे स्वयं से विभाग के साथ मिलकर अपने-अपने रहवासी एरिया में शाम को अधिक ट्रैफिक दबाव के समय ट्रैफिक संभालने में सहयोग कर रहे हैं। इसमें श्री सीजी एयर एसक्यूएन के गर्ल्स एंड ब्यॉज कैडेट्स की टीम हैं। इन एनसीसी कैडेट्स से पूछा गया कि वे यातायात विभाग के साथ ट्रैफिक सिग्नल पर क्यों उतरे हैं, तो उनका जवाब कुछ इस तरह रहा कि 'उन्हें मौका मिलेगा तो वे सड़क ही नहीं, सरहद पर भी देश की सेवा से पीछे नहीं हटेंगे, बल्कि डट जाएंगे।' वैसे तो एनसीसी कैडेट्स को स्वप्रेरणा से निस्वार्थ भाव से अनुशासन के साथ देश सेवा करना होता है। शहर में कई सेवा संगठन हैं, जो दिन विशेष पर आमतौर पर अपने-अपने स्तर पर आसापास सिटी व विल्लेजेस में सोशल एवेयरनेस गतिविधियां करते रहते हैं। पर कॉलेज स्टूडेंट्स स्तर पर इन एनसीसी कैडेट्स की स्वप्रेरित होकर इस तरह की सोच व कार्य निश्चित ही आज के आधुनिक समाज व सभी लोगों के लिए प्रेरणादायक है।

इन सोशल एक्टिविटी में भी योगदान

श्री सीजी एयर एसक्यूएन के सीनियर कैडेट्स ने बताया कि शहर के अंदर पुनित सागर अभियान, सिकलसेल अवेयरनेस, नशामुक्ति, कैंसर फ्री इंडिया, आर्म फोर्स डे इस तरह के सोशल एक्टिविटी करते हैं। साथ ही इवेंट भी आर्गनाइज किया जाता है। इसमें फ्लाइंग, एरो मॉडलिंग, स्कीट शूटिंग, रैंज फायरिंग जैसी गतिविधियां की जाती हैं।

इन कॉलेज से हैं कैडेट्स, 127 की यूनिट

श्री सीजी एयर एसक्यूएन के सीनियर कैडेट नितेश प्रजापति ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी में शहर के प्रमुख ट्रैफिक सिंग्नल चौराहों पर 9 एसडी ब्यॉज कैडेट्स व 1 एसडब्ल्यू गर्ल्स कैडेट्स शाम 5 से करीब रात 8 बजे तक ट्रैफिक यातायात विभाग के साथ ट्रैफिक जाम को क्लीयर करने के लिए काम कर रहे हैं। इसमें दुर्गा कॉलेज, साइंस कॉलेज और आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज देवेंद्रनगर से कैडेट्स शामिल हैं। इसके अलावा श्री सीजी एयर एसक्यूएन की कुल स्ट्रेंथ 127 कैडेट्स की हैं, जो इसी तरह के अलग-अलग सोशल एक्टिविटी के काम करते हैं।

इन सिग्नल चौक पर संभाल रहें ट्रैफिक

यातायात के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि फाफाडीह सिंग्नल चौक, लोधीपारा पंडरी चौराहा, भांठागांव चौराहा, तेलीबांधा मरीनड्राइव सिंग्नल चौक, भनपुरी थाना के पास सिंग्नल चौक पर 10 एनसीसी कैडेट्स 2-2 की जोड़ी में ट्रैफिक पुलिस के साथ ड्यूटी पर लगे हैं। यह सिंग्नल व चौराहा शहर के सबसे अधिक ट्रैफिक दबाव वाले सिंग्नल चौक में शामिल हैं। जहां श्री सीजी एयर एसक्यूएन के कैडेट्स ट्रैफिक को व्यवस्थित करने व सुरक्षित यातायात में शहरवासियों व विभाग की सहयोग कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि श्री सीजी एयर एसक्यूएन के कैडेट्स गणेश चतुर्थी व अन्य धार्मिक आयोजनों पर भी यातायात विभाग के साथ जुड़कर काम करते हैं।

समाज लाइव

विवाह योग्य युवक-युवती ऑनलाइन देंगे परिचय, 25-26 को होगा सम्मेलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की मंगल परिणय टीम द्वारा जूम मीटिंग के माध्यम से 25-26 मई को ऑनलाइन परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जूम मीटिंग के माध्यम से एक भव्य पहल की जाएगी। प्रचार-प्रसार प्रभारी ज्योति अग्रवाल ने बताया कि महिला संगठन की प्रांतीय अध्यक्षा गंगा अग्रवाल, महामंत्री निधि अग्रवाल ने जानकारी दी है कि कोई भी अग्रवाल बंधु घर बैठे परिचय सम्मेलन का हिस्सा बन सकते हैं। वहीं, संगठन द्वारा बनाए गए 18 आयोगों में से एक मंगल परिणय आयोग की संयोजिका शोभा केडिया ने बताया कि उनके द्वारा आयोजित यह ऑनलाइन परिचय सम्मेलन कई कारणों से अलग सिद्ध होगा। मां-बाप के लिए बेटे-बेटी के लिए रिश्ते खोजना एक बड़ी समस्या हो गई है।

25 को जारी किया जाएगा जूम लिंक

परिचय सम्मेलन में मां-बाप का जाना, बच्चों को लाना-ले जाना भी बहुत ही खर्चीला काम हो गया है। उसमें भी अपेक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। समय-समय पर सामाजिक सेमिनार में इस बात पर चर्चा करते हैं। विषय उठाते हैं कि ऑनलाइन परिचय सम्मेलन इस समस्या का एक बड़ा विकल्प हो सकता है, बशर्तें आप और हम मिलकर इस बात का प्रयास करें कि अग्रबंधु इस ऑनलाइन परिचय सम्मेलन के माध्यम से जुड़ें। मीटिंग में जुड़ने से पहले उन्हें निशुल्क अग्रिम पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इसका जूम लिंक 25 मई को सुबह व्हाट्सएप एवं मीडिया के माध्यम से लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा।

घर बैठे जुड़ सकेंगे देशभर के प्रतिभागी

मंगल परिणय की पूरी टीम इस ऑनलाइन परिचय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए रात- दिन मेहनत कर रही है। संगठन के महामंत्री संजय अग्रवाल ने बताया कि मंगल परिणय के लिए शोभा केडिया को संयोजक बनाया गया है। सह संयोजक राजेश अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, नीता डालमिया, शशि अग्रवाल को बनाया गया है। डॉ. अशोक अग्रवाल ने इस सम्मेलन के बारे में बताया कि मुख्य आयोजन स्थल होटल एंट्री पॉइंट ट्रांसपोर्ट नगर रावांभाठा है। प्रतिभागी घर बैठे इससे जुड़ सकते हैं।

● अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस आज, शहर में दो ऐसे परिवार जिनके घर में अभी तक नहीं अलग हुए चूल्हे

एक छत के नीचे अपनेपन से बंधी रिश्तों की डोर, बुजुर्गों की सीख अब भी एकता की कुंजी

'एक छत के नीचे होने से परिवार के हर सदस्य को आत्मीय बल मिलता है। अपनेपन से बंधी रिश्तों की डोर मजबूत होती है। अगर कोई कम कमाता है, तब भी परिवार की खुशी पर कोई असर नहीं पड़ता है। इस एहसास के साथ जीने की भावना से समाज में मान-सम्मान भी मिलता है। बुजुर्गों से मिली सीख से शहर के दो परिवार अब भी जुड़े हैं। धीरे-धीरे परिवार बढ़ता गया, आशियाने का स्वरूप भी बदल गया। इसके बाद भी एक छत के नीचे रहने की भावना परिवार के हर सदस्य के दिल में हैं।'

रायपुर। शहर की आबो-हवा जिस तेजी से करवट ले रही और संयुक्त परिवार से अलग होकर लोग फ्लैट कल्चर से जुड़ने में शान समझते हैं। घर में बुजुर्ग माता-पिता साथ नहीं होने से छोटे-छोटे विवाद परिवार को बांट रहे हैं। ऐसे दौर में शहर के अलग-अलग क्षेत्र में रहने वाले दो परिवार अनूठे हैं। इसको लेकर तेलीबांधा निवासी बंजारे परिवार के सदस्य सुशांत बंजारे ने बताया कि मेरे दादाजी दो भाई थे। उनमें बड़े दादाजी स्व. बरातू राम बड़े थे। इनकी चार बेटी और दो बेटे हैं। आशा, उमा, निशा और ईशा। इनके सात बच्चे हैं। वहीं, बड़े बेटे महेन्द्र बंजारे के चार बेटे और एक बेटी है। जबकि महेन्द्र के भाई राजा बंजारे के दो बेटे हैं। छोटे दादाजी स्व. किशन बंजारे तीन बेटे और एक बेटी के पिता थे। इनकी 4 बहनें परिवार का हिस्सा हैं। इनके साथ उनकी चार बेटियां सहित 45 लोगों का संयुक्त परिवार है। इनके लिए ही जगह चूल्हा जलता है।

रोज 10 किलो चावल, 5 किलो आटा

सुशांत ने बताया कि घर में मां के साथ बहुएं घर का चूल्हा-चौका संभालती हैं। मां और बड़े भैया सहित सभी बड़े मिलकर घर का दायित्व निभाते हैं। कोई बिजनेस तो कोई नौकरी से जुड़ा है। पढ़ने वालों के साथ ही सामाजिक सरोकार से भी परिवार के लोग जुड़े हैं। रोज किचन में करीब 8 से 10 किलो चावल, 5 किलो आटा और 5 से 7 किलो सब्जी और एक किलो दाल पकाते हैं। साल में एक दो बार परिवार के लोग बाहर संयुक्त रूप से घूमने भी जाते हैं। इसके लिए सभी एक साथ परिवार के प्लानिंग में शामिल होते हैं।

गलती न दोहराने का दिलाते हैं भरोसा

रायपुरा में राज महंत संतराम सारंग के अपने परिवार में ही 26 लोग हैं। उन्होंने बताया कि बड़े की सीख को अभी तक कायम रखने का प्रयास कर रहा हूं। पहले से कुनबा छोटा जरूर हुआ है, लेकिन दो पीढ़ी को साथ में रखने का एहसास अनूठा है। उन्होंने बताया कि 8 बेटे और 5 बहुओं के साथ 11 नाती-पोते परिवार का हिस्सा हैं। इनके लिए एक ही चूल्हे में खाना पकता है। रोज करीब 6 किलो चावल, तीन किलो आटा के साथ 5 किलो सब्जी और एक किलो दाल पकाया जाता है। इसे पकाने का दायित्व पत्नी के मार्गदर्शन में बहुएं संभालती हैं। वैचारिक मतभेद की स्थिति में हर सदस्य क्षमा मांगता है और गलती न दोहराने का भरोसा दिलाता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने की पहल

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस हर साल 15 मई को मनाया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1993 में ही घोषित किया गया था। 1994 को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस वर्ष के रूप में घोषित किया गया। इस दिन का उद्देश्य परिवार के महत्व और संयुक्त होने के मूल्य को उजागर करना है। वर्तमान दौर में इसके लिए लोगों को सरोकार से जुड़े लोग आयोजनों के माध्यम से प्रेरित भी करते हैं।

सिटी लाइव

एनआईटी के 20 साल पुराने दोस्तों ने सेलिब्रेट किया टपरी- बेफिक्री

रायपुर। एनआईटी रायपुर से 20 साल पहले पढ़कर निकले दोस्तों ने मिलकर टपरी और बेफिक्री थीम पर सेलिब्रेट किया। पुराने यार, चर्चे चार, टपरी की चाय, बातों को खूब किया फ्राय, सालों बाद फिर मिले हैं आज..., इन संवादों से सभी दोस्तों ने मिलकर एक- दूसरे का निकनेम से आवाज दी। जहां चार यार मिल जाए.., वो महफिलें सजाएं..., इस दोस्ती को आगे बढ़ाते, पुराने दोस्तों को जोड़ते हुए कॉलेज, टपरी और बेफिक्री के तर्ज पर एनआईटी 2005 बैंच ने आयोजन किया। बेहतरीन 20 सालों की दोस्ती को हर्ष और उल्लास के साथ सेलिब्रेट किया गया। इस आयोजन से पहले 2005 में पासआउट दोस्तों को जोड़ने का प्रयास शुरू हुआ तो 55-60 लोग एकजुट हो गए।

कैमरे में कैद की साथ बिताए पल

पुराने दोस्तों से मिलने की ललक, दूर-पास तो कुछ सात समुन्दर पार से लोगों को खींच लाई। रायपुर, भिलाई, रायगढ़, कवर्धा, ओडिशा, रांची, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, गुजरात, सउदी और न्यूजीलैंड से लोग पुराने दोस्तों से मिलने के लिए पहुंचे। एक होटल में किए गए आयोजन में सभी ने यादों के पिटारे को खोलते हुए नए उत्साह से मिले। पुराने फिल्मी गीतों से इस आयोजन में चार चांद लगाने का प्रयास भी किया। उन भावुक पलों और अतीत की बेफिक्र को याद किया। डांस, म्यूजिक के साथ ही खेल और इस लम्हें को कैमरे में भी कैद किया।

भारत माता की जयघोष की गूंज, ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा

रायपुर। भारत माता की जयघोष की गूंज के बीच देश भक्ति का जुनून अद्भुत था। ऑपरेशन सिंदूर के लिए शहीद जवानों की याद में सर्वधर्म समाज द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें हजारों की संख्या में शहरवासियों का सैलाब बुधवार को उमड़ा। आयोजन में सामाजिक संस्थानों, संगठनों और समाज सेवकों की भीड़ देखने को मिली। इसका उद्देश्य लोगों को एकजुट करना और भारतीय सेना के सराहनीय कार्यों का सम्मान करना था। यह यात्रा तेलीबांधा तालाब से लेकर घड़ी चौक तक निकाली गई। इसमें बच्चे, युवा, महिलाएं एवं बुजुर्ग बड़ी तादाद में शामिल हुए। इससे आयोजन स्थल पर शाम को उत्सव का माहौल बना। संयोजक अनिल जोतसिंघानी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय जवानों ने निर्भीकता से देश की रक्षा की है। देश को एकता के सूत्र में बांधा है। भारत के स्वाभिमान भारत के जवान हैं।

हमारी एकता अखंडता का प्रतीक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में सर्वधर्म समाज द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थौरानी सहित चैंबर के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। सभी ने तीनों सेनाओं की सराहना करते हुए कहा कि तिरंगा यात्रा न केवल हमारी एकता, अखंडता का प्रतीक है, बल्कि यह उन वीर शहीदों को श्रद्धांजलि हैए जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सभी को मिलकर इस शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहना होगा। इसमें पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, चैंबर महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष निकेश बरडिया, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंग सलूजा, शंकर बजाज, कन्हैया गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल हुए।

हर वर्ग तिरंगा यात्रा में बना सहभागी

तिरंगा यात्रा में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स, महाराष्ट्र मंडल, व्यापारी संघ, बीजेपी, पूर्व सैनिक परिषद, कला केंद्र, ब्राम्हण समाज, सफाई महिला समूह जैसे 20 से अधिक संस्थाओं, संगठनों एवं समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। जहां हाथों में तिरंगा लेकर सभी यात्रा में सहभागी बने। इस मौके पर सतीश थाउरानी, नितेश बरडिया, अजय बसीन, गार्गी शंकर मिश्र मुख्य रूप से शामिल हुए। हाथों में तिरंगा और देश भक्ति की गीतों में शहीद जवानों को याद करते हुए तिरंगा यात्रा का हिस्सा बने। भारत माता की जय ..., नारे से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। देर शाम को तिरंगा यात्रा में सभी वर्ग ने भाग लिया।

सत्तर बेदी पूजा में मंत्रों की गूंज कुंथुनाथ जिनालय में ध्वजारोहण

रायपुर। फाफाडीह स्थित सन्मति नगर में इन दिनों भक्तिमय माहौल है। कुंथुनाथ जिनालय में बुधवार को उपाध्याय भगवंत मनीष सागरजी म.सा. एवं गुरु भगवंतों की पावन निश्रा में सत्तर बेदी पूजा का विधान भक्ति-भाव से किया गया। इसके साथ ही श्रावक-श्राविकाओं की विशाल मौजूदगी के बीच मंदिर में ध्वजा चढ़ाई गई। इसके पहले अलग-अलग क्षेत्र में रहने वाले धर्मानुरागी सुबह सात बजे मंदिर पहुंचे। जहां से गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से चतुर्विद संघ की अगुवाई में ध्वजा जी की भव्य शोभायात्रा क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद जिनालय पहुंची। जहां विधि-विधान के साथ सत्तर बेदी पूजा और ध्वजारोहण के बाद अनुकंपा दान किया गया। साथ ही पूज्य साधु भगवंतो द्वारा शांति पाठ, मांगलिक किया गया। वहीं, दोपहर प्रसादी भोजन का आयोजन किया गया। इसमें हर आयु वर्ग के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

आयोजन के चलते कई दिनों से उत्साह

इस धार्मिक आयोजन का उत्साह कई दिनों से है। ध्वजा महोत्सव के अवसर पर विधायक सुनील सोनी, निगम के सभापति सूर्यकांत राठौड़, पार्षद अंजली गोलछा, सुपार्ष गोलछा, सुरेश कांकरिया, संपत झांबक प्रमुख रूप से शामिल हुए। वहीं नरेश बैद, संतोष बैद, पदम डाकलिया, हिरेन वोरा, दीपक दोशी, खुशाल लालका ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। इस आयोजन में कोलकाता, बेंगलुरू, संभाजी नगर, भिलाई, मुंबई, भाटापारा, धमतरी, जलगांव, इंदौर से सैकड़ों धर्मप्रेमी एवं समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसे देखते हुए मंदिर प्रबंधन के द्वारा लोगों की सुविधा के लिहाज से दायित्व बांटा गया था।

नौतपा में धरती पर आग उगलेगा सूर्य 25 को रोहिणी नक्षत्र में करेगा प्रवेश

इस बार नक्षत्रों के प्रभाव से बढ़ेगी तपन 8 जून तक प्रभावी रहेगा नौतपा

रायपुर। हर साल लोगों को नौतपा का बेसब्री से इंतजार रहता है। मान्यता है कि नौतपा में धरती सूर्य की रोशनी से जितनी तपती है, उसके प्रभाव से बरसात भी प्रभावी होता है। विद्वानों का मत है कि इस साल 25 मई को सूर्य का रोहणी नक्षत्र में सुबह साढ़े 9 बजे प्रवेश होगा। पंडित व ज्योतिषाचार्य मनोज शुक्ला ने बताया कि यह चंद्रमा का नक्षत्र होने से इसमें सूर्य के प्रवेश से तापमान बढ़ जाता है। ज्योतिष गणना संकेत दे रहा है कि इस बार भी नौतपा का प्रभाव 8 जून को दोपहर में एक बजकर 4 मिनट तक रहेगा। महाराज ने बताया कि सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में पहुंचते ही धरती पर तापमान अपने चरम पर पहुंच जाता है। इससे लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में लोग जानने का प्रयास करते हैं कि कब से कब तक नौतपा प्रभावी रहेगा।

सूर्य का मृगशिरा नक्षत्र में होगा प्रवेश

नौतपा के दौरान सूर्य की आराधना करें और सुबह जल्दी उठकर सूर्य देव को जल अर्पित करें। जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तो 9 दिन तक सूर्य अपने चरम पर रहता है। सूर्य के इस नक्षत्र में जाने से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। इस दौरान सूर्य की उपासना करने का विशेष महत्व बताया गया है। नौतपा के दौरान सूर्य को अर्घ्य देते हैं, तो इससे ग्रह भी शांत होते हैं। नौतपा का प्रभाव 8 जून तक रहने वाला है। इसके बाद सूर्य देव मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे। 15 जून को मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे और इसके बाद बारिश की दस्तक से तपन कम होगी।

नौतपा में सूर्य आराधना करना फलकारी

नौतपा में भीषण गर्मी को देखते हुए विवाह जैसे मांगलिक कार्य या फिर यात्रा करते समय सावधानी भी बरतनी चाहिए। विद्वान बताते हैं कि नौतपा में आदित्य हृदय स्रोत का पाठ करना फायदेमंद माना गया है। नौतपा के दौरान सूर्य नारायण की आराधना करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि व खुशहाली आती है। वहीं, नौतपा में बिना किसी काम के बार-बार घर से बाहर निकलने से बचें। इस दौरान बच्चों को भी बाहर जाने से रोकें। क्योंकि, सूर्य की तेज किरणें सेहत पर भी बुरा प्रभाव डालती हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

नेशनल क्रिकेट एकेडमी के कैंप में यति का चयन

रायपुर। ऑल इंडिया जूनियर चयन समिति द्वारा नेशनल क्रिकेट एकेडमी के अंडर-15 (महिला वर्ग) हाई परफार्मेंस कैंप हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ से यति शर्मा का चयन किया गया है। यह कैंप 19 मई से 12 जून तक बैगलुरु में आयोजित किया जायेगा। यहां खिलाडी बीसीसीआई के विशेषज्ञों के अधीन प्रशिक्षण प्राप्त करेगें, जिसमें तकनीकी तथा शारीरिक प्रशिक्षण भी सम्मिलित है।

स्टेट मिनी सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप आज से

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज द्वारा एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल बेमेतरा के सहयोग से 15 मई से 19 मई 2025 तक बेमेतरा के एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल में छत्तीसगढ़ राज्य सब जूनियर फिडे रेटिंग शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। अंडर-7, 9,एवं अंडर 11 शतरंज चैंपियनशिप का शुभारम्भ दोपहर 1 बजे जिला कलेक्टर रणवीर शर्मा करेंगे। इस चैंपियनशिप में अंडर-7,9, एवं अंडर 11 के दो बालक एवं दो बालिकाओं का चयन राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए किया जाएगा। सभी चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। उक्त चैंपियनशिप में उच्च स्तरीय सुविधाएं खिलाड़ियों को प्रदान की जा रही है। 15 एवं 16 मई को अंडर-7, 9, 11 आयु वर्ग में आयोजित स्पर्धा में छत्तीसगढ़ के कुल 150 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है। जिसमें रायपुर दुर्ग,राजनांदगांव ,बीजापुर, जगदलपुर, कोंडागांव, बेमेतरा, बिलासपुर, कोरबा, सरगुजा, कोरिया, मुंगेली, जांजगीरचांपा,कांकेर ,महासमुंद, और बलौदा बाजार जिले के शतरंज खिलाड़ी शामिल है। खिलाड़ियों के बीच अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार स्विस लीग पद्धति से सात चक्रों में मैच खेला जाएगा। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक फ़िडे आर्बिटर रॉकी देवांगन है। यह जानकारी प्रदेश शतरंज संघ के सह सचिव ईश्वर सिंह राजपूत ने दी है।

ऑल इंडिया पावर लिफ्टिंग में कुशाल ने जीता रजत पदक

भिलाई। यूनिवर्सिटी ऑफ काश्मीर में आयोजित ऑल इंडिया पावर लिफ्टिंग पुरूष प्रतियोगिता में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के खिलाड़ी कुशाल पटेल ने 59 किलो ग्राम वजन वर्ग समूह मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी के बराबर ही 640 किलो वजन उठाकर रजत पदक प्राप्त किया है। कुशाल पटेल के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कुलपति डॉ संजय तिवारी ने उपहार भेंट कर सम्मानित किया। खेल संचालक डॉ. दिनेश नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि कुशाल पटेल सत्र 2023-24 व 2024-25 में स्ट्रांगमैन आफ द युनिवर्सिटी तथा 2023-24 में ही केरल में आयोजित पावर लिफ्टिंग एशियन गेम में सिल्वर मेडल व 2022-23 में सीनियर नेशनल गेम में ब्रोन्ज मेडल एवं 2021-22 में वेस्ट जोन में गोल्ड मेडल प्राप्त किये है। इस टीम के मैनेजर क्षेत्रपाल चन्द्राकर व कोच राज वासनिक रहे। ज्ञात हो पिछले दो वर्षो में पावर लिफ्टिंग महिला टीम के खिलाड़यों में एश्वर्या नंदी व डी भाविका ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया था। इस बार पुरूष टीम के खिलाड़ी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। आल इंडिया पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित करने पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. संजय तिवारी, कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप, खेल संचालक डा. दिनेश नामदेव, उपकुलसचिव डा राजमणि पटेल, सहायक कुलसचिव परीक्षा हिमांशु मण्डावी वित्त अधिकारी सुशील गजभिये, सहायक कुलसचिव गोपनीय राजेन्द्र चैहान एवं सहायक कुलसचिव सामान्य प्रशासन दिग्विजय साहु ने हर्ष जताया है।

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में कलारिपयात्तु में दूसरा पदक

रायपुर। 7वीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स में कलारिपयात्तु मार्शल आर्ट खेल में 12 मई को सम्पन्न लॉन्ग स्टफ लाठी इवेन्ट में कोरबा की रागिनी और तवर्णा पटेल की टीम ने लॉन्ग स्टफ लाठी फाइट का शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ को पहला कांस्य पदक दिलाया।उल्लेखनीय हैं कि कल 11 मई को छत्तीसगढ़ के खिलाड़यों ने स्वर्ण पदक जीता था और आज कांस्य पदक हासिल कर राज्य को इस खेल में कुल पदकों की संख्या 02 पहुँचाई। राज्य संघ से जुड़े सभी पदाधिकारियों ने पदक विजेता दोनो खिलाड़यों को बधाई दी है। टीम के कोच के रूप में कमलेश देवांगन (कोरबा) एवं हरबंश कौर (बालोद) थे।

● स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए जरूरी सुझाव

चिलचिलाती धूप का सीधा असर पड़ता है बच्चों की सेहत पर, इस मौसम में सावधानी बरतना ही समझदारी

अस्पतालों में रोजाना गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं के साथ कई बच्चे आ रहे हैं, इसलिए सभी माता-पिता को इन दिनों अतिरिक्त सावधान बरतनी चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए स्कूलों के लिए कुछ सुझाव दिए हैं।

देश के अधिकतर राज्य इन दिनों बढ़ती गर्मी का प्रकोप झेल रहे हैं। कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री को पार कर गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस तरह की बढ़ती गर्मी का सेहत पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है। 40 से अधिक के तापमान के कारण हीटस्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है, जो पूरे शरीर के कार्यों को प्रभावित करने वाली हो सकती है।

वैसे तो इस भीषण गर्मी से बचाव करते रहना सभी के लिए आवश्यक है पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चे और बुजुर्गो की सेहत पर लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। चूंकि बच्चे स्कूल जाते हैं, बाहर खेलते हैं इस वजह से उनमें हीट स्ट्रोक का जोखिम अधिक हो सकता है।

सभी माता-पिता ये सुनिश्चित करें कि बच्चे धूप के सीधे संपर्क में कम से कम आएं और गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाव के लिए उपाय करते रहें।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने तेज गर्मी में बच्चों की सुरक्षा के लिए कुछ जरूरी सुझाव दिए हैं जिसके बारे में माता-पिता को जानना और इसका पालन करते रहना जरूरी है।

बढ़ती गर्मी का बच्चों की सेहत पर असर

बढ़ा हुआ तापमान बच्चों की सेहत पर गंभीर असर डाल सकता है। बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) वयस्कों की तुलना में कमजोर होती है, जिससे वे हीटवेव, डिहाइड्रेशन और अन्य गर्मी से जुड़ी बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट्स के अनुसार, हीट स्ट्रोक बच्चों में जानलेवा हो सकता है, खासकर 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में इसके कारण गंभीर जोखिमों को डर रहता है। अस्पतालों में रोजाना गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं के साथ कई बच्चे आ रहे हैं, इसलिए सभी माता-पिता को इन दिनों अतिरिक्त सावधान बरतनी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिए जरूरी सलाह

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए स्कूलों के लिए कुछ सुझाव दिए हैं। स्वच्छ एवं ठंडे पेयजल की सुविधा सुनिश्चित करें। साफ और सुरक्षित पानी के लिए वाटर कूलरों की नियमित रूप से सफाई करें और निगरानी करें। छात्र और शिक्षकों के नियमित स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त जल भंडारण सुनिश्चित करें। कक्षाओं को प्राकृतिक या कृत्रिम तरीके, जैसे पंखे, कूलर आदि से अच्छी तरह हवादार रखें। विशेष रूप से लू की चेतावनी के दौरान, अत्यधिक धूप के दौरान (12-3 बजे) किसी भी बाहरी गतिविधियों से बचें।

बच्चों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और शरीर को ठंडा रखने के महत्व के बारे में बतायें। एक खास अंतराल पर घंटी बजाकर बच्चों को पानी पीने के बारे में याद दिलाएं।बच्चों को गर्मी/लू से संबंधित संकेत एंव लक्षणों को पहचाने के बारे में और प्राथमिक चिकित्सा के बारे में बतायें। बच्चों को उनके मूत्र के रंग से शरीर में पानी की कमी के लक्षणों की पहचान करने के लिए शिक्षित करें।

जरूरत से ज्यादा सोचने से हैं परेशान तो दिनचर्या में शामिल करें कुछ आदतें

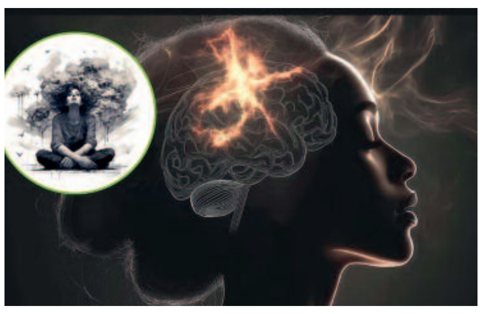

आज के समय में ओवरथिंकिंग की समस्या से बहुत से लोग परेशान हैं। इसलिए आइए इस लेख में कुछ ऐसी आदतों के बारे में जानते हैं जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में शामिल करके ओवरथिंकिंग को दूर कर सकते हैं।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अधिकतर लोग ओवरथिंकिंग यानी जरूरत से ज्यादा सोचने की समस्या से परेशान हैं। बार-बार एक ही बात को सोचना, भविष्य की चिंता करना या पुरानी घटनाओं को याद करके परेशान होना आपके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इतना ही नहीं ये आदत आपके प्रोडक्टिविटी को भी नुकसान पहुंचाता है। इससे तनाव, चिंता और नींद की कमी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, ओवरथिंकिंग को कंट्रोल करने के लिए दिनचर्या में कुछ साधारण आदतों को शामिल कर सकते हैं। ये आदतें आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकती हैं। आईए, कुछ प्रमुख आदतों के बारे में जानते हैं जो आप अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।

जर्नलिंग करें

जब दिमाग में ढेर सारे विचार एक साथ आते हैं, तो उन्हें कागज पर लिखना शुरू करें, ये एक प्रभावी प्रयोग है, जो आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। अपने विचारों, चिंताओं या डर को डायरी में लिखने से मन हल्का होता है और विचारों को व्यवस्थित करने में मदद मिलती है। यह प्रक्रिया न केवल ओवरथिंकिंग को कम करती है, बल्कि समस्याओं का समाधान ढूंढने में भी सहायक है।

कैसे करें: रोजाना 10-15 मिनट निकालकर अपनी भावनाओं और विचारों को बिना जज किए लिखें। इससे मन

शांत होगा और ओवरथिंकिंग कम होगी।

वर्तमान में जीने की आदत डालें

ओवरथिंकिंग का मुख्य कारण भविष्य की चिंता या अतीत को बार-बार याद करना है। वर्तमान में रहने की आदत इस समस्या को कम कर सकती है। वर्तमान में ध्यान केंद्रित करने से दिमाग शांत रहता है और अनावश्यक विचारों का बोझ कम होता है।

कैसे करें: रोजाना 5-10 मिनट मेडिटेशन करें। खाना खाते समय उसका स्वाद महसूस करें या जो भी काम कर रहे हैं उसके बारे में सोचें और आनंद लें।

स्क्रीन टाइम सीमित करें

खाली समय में फोन का अत्यधिक इस्तेमाल, खासकर सोशल मीडिया, ओवरथिंकिंग को बढ़ावा देता है। सोशल मीडिया पर दूसरों की जिंदगी देखकर तुलना करना या नकारात्मक खबरें पढ़ना चिंता को बढ़ाता है। दिन में 1-2 घंटे खुद के लिए समय जरूर निकालें। उस समय में आप अपनी पसंदीदा काम करें, जैसे- संगीत सुनें, किताब पढ़ें, या गार्डेनिंग करें। ध्यान रखें इस निश्चित समय के लिए फोन का नोटिफिकेशन बंद करें।

दोस्तों से बात करें

जब मन भारी हो, तो अपने विचारों को किसी करीबी दोस्त या परिवार के सदस्य से साझा करें। बातचीत न केवल मन को हल्का करती है, बल्कि नई दृष्टिकोण भी प्रदान करती है। जब मन भारी हो, तो खुद को व्यस्त रखें और अपने करीबी दोस्तों को मिलने भी जरूर बुलाएं। हो सके तो दोस्तों से अपने दिल की बात शेयर करें और मन हल्का करें।

आपके घर में भी तो नहीं आ रही है नकली चीनी, ऐसे करें पहचान

आप सभी के घर की रसोई में चीनी का डिब्बा जरूर होगा। जिसका इस्तेमाल हम सुबह शाम, चाय,कॉफी हलवा आदि बनाने के लिए करते ही हैं। ऐसे में आपको सुनकर हैरानी होगी हमारी डिशेज में मिठास घोलने वाली यह सफेद रंग की चमकदार चीनी भी नकली बिक रही है। कहीं आपके घर में तो नकली चीनी का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। अब आप कहेंगे कि हमें कैसे पता लगेगा। आज आपको कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप नकली और असली चीनी का पता लगा सकती हैं।

हथेली पर रगड़कर लगाएं पता

आप यदि अपने घर में यूज होने वाली चीनी के असली और नकली होने का पता लगाना कहती हैं, तो आपको उसके लिए चीनी को हथेली पर लेकर रगड़ना है। अगर चीनी क्रिस्टल और चमकदार दिखने के साथ पाउडर नहीं बने तो वो चीनी असली है। जबकि नकली चीनी हाथ में रगड़ने पर पाउडर जैसे बन जाएगी और हल्की चिपचिपाहट छोडने लगेगी।

पानी में डालकर करें टेस्ट

इसके अलावा आप चीनी को पानी में डालकर भी असली और नकली में फर्क कर सकती हैं। इसके लिए आपको

एक गिलास में पानी लेना है और आधा चम्मच चीनी मिला देनी है। अगर चीनी पूरी तरह घुल जाती है और उसमें से अमोनिया की स्मेल नहीं आ रही है तो आपको चीनी एकदम प्योर है। नकली चीनी में हल्के ब्राउन रंग के कण रह जाते हैं। और पानी में से अमोनिया की बदबू आने लगती है।

गर्म करके करें पहचान

असली और नकली चीनी का पता करने के लिए आप एक बर्तन में धीमी आंच पर चीनी डालकर गर्म करें। अगर चीनी कैरेमल की तरह पिघलकर ब्राउन हो जाए और उसमें से खुशबू आने लगे तो चीनी असली है। जबकि नकली चीनी बर्तन में डालते ही जलने लगेगी और उसमें से अजीब सी दुर्गंध आने लगती है।

रास्ते में दिख जाए अर्थी तो भूलकर भी न करें ये गलती

सड़क पर चलते हुए अचानक अर्थी दिख जाने को कुछ लोग शुभ संकेत मानते हैं और कुछ अशुभ भी, लेकिन कुछ ऐसी सामान्य गलतियां हैं, जिन्हें इस स्थिति में भूलकर भी नहीं करनी चाहिए। आइए जानते हैं कि रास्ते में अर्थी दिखने पर किन गलतियों से बचना चाहिए।

अर्थी को देखकर मुंह फेर लेना, हंसना, या किसी भी प्रकार का अनादर दिखाना अशुभ माना जाता है। यह मृतक आत्मा के प्रति असम्मान व्यक्त करता है और नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकता है।

रास्ता काटने की गलती

चलती हुई अर्थी के सामने से निकल जाना या उसका रास्ता काटना अत्यंत अशुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह मृतक की आत्मा की शांति में बाधा डालता है और आपके कार्यों में विघ्न उत्पन्न कर सकता है।

शोर-शराबा करना

अर्थी के पास से गुजरते समय या उसे देखते समय तेज आवाज में बात करना, गाना गाना या किसी भी प्रकार का शोर करना उचित नहीं माना जाता है। इस समय मौन रहना और शांति बनाए रखना चाहिए।

नकारात्मक विचार रखना

अर्थी देखने के बाद नकारात्मक विचार मन में लाना या डरना नहीं चाहिए। इसे जीवन की सच्चाई के रूप में देखना चाहिए और सकारात्मक बने रहना चाहिए।

तुरंत शुभ कार्य करना

कुछ मान्यताओं के अनुसार, अर्थी देखने के तुरंत बाद कोई नया या महत्वपूर्ण शुभ कार्य शुरू करना उचित नहीं माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह समय शोक और शांति का होता है।

सामने भोजन करना या पीठ दिखाना

कुछ लोग मानते हैं कि अर्थी देखने के तुरंत बाद भोजन करना अशुद्ध माना जा सकता है। इसलिए, अर्थी देखने के कुछ देर बाद ही भोजन करना चाहिए। अर्थी को पीठ दिखाकर आगे बढ़ना भी असम्मानजनक माना जाता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

फॉर्मूला वन में नो बकवास फंडा अपनाएंगे ब्रैड पिट, रिलीज हुआ 'एफ 1' का ट्रेलर

निर्देशन जोसेफ कोसिंस्की की बहुप्रतिक्षित हॉलीवुड फिल्म 'एफ 1' का हिंदी ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में ब्रैड पिट के अलावा कई स्टार्स नजर आए।

एक अमेरिकी स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म की कहानी एरेन क्रूगर और जोसेफ ने मिलकर लिखी है। इस फिल्म में फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियनशिप को दिखाया गया है, जिसे एफआईए के सहयोग से बनाया गया है। फिल्म में ब्रैड पिट, डैमसन इदरीस, केरी कॉन्डन, टोबियास मेंजीस, किम बोडनिया और जेवियर बार्डेम ने अभिनय किया है।

एफ-1 को वार्नर ब्रदर्स पिक्चर्स द्वारा 25 जून को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में 27 जून को रिलीज की जाएगी। फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद प्रशंसक बेहद खुश और उत्साहित हैं।

फिल्म की कहानी ऐसी है, जिसमें सन्नी हेस (ब्रैड पिट), एक फॉर्मूला वन ड्राइवर जिसने 1990 के दशक में रेस की थी, एक भयानक दुर्घटना का शिकार हो जाता है, जिसकी वजह से उसे फॉर्मूला वन से रिटायर होकर सामान्य जीवन जीने लगता है। फॉर्मूला वन टीम के मालिक और दोस्त, रूबेन, हेस से संपर्क करते हैं और उसे एपेक्स ग्रैंड प्रिक्स टीम के लिए ₹नोआहर₹ पीयर्स को प्रशिक्षित करने के लिए रिटायरमेंट से बाहर आने के लिए कहते हैं। यूट्यूब पर 14 घंटों में इस फिल्म के ट्रेलर को 81 हजार से ज्यादा के व्यूज मिल चुके हैं।

टॉलीवुड

लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में 'आरआरआर' की स्क्रीनिंग, वायरल तस्वीरों पर यूजर्स ने दिए रिएक्शन

लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में रविवार 11 मई को दक्षिण भारतीय फिल्म 'आरआरआर' की स्क्रीनिंग हुई। इस स्क्रीनिंग से जुड़ी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। इस तस्वीर पर सोशल मीडिया यूजर्स ने भी रिएक्शन दिया है।

एसएस राजामौली निर्देशित साउथ इंडियन फिल्म 'आरआरआर'साल 2022 में रिलीज हुई और देश-दुनिया में छा गई। विदेश दर्शक भी इस फिल्म के दीवाने हो गए। फिल्म 'आरआरआर' के एक गाने 'नाटू नाटू' को ऑस्कर अवार्ड भी मिला। इस फिल्म को गोल्डन ग्लोब जैसे इंटरनेशनल अवॉर्ड फंक्शन में काफी सराहा गया। हाल ही में इस फिल्म की स्क्रीनिंग लंदन के मशहूर रॉयल अल्बर्ट हॉल में की गई। इस स्क्रीनिंग की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर अब वायरल हो रही हैं, जिसे भारतीय दर्शक सराहा रहे हैं।

छॉलीवुड

कल से छत्तीसगढ़ी सिनेमा की धमक, 'मोर छइयां भुइयां 3' का प्रदर्शन समूचे राज्य में

छत्तीसगढ़ी सिनेमा के इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जुड़ने जा रहा है। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मोर छइयां भुइयां' की तीसरी कड़ी, 'मोर छइयां भुइयां 3', शुक्रवार से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। सतीश जैन के निर्देशन में बनी यह फिल्म छत्तीसगढ़ी संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक संदेशों का शानदार मिश्रण है, जो दर्शकों को एक बार फिर थिएटर्स की ओर खींचने का वादा करती है। 'मोर छइयां भुइयां 3' एक पारिवारिक ड्रामा और एक्शन से भरपूर फिल्म है, जो छत्तीसगढ़ी परिवेश को जीवंत करती है। विगत दिनों जारी हुए गानों को दर्शकों ने खूब पसंद किया, वहीं फिल्म का ट्रेलर भी धूम मचा रहा है। फिल्म में मुख्य नायकों की भूमिका में मन कुरैशी, दीपक साहू, और लक्षित झांझी नजर आएंगे, जबकि नायिकाओं के रूप में ऐल्सा घोष, ऋचा दीक्षित, दीक्षा जायसवाल, और इशिका यादव दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। खलनायकों की भूमिका में नितिन ग्वाला, क्रांति दीक्षित और धर्मेंद्र चौबे दमदार अभिनय के साथ कहानी में रोमांच जोड़ेंगे।फिल्म में अन्य उल्लेखनीय कलाकारों में सुपर स्टार प्रकाश अवस्थी, सुरेश गोडाले, मनोज जोशी, अंजली सिंह, सुमित्रा साहू, संजय महानंद, पूरन किरी, उपासना वैष्णव, अनुराधा दुबे, विवेक चंद्रा, शीतल शर्मा, और छोटे लाल साहू व बाल कलाकार में अजमत फरीदी, अक्ष सोनी, आद्य साहू सहित कई प्रतिभाशाली चेहरे शामिल हैं। कुल 40 से अधिक कलाकारों की मौजूदगी होगी सह-निर्माता ललित सिन्हा और कार्यकारी निर्माता आलेख चौधरी ने प्रोडक्शन को भव्यता प्रदान की है। छायांकन सिद्धार्थ सिंह ने किया है, जो छत्तीसगढ़ के खूबसूरत लोकेशन्स को पर्दे पर जीवंत करते है।

संगीत सुनील सोनी का है, जिसमें स्वर्गीय लक्ष्मण मस्तुरिया, सतीश जैन, और गिरवर दास मानिकपुरी के गीत शामिल हैं। गायकों में सुनील सोनी, अनुराग शर्मा, मनोज वर्मा, गोरेलाल बर्मन, अनुपमा मिश्रा, कंचन जोशी, चंपा निषाद, और मोनिका सोनी जैसे नाम जो फिल्म के गानों को यादगार बनाते है। कोरियोग्राफी चंदन दीप, एक्शन कुन्ड्राथुर एस. बाबू, और संपादन तुलेन्द्र पटेल ने किया है, जो फिल्म को तकनीकी रूप से मजबूत बनाते हैं। लाइन प्रोड्यूसर के तौर पर कसडोल के सुनील साहू ने महत्वपूर्ण दायित्व निभाया है। निर्माता-निर्देशक सतीश जैन मल्टीप्लेक्स और स्थानीय सिनेमाघरों में पोस्टर, ट्रेलर स्क्रीनिंग, और सोशल मीडिया कैंपेन के जरिए दर्शकों तक फिल्म की पहुंच बनाई जा रही है। सतीश जैन का कहना है कि-पार्ट 3 में हमने नई कहानी और आधुनिक प्रस्तुति के साथ दर्शकों को कुछ खास देने की कोशिश की है। सतीश जैन ने बताया, यह फिल्म आज के सामाजिक और पारिवारिक मुद्दों को छूती है।

इतालवी फैशन

लाइफ स्टाइल

> इटली में डोल्से एंड गब्बाना ने मेन्स फैशन शो ₹एसेन्ज़ा₹ के साथ अपनी विरासत को बरकरार रखा है। ब्रांड की परंपराओं की श्रृंखला लालित्य, सटीकता और कामुकता के साथ तैयार की गई है। नए ढंग की डिजाइन के साथ काले रंगों की भावना, कट और कीमती कढ़ाई असाधारण इतालवी शिल्प कौशल नजर आता है।

गर्मियों में भी स्किन रहेगी खिली-खिली, तरबूज से बनाएं फेस मास्क

गर्मियों के मौसम में यदि आप भी अपनी स्किन को ग्लोइंग देखना चाहती हैं, तो एक्सपर्ट के बताए इस होममेड तरबूज के फेस मास्क को जरूर ट्राई करें। जिस तरह तरबूज के सेवन से गर्मियों में पेट ठंडा रहता है। ठीक उसी तरह इसका त्वचा पर इस्तेमाल करने से स्किन ग्लो करने लगती है और फेस पर ठंडक की वजह से पिंपल्स और मुंहासे भी नहीं होते हैं। इंटरनेशनल मेकअप आर्टिस्ट कुशाग्री व्यास बता रही हैं कि तरबूज के फेस पैक में किन दो चीजों को मिलाकर लगाया जा सकता है। जिससे आपकी त्वचा भी गर्मियों में खिली-खिली रहे। इसके लिए आपको तरबूज का छिलका और बीज हटाकर उसका पल्प निकाल लेना है। अब आप इसमें एक चम्मच शहद डालकर मिक्स करें। फिर आपको इसमें एक चम्मच ग्लिसरीन डालकर अच्छी तरह मिला लेना है। अब आप इस तरबूज के फेस मास्क को रगड़ते हुए अपने फेस पर अप्लाई करें। अच्छी तरह सूख जाने के बाद आप फेस को नार्मल पानी से वॉश कर लें। इसके बाद फेस पर गुलाब जल लगाएं। इस फेस पैक से आपकी गर्मियों में तेज धूप

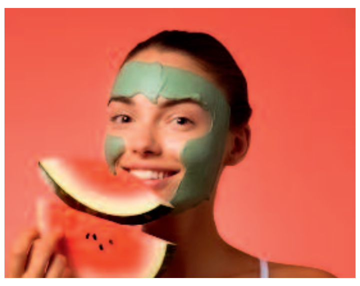

की वजह से झुलस चुकी त्वचा या सनबर्न आदि में राहत मिलती है। इससे आपकी स्किन ग्लोइंग बनने के साथ उसपर फुंसी-दाने आदि भी नही निकलते हैं। आप तरबूज के इस फेस पैक को हफ्ते में एक बार फेस पर लगा सकती हैं।

तरबूज खाने के फायदे

तरबूज में पानी भरपूर मात्रा में रहता है इसलिए ये शरीर को हाइड्रेट रखता है, जिससे शरीर में पानी की कमी नहीं होती।

त्वचा की रंगत निखारे

खूबसूरत त्वचा चाहिए तो रोजाना तरबूज खाना शुरू कर दें। तरबूज में मौजूद विटामिन सी त्वचा की चमक बढ़ाता है। रोजाना तरबूज खाने से स्किन का ग्लो बढ़ता है। साथ ही कई स्किन प्रॉब्लम्स से भी छुटकारा मिलता है।

स्किन को हाइड्रेट करे

तरबूज स्किन के लिए एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर है। अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आपके लिए रोजाना तरबूज का सेवन करना बहुत फायदेमंद है। तरबूज में पानी भरपूर मात्रा में होता है। इसे खाने से स्किन हाइड्रेट रहती है और त्वचा की चमक बढ़ती है।

झुर्रियों से बचाए

अगर आपकी त्वचा पर उम्र से पहले फाइन लाइन्स और झुर्रियां नजर आने लगी हैं तो तरबूज खाना शुरू कर दें। तरबूज में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट के गुण त्वचा को जवां निखार देते हैं। रोजाना तरबूज खाने से फाइन लाइन्स और झुर्रियां कम होने लगती हैं।

रूखी त्वचा को मुलायम बनाए

तरबूज में मौजूद मैग्नीशियम त्वचा को ड्राई होने से बचाता है। मैग्नीशियम त्वचा को मॉइस्चराइज करने का काम करता है जिससे त्वचा का रूखापन कम होने लगता है।

बनवाएं स्टाइलिश कुर्ती में स्लीव्स डिजाइन, नहीं होगा गर्मी का एहसास

फैशन

गर्मियों के मौसम में निकलने वाली तेज धूप की वजह से अक्सर हम स्टाइल को भूल जाते हैं और ऐसे कपड़ों की तलाश करने लगते हैं। जिसको पहनने के बाद हमें कम्फर्टेबल फील हो।

दरअसल समर सीजन में हमें कपड़े के फैब्रिक से लेकर डिजाइन और कैरी करने का स्टाइल सब कुछ ध्यान में रखना पड़ता है ताकि लुक गॉर्जियस नजर आए। अधिकतर लोग गर्मियों में वेस्टर्न से ज्यादा इंडियन लुक को पसंद करते हैं। इस सीजन में ढीली-ढीली कॉटन की कुर्तियां और सूट लड़कियों की पहली पसंद रहते हैं। इनको पहनने के बाद आप घंटों काम और घूम फिर सकती हैं। साथ ही, आपका फैशनेबल लुक भी बरकरार रहता है। ऐसे में कुर्ती के साथ यदि उसकी स्लीव्स का डिजाइन यूनिक नहीं होता है, तो लुक मॉडर्न नहीं लगता है। ऐसे में यदि आप कुर्ती में भी अपने लुक को क्लासी टच देना चाहती हैं तो आपके लिए कुछ अट्रैक्टिव और ट्रेंडी स्लीव्स के खास डिजाइन्स हैं। जिनको आप कुर्तियों में अपने टेलर से गर्मी के मौसम में बनवा सकती हैं। यह डिजाइन आपको कंफर्ट के साथ स्मार्ट लुक भी देंगे। आइए देखें 3 लेटेस्ट कुर्ती स्लीव्स डिजाइन्स।

अम्ब्रेला विद कट स्लीव्स डिजाइन

गर्मियों में थोड़े लूज फिटिंग के कपड़े पहनना ज्यादा पसंद किया जाता है। ताकि पसीना ज्यादा न आए और आरामदायक महसूस करें। ऐसे में आप अपनी कुर्ती या सूट की स्लीव्स डिजाइन को अंब्रेला कट के साथ ऐसा कट डिजाइन बनवा सकती हैं। इस हेक्सागॉन डिजाइन के बीच में आप गोल्डन या व्हाइट कलर के मोती लगवा सकती हैं। यह डिजाइन काफी स्टाइलिश लुक देगा।

एल्बो लेंथ विद फ्रिल स्लीव्स डिजाइन

आप अपने कुर्ते की स्लीव्स को इस तरह से एल्बो लेंथ के साथ बनवाकर नीचे की ओर कपड़े की फ्रिल लगवा सकती हैं। यह डिजाइन काफी यूनिक और क्लासी लगता है। ऐसे में आप इसे अपने किसी भी कॉटन सूट या कुर्ती के साथ स्टिच करा सकती हैं। आप चाहे तो कपड़े की जगह नेट की भी फ्रिल लगवा सकती हैं, लेकिन नेट कपड़े की हो अन्यथा वो आपके चुभने लगेगी। प्लेन सूट के संग ऐसी स्लीव्स बेस्ट रहती हैं।

बालों में क्लेचर के बजाय लगाएं हेयर एक्सेसरीज

अगर आप भी भीड़ से हटके दिखना चाहती हैं और अपने बालों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं, तो अब आप अपने ऑफिस या कॉलेज में इस तरह की खूबसूरत हेयर एक्सेसरीज को ट्राई कर सकती हैं। महिलाएं अपने बालों को सुंदर, लंबा और घना बनाने की काफी कोशिश करती है। यही नहीं अपने बाल अट्रैक्टिव दिखे इसलिए वे कई अलग अलग तरह के क्लेचर का भी इस्तेमाल करती हैं, लेकिन अगर आप भी भीड़ से हटके दिखना चाहती हैं और अपने बालों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं, तो अब आप अपने ऑफिस या कॉलेज में इस तरह की खूबसूरत हेयर एक्सेसरीज को ट्राई कर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर सकती हैं। आइए जानते हैं इन एक्सेसरीज के बारे में।

सफेद क्रिस्टल स्टडेड फ्रेंच बाराटे हेयर क्लिप

अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक है, जो अपने बालों को खूबसूरत बनाने के लिए कई प्रयास करती हैं, तो अब आप अपने बालों में इस खूबसूरत गोल्ड टोन्ड बो डिज़ाइन सफेद क्रिस्टल स्टडेड फ्रेंच बाराटे हेयर क्लिप का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे अपने बालों में लगा कर आप किसी हसीना से कम नहीं लगेंगी। इस तरह के क्लिप को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

अलिगटर हेयर क्लिप

आपके घर में या आपकी दोस्त के यहां कोई फंक्शन है और आप वहां अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरना चाहती हैं, तो अब आप उस फंक्शन के दौरान अपने बालों को खूबसूरत बना सकती हैं। आप अपने ट्रेडीशनल आउटफिट के साथ या किसी भी तरह के कपड़ों के साथ अपने बालों को ओपन कर इस खूबसूरत अलिगटर हेयर क्लिप को लगा सकती हैं।

काले होंठों को गुलाबी करने का उपाय मौजूद है आपकी रसोई में, जानें फायदे

काले होंठ दिखने में काफी खराब लगते हैं। इसकी वजह से हम जब भी कोई लिपस्टिक या लिप बाम लगाते हैं, तो वो चेहरे पर अलग से नजर आते हैं। इसका कारण बॉडी में होने वाले चेंज भी हो सकते हैं। साथ ही, बदलते मौसम की वजह से भी होंठ खराब नजर आते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप जिस तरह से अपने चेहरे की स्किन का ध्यान रखती हैं, वैसे ही अपने होंठो की स्किन का खास ध्यान रखें। इसके लिए आप घर पर रखे शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहें तो डायरेक्ट होंठों पर शहद को लगा सकती हैं। लेकिन अगर आप इसकी स्किन को गुलाबी करना चाहती हैं, तो ऐसे में

आपको शहद और चुकंदर का इस्तेमाल करना होगा। इसके लिए आपको एक कटोरी में 2 चम्मच शहद लेना है। इसे चुकंदर में लगाकर अपने होंठों पर रब करना है।इसे करीब 10 से 15 मिनट के लिए हल्के हाथों से रब करें। इसके बाद होंठों को साफ करके लिप बाम लगा लें। इस तरीके को रोजाना करने से आपके होंठों की स्किन साफ हो जाएगी। शहद को होंठों पर लगाने से क्या होता है। शहद को होंठों पर लगाने से आपकी डेड स्किन साफ हो जाती है। जब आप इसे रेगुलर इस्तेमाल करते हैं, तो होंठ गुलाबी नजर आते हैं।शहद आप चाहें तो चीनी की तरह लगाएं। आपके होंठों को गुलाबी पन बना रहेगा।

इस तरह से आप अपने होंठों पर शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके होंठ साफ नजर आएंगे। साथ ही, कुछ ही समय में मुलायम भी हो जाएंगे। बस आपको सही तरीके से इसे अप्लाई करना है। आप चाहें तो इसे लगाने से पहले एक्सपर्ट राय भी ले सकती हैं।

कार्नर न्यूज

फैशन के दौर में स्टाइलिश बियर्ड रखने पर नजरें नहीं हटेंगी आपसे

स्क्वायर फेस वालों के लिए बियर्ड स्टाइल होनी चाहिए सबसे अलग, मिलेगा स्टाइलिश लुक

अक्सर मेहनत से दाढ़ी बढ़ाने के बाद ये अहसास होता है कि, ये बियर्ड स्टाइल तो चेहरे पर सूट ही नहीं कर रही है। जबकि फलां फिल्म स्टार या क्रिकेटर ने ऐसी बियर्ड रखी थी, उस पर तो बहुत अच्छी लग रही थी।

ऐसा होने के पीछे की वजह एक बेसिक की अनदेखी है। आपने बियर्ड रखने के लिए स्टाइल को तो देखा लेकिन चेहरे के शेप पर ठीक से ध्यान नहीं दिया। बियर्ड के सही दिखने का फैक्टर कई बातों पर निर्भर करता है।

इन फैक्टर्स में बालों की मोटाई, घनत्व और लंबाई के साथ ही चेहरे का आकार भी निर्भर करता है। जैसे, लंबे चेहरे वाले लोगों के चेहरे पर जो बियर्ड सूट करती है जरूरी नहीं है कि, वो गोल चेहरे वालों पर भी सूट करे।

इसलिए, दाढ़ी के स्टाइल पर भी थोड़ी रिसर्च करनी जरूरी है। शानदार बियर्ड स्टाइल न सिर्फ आपको स्टाइलिश लुक देगा बल्कि जॉ लाइन को उभारने में भी मदद कर सकता है।

स्क्वायर फेस शेप

स्क्वायर फेस शेप की सबसे बड़ी खूबी उनकी जॉ लाइन में छिपी होती है। स्क्वायर फेस या चौकोर चेहरे वालों में माथे, गाल की हड्डियां और जबड़े की हड्डियां समान चौड़ाई की होती हैं। लेकिन जबड़े के एंगल्स शार्प हो सकते हैं।

स्क्वायर फेस शेप वाले अक्सर दिखने में राउंड फेस या गोल चेहरे वालों की तरह ही दिखते हैं। लेकिन, ये जॉ लाइन ही है जो दोनों को एक-दूसरे से अलग करती है। स्क्वायर फेस कट वाले लोगों के चेहरे में कर्व या मोड़ बहुत कम होते हैं। स्क्वायर फेस शेप वालों के लिए बियर्ड स्टाइलः

द क्लासिक फ्रेंच कट/सर्किल बियर्ड

द क्लासिक फ्रेंच कट शानदार और क्लासिक बियर्ड स्टाइल है। ये बियर्ड स्टाइल मेंटेन करने में भी बहुत आसान होती है। भले ही आप नए बियर्ड लवर हैं या फिर चाहें पहली बार बियर्ड मेंटेन करने जा रहे हों। अगर आप एक्सपर्ट बियर्ड मैन हैं तो ये बियर्ड स्टाइल बढ़ाना आपके लिए मजेदार अनुभव होगा। ये आपके गाल की हड्डियों के पास कवर देता है। जबकि ये आपकी ठोडी पर मौजूद बालों के लिए जरूरी वॉल्यूम देने में भी मदद करती है। ये बेहतरीन बियर्ड स्टाइल है जो स्क्वायर फेस शेप वाले आसानी से मेंटेन कर सकते हैं। सर्किल बियर्ड असल में खुद कोई बियर्ड स्टाइल नहीं है। बल्कि ये एक लुक है जो बियर्ड और मुस्टैच से मिलकर बनता है। सर्किल बियर्ड में गोटी और मुस्टैच मिलकर एक फुल सर्किल बनाते हैं। ये वर्सटाइल बियर्ड स्टाइल न सिर्फ लंबे बालों के साथ ठीक लगती है बल्कि हर मौके पर भी परफेक्ट दिखती है।

द शॉर्ट बॉक्स्ड बियर्ड

शॉर्ट बॉक्स्ड बियर्ड में बियर्ड की लंबाई मध्यम रहती है जबकि मूंछों की लंबाई शॉर्ट रखी जाती है। यही इस बियर्ड स्टाइल की खूबी भी होती है। ये बियर्ड आम बियर्ड की तुलना में ज्यादा फुल लुक देती है। इस स्टाइल में चेहरा भी अन्य स्टाइल की तुलना में ज्यादा भरा हुआ दिखता है।

रामानुज से अनुज तक का सफर

कला और राजनीति का संगम

हेमंत वर्मा/ हरिभूमि न्यूज ▸▸| धरसींवा

छत्तीसगढ़ की माटी ने कई ऐसे रत्नों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से न केवल प्रदेश का, बल्कि देश का नाम रोशन किया है। अनुज शर्मा उनमें से एक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने कला और राजनीति के संगम से एक अनूठी पहचान बनाई है। एक कलाकार के रूप में, उन्होंने छत्तीसगढ़ी सिनेमा और संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, तो वहीं एक राजनेता के रूप में, वे जनता की सेवा में समर्पित हैं।

अनुज शर्मा का कला जगत में योगदान अतुलनीय है। उनकी फिल्मों और गीतों ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखा है। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लोगों की भावनाओं, आकांक्षाओं और संघर्षों को अभिव्यक्ति दी है। उनकी लोकप्रियता न केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित है, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में फैले छत्तीसगढ़ी भाषी लोगों के दिलों में भी बसी है। राजनीति में प्रवेश करने के बाद, अनुज शर्मा ने अपनी लोकप्रियता और जनसंपर्क का उपयोग लोगों की सेवा के लिए किया। उन्होंने जनता की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए प्रयास किए। उनकी सरल और मिलनसार स्वभाव ने उन्हें लोगों के बीच एक विश्वसनीय नेता बनाया है। 2023 में धरसींवा से विधान सभा चुनाव जीत कर उन्होंने अपनी राजनीतिक क्षमता को साबित कर दिया है।

अनुज शर्मा का जीवन हमें यह सिखाता है कि कला और राजनीति दोनों ही समाज की सेवा के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। एक कलाकार के रूप में, वे लोगों को मनोरंजन और प्रेरणा देते हैं, जबकि एक राजनेता के रूप में, वे लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं। अनुज शर्मा ने इन दोनों भूमिकाओं को बखूबी निभाया है और छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए एक आदर्श स्थापित किया है।यह आशा की जा सकती है कि अनुज शर्मा अपने कला और राजनीतिक जीवन में इसी तरह सफलता की ऊंचाइयों को छूते रहेंगे और छत्तीसगढ़ के विकास में अपना योगदान देते रहेंगे। उनके जीवन से प्रेरित होकर, युवा पीढ़ी भी अपनी प्रतिभा और समर्पण से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित होगी।

अभिनय से जनसेवा तक, एक अनूठी यात्रा

धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में अनुज शर्मा का डेढ़ वर्ष का कार्यकाल एक उल्लेखनीय गाथा है। फिल्मी दुनिया के चमकते सितारे से जनसेवा के पथ पर अग्रसर हुए अनुज शर्मा ने अपनी सादगी, समर्पण और विकास कार्यों से क्षेत्र की जनता के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ी है। यह सिर्फ एक राजनीतिक यात्रा नहीं है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसने अपने अभिनय के जादू को जनसेवा की वास्तविकता में बदल दिया। अनुज शर्मा का राजनीतिक जीवन किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। उन्होंने धरसींवा के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया। करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं ने क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ। यह विकास सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।अनुज शर्मा की सफलता का रहस्य उनकी जनता से निकटता है। वे सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि एक दोस्त, एक मार्गदर्शक और एक मददगार के रूप में उभरे हैं। उनकी सादगी और सहजता ने लोगों को उनसे जोड़ा है। वे हर सुख-दुख में लोगों के साथ खड़े रहते हैं, उनकी समस्याओं को सुनते हैं और उनका समाधान करने का प्रयास करते हैं। एक घटना याद आती है, जब एक गरीब परिवार ने अपनी बेटी की शादी के लिए मदद मांगी। अनुज जी ने तुरंत उनकी मदद की और शादी को सफल बनाया। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जो उनके मानवीय पक्ष को दर्शाते हैं। वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि एक संवेदनशील इंसान हैं जो लोगों की पीड़ा को समझते हैं और उनकी मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं।

15 मई 1976 को छत्तीसगढ़ के भाटापारा में एक साधारण परिवार में जन्मे अनुज शर्मा का जीवन संघर्षों से भरा रहा

छालीवुड के सितारे : अनुज शर्मा की यात्रा

छत्तीसगढ़ी सिनेमा, जिसे छालीवुड के नाम से जाना जाता है, एक समय गुमनामी के अंधेरे में डूबा हुआ था। लेकिन आज, इसकी फिल्मों को गुजराती, भोजपुरी जैसी अन्य भारतीय भाषाओं में डब किया जाता है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। इस बदलाव का श्रेय उन कलाकारों को जाता है जिन्होंने अपनी प्रतिभा और समर्पण से छालीवुड को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, और उनमें से एक हैं अनुज शर्मा। संघर्ष की कहानी 15 मई 1976 को छत्तीसगढ़ के भाटापारा, रायपुर में एक साधारण परिवार में जन्मे अनुज शर्मा का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उनके पिता, टेकेन लाल शर्मा, एक बैंक कर्मचारी थे, और उनकी मां, देहुति शर्मा, एक गृहिणी थीं। अनुज के दो बड़े भाई और एक बड़ी बहन भी हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा भटापारा के एक स्थानीय सरकारी स्कूल से पूरी की और 1998 में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से इतिहास में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कानून की पढ़ाई की, लेकिन फिल्मों में व्यस्तता के कारण इसे पूरा नहीं कर सके। कला के प्रति समर्पण महज 10 साल की उम्र में अभिनय और गायन की शुरुआत करने वाले अनुज शर्मा ने पहली बार अपने स्कूल के कार्यक्रम में मंच पर प्रस्तुति दी। बचपन से ही, वे संगीत समूहों से जुड़कर अपनी गायन प्रतिभा को निखारने में लगे रहे। सातवीं कक्षा में, उन्हें ऑल इंडिया रेडियो पर एक प्रतियोगिता में गाने का मौका भी मिला। कठिनाइयों का सामना अनुज के जीवन में कठिनाइयों का दौर तब शुरू हुआ जब वे पांचवीं कक्षा में थे। गर्मियों की छुट्टियों में, उन्हें परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए सड़कों पर पीपरमिंट बेचनी पड़ी। 13 साल की उम्र में, उनके पिता का निधन हो गया, और परिवार की जिम्मेदारी उनकी मां पर आ गई। 1993 में, उनका परिवार भटापारा से रायपुर चला गया। रायपुर में, अनुज ने कॉलेज की पढ़ाई के साथ-साथ संगीत सीखा और नौकरी भी की। उन्होंने सबसे पहले साइकिल से घर-घर जाकर समाचार पत्रों का सर्वेक्षण किया। बाद में, उन्होंने एक शोरूम में सेल्समैन के रूप में काम किया। कॉलेज में, वे अपनी अभिनय और गायन प्रतिभा के लिए जाने जाते थे। छालीवुड में उदयइसी दौरान, सतीश जैन छत्तीसगढ़ी फिल्म बनाने के लिए एक नए चेहरे की तलाश में थे। अनुज के दोस्तों ने उन्हें सतीश जैन से मिलने की सलाह दी। जब अनुज ने सतीश जैन से मुलाकात की, तो उन्होंने उन्हें अपनी फिल्म के लिए चुना। फिल्म की शूटिंग के दौरान, अनुज ने धूम्रपान का दृश्य करने से इनकार कर दिया, और सतीश जैन ने उनकी बात का सम्मान करते हुए दृश्य को हटा दिया। 27 अक्टूबर 2000 को, छत्तीसगढ़ की पहली रंगीन फिल्म "मोर छंइया भुंइया" सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म ने अनुज शर्मा को छत्तीसगढ़ी सिनेमा

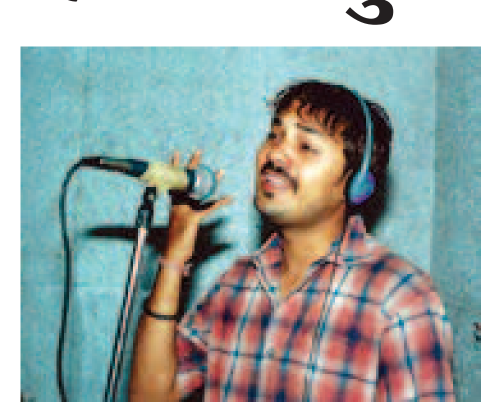

का पहला सुपरस्टार बना दिया। फिल्म ने कई रिकॉर्ड तोड़े और रायपुर के बाबूलाल टॉकीज में 106 दिनों तक लगातार पांच शो में चली। सफलता और विनम्रता "मोर छंइया भुंइया" की सफलता के बाद, अनुज शर्मा को प्रसिद्धि तो मिली, लेकिन धन नहीं। छत्तीसगढ़ी सिनेमा के पहले सुपरस्टार के पास न तो गाड़ी थी और न ही अपना घर।अनुज शर्मा का बचपन से ही सैनिक बनने का सपना था। उन्होंने स्कूल में स्काउट गाइड ज्वाइन किया और 1992 में राष्ट्रपति पुरस्कार भी जीता। वे 1997 में एनसीसी में ऑल इंडिया बेस्ट कैडेट भी रहे। "मोर छंइया भुंइया" की सफलता के बाद, उन्होंने वायु सेना के साक्षात्कार के लिए प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके।इसके बाद, उन्होंने अभिनय में अपना करियर बनाने का फैसला किया। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और अपना पूरा ध्यान अभिनय पर केंद्रित किया। अनुज शर्मा छत्तीसगढ़ के पहले कलाकार हैं जिन्होंने अपनी अच्छी खासी नौकरी छोड़कर छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेता के रूप में अपना करियर चुना।

2001 में, उनकी फिल्म "मया दे दे मया लेले" रिलीज हुई और यह भी सुपरहिट रही। इसके बाद, अनुज शर्मा ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक के बाद एक हिट फिल्में दीं। उपलब्धियाँ और विरासत अनुज शर्मा ने लगभग 30 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी और हिंदी फिल्में शामिल हैं। उनकी फिल्मों को संबलपुरी, झारखंडी, बुंदेलखंडी, गुजराती और भोजपुरी जैसी कई भाषाओं में डब किया गया है। वे छत्तीसगढ़ के पहले अभिनेता हैं जिनकी चार फिल्में ("मोर छंइया भुंइया", "मया दे दे मया लेले", "झन भूलौ मां बाप ला" और "मया") सिल्वर जुबली रही हैं। उन्होंने अपने गायन करियर में 200 से अधिक फिल्मी और लोक गीत गाए हैं। 2007 में, उन्होंने डॉ. स्मिता शर्मा से शादी की और उनकी दो बेटियां हैं, अनुमिता शर्मा और आरूग शर्मा। अनुज शर्मा छत्तीसगढ़ के सबसे लोकप्रिय अभिनेता हैं और छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग में अपनी बेबाक राय और अपनी शर्तों पर काम करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ी सिनेमा को एक नई पहचान दी और युवा कलाकारों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बने।

ADVT

जीवेत शरदः शतम्
श्रीमती शकुंतला ढिलेन्द्र सेन
अध्यक्ष
जनपद पंचायत धरसींवां
श्री ढिलेन्द्र सेन
अध्यक्ष प्रतिनिधि
जनपद पंचायत धरसींवां
आप दीर्घायू हो...
आप शतायू हो...
श्री दिनेश खूंटे
उपाध्यक्ष
जनपद पंचायत धरसींवां
धरसींवा विधानसभा के लोकप्रिय विधायक
मा. अनुज शर्मा
15 मई
को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं...
विनीत : जनपद परिवार, धरसींवा
प्रस्तुति : हेमंत वर्मा, संवाददाता, हरिभूमि / आई.एन.एच. न्यूज धरसींवां, मो. 9165774445

प्रस्तुति : हेमंत वर्मा, संवाददाता, हरिभूमि / आई.एन.एच. न्यूज धरसीवां, मो. 9165774445

जीवेत शरदः शतम्
मा. नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री
मा. अमित शाह केन्द्रीय गृह मंत्री
मा.रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष (छ.ग.)
मा.विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री (छ.ग.)
मा. विजय शर्मा उप मुख्यमंत्री (छ.ग.)
मा. अरूण साव उप मुख्यमंत्री (छ.ग.)
मा. किरण सिंह देव छत्तीसगढ़ प्रदेशाध्यक्ष (बीजेपी)
मा. ओपी चौधरी केबिनेट मंत्री (छ.ग.)
मा. केदार कश्यप केबिनेट मंत्री (छ.ग.)
टंकराम वर्मा केबिनेट मंत्री (छ.ग.)
मा. दयालदास बघेल केबिनेट मंत्री (छ.ग.)
मा. लखन देवांगन केबिनेट मंत्री (छ.ग.)
मा. लक्ष्मी रजवाड़े केबिनेट मंत्री (छ.ग.)
मा. रामविचार नेताम केबिनेट मंत्री (छ.ग.)
मा.श्यामबिहारी जयसवाल केबिनेट मंत्री (छ.ग.)
आप दीर्घायू हो...
आप शतायू हो...
मा. मोती लाल साहू विधायक रायपुर ग्रामीण
मा. श्याम नारंग भाजपा जिलाध्यक्ष रायपुर जिला ग्रामीण
मा. देव जी भाई पटेल पूर्व विधायक, धरसीवां
मा. बृजमोहन अग्रवाल सांसद, रायपुर विधानसभा
धरसींवा विधानसभा के लोकप्रिय विधायक, सरल, सहज, मिलनसार, पद्मश्री
मा. अनुज शर्मा के आज जन्मदिन
पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
15 मई
मा. पद्मश्री अनुज शर्मा
विधायक, धरसींवां
श्री हिमाचल साहू उपाध्यक्ष
श्री सुनील कुमार परघनिहा उपाध्यक्ष
श्रीमति तिलेश्वरी जितेन्द्र धुरंधर महासचिव
श्री कोमल जांगड़े सचिव
श्रीमती कुमारी आडिल महिला सचिव
श्री साहिल खान सचिव
श्री रामेश्वर निषाद सचिव
श्री अशोक कुमार साहू कोषाध्यक्ष
श्री भागवत साहू सह-कोषाध्यक्ष
श्री चन्द्रकांत वर्मा कार्यालय सचिव
श्री रामनाथ कुर्रे मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता
मा. अरविंद सिंह ठाकुर
अध्यक्ष सरपंच संघ धरसींवां
जनपद पंचायत धरसींवां सरपंच संघ पदाधिकारी - अध्यक्ष श्री अरविंद सिंह ठाकुर (दोंदेकला), उपाध्यक्ष - श्री हिमाचल साहू (बोरियाकला), श्री सुनील कुमार परघनिहा (बहेसर), महासचिव - श्रीमति तिलेश्वरी जितेन्द्र धुरंधर (कान्दुल), सचिव - श्री कोमल जांगड़े (सेजबहार), महिला सचिव - श्रीमति कुमारी आडिल (मांढर), सचिव - श्री साहिल खान (धरसीवां), सचिव - श्री रामेश्वर निषाद (कुम्हारी), कोषाध्यक्ष - श्री अशोक कुमार साहू (दोंदेखुर्द), सह-कोषाध्यक्ष - श्री भागवत साहू (बरौदा), कार्यालय सचिव - श्री चन्द्रकांत वर्मा (टेकारी), मिडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता - श्री रामनाथ कुर्रे (पिरदा), प्रमुख सलाहकार - श्री गिरधर लाल साहू (मोहंदी), श्री राजकुमार भारती (भुरकोनी), श्री निर्मल कुमार ढेबर (टांड़ा), श्री विनय निषाद (मंगसा), श्री रघुनाथ साहू (सांकरा), श्री झालेश्वर निषाद (पवनी), महिला प्रकोष्ठ - श्रीमति रूखमणी पुरूषोत्तम साहू (कुरूद), श्रीमति सुनिता राजेश शर्मा (कुकेरा), श्रीमति पुर्णिमा गोंविन्द साहू (मनोहरा), श्रीमति सोनल प्रशांत कुर्रे (संकरी), श्रीमति शारदा देवांगन (मलौद), कार्यकारिणी सदस्य - श्रीमति भगवंतीन गजराज यादव (मुर्रा), श्रीमति पुजा वर्मा (पंडरभठठा), श्रीमति शीतल चित्रेश वर्मा (भैंसमुड़ा), श्री श्रवण कुमार वर्मा (देवरी), श्रीमति डिकेश्वरी वीरेन्द्र वर्मा (मौहागॉव), श्रीमति अनु बघेल सुनील बघेल (कुथरेल), श्रीमति सुलेखा बघेल (बरतनारा), श्रीमति अंजनी निषाद (परसतराई), श्रीमति श्यामा गायकवाड़ (तिवरैया), श्रीमति विना धनसिंग साहू (कपसदा), श्री आशीष वर्मा (रैता), श्री रामखिलावन कन्नौज (गोढ़ी), श्रीमति संगीता ध्रुव (पप्पु) (चरौदा), श्रीमति शांति रामकुमार वर्मा (सिलतरा), श्रीमति रूखमणी निषाद (मुरेठी), श्री संतोष केजूराम साहू (सोण्ड्रा)।
कार्यकारिणी सदस्य – श्रीमति उमा विवेक वर्मा (नगरगॉव), श्रीमति महेश्वरी निषाद (तरेसर), श्रीमति आडिल कल्याणी (पथरी), श्रीमति उमा हरिओम देवांगन (निलजा), श्री धन्नाराम धीवर (सारागॉव), श्री अजीत कुमार वर्मा (जरौदा), श्रीमति सीमा राकेश वर्मा (तर्रा), श्री हेमंत वर्मा (टोर) (गिधौरी), श्रीमति उमा राहुल वर्मा (अकोली), श्रीमति मधु जयकिरण वर्मा (गिरौद), श्री खेमन लाल चक्राधारी (चिखली), श्रीमति सावित्री तेजराम निषाद (पठारीठीह), श्रीमति आस्मीन सुखनंदन जांगड़े (कन्हेरा), श्रीमति गौरी पारधी (निमोरा), श्री लोकेश नौरंगे (धनेली), सा. श्रीमति मीरा मड़रिया (बरबंदा), श्रीमति खोमिन भीम वर्मा (मटिया), श्री केवल राम साहू (लालपुर), श्रीमति पार्वती बाई बंजारे (नेउरडीह), श्रीमति नीलम निषाद (बेंद्री), श्री कामता प्रसाद साहू (बाना), श्री ईश्वर यदु (गोमची), श्री ताजूराम राम निषाद (हतबंद), श्रीमति रितु छगनू साहू (तेन्दुआ), श्री सुरेश कुमार धीवर (तुलसी), श्रीमति कुमारी ढीढ़ी (सेरीखेड़ी), श्रीमति डिडनेश्वरी गोपीराम यादव (धरमपुरा), श्री बिहारी यादव (नकटी), श्री देवप्रसाद साहू (टेमरी), श्रीमति अपूर्वा साहू/संतोष साहू (बनरसी), श्रीमति सुनिता लेखू बैस (मानाबस्ती), श्री संदीप कुमार वर्मा (धनेली भट.), श्री नारायण चौरसिया (भटगॉव), श्रीमति त्रिवेणी नरेन्द्र साहू (काठाठीह), श्री चोवालाल नवरंगे (दतरेंगा), श्री सुरेन्द्र कुमार निषाद (डोमा), श्रीमति उषा राकेश टंडन (मुजगहन)
विनीत : सरपंच संघ, धरसीवां जिला रायपुर (छ.ग.)

जीवेत शरदः शतम्
15 मई
Happy Birthday
मा. शकुंतला दिलेन्द्र सेन
अध्यक्ष, जनपद पंचायत धरसींवा
मा. श्याम नारंग
भाजपा जिला अध्यक्ष रायपुर जिला ग्रामीण
मा.बृजमोहन अग्रवाल
(सांसद)
लोकसभा क्षेत्र रायपुर
मा. पद्मश्री अनुज शर्मा
विधायक, धरसींवा
मा. अनुज शर्मा जी (विधायक) धरसींवा
को जन्मदिन की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
मा. संदीप यदु
उपाध्यक्ष, जिला पंचायत रायपुर
दिलेंद्र सेन
अध्यक्ष प्रतिनिधि
जनपद पंचायत धरसींवा
दिनेश खुटे
उपाध्यक्ष
जनपद पंचायत धरसींवा
चन्द्रशेखर वर्मा
महामंत्री
उमराव साहू
महामंत्री विधानसभा मंडल
मा. सुनील शर्मा
(मंडल अध्यक्ष)
भारतीय जनता पार्टी, वि.स. मंडल धरसींवा

खबर संक्षेप

सुंदरकांड पाठ कर देश की सुरक्षा व समृद्धि मांगी

आरंग। राजा मोरध्वज मानस संगठन आरंग ने नारायण बन हनुमान मंदिर महामाया तालाब बजरंग चौक में मंगलवार को शाम 6 बजे एकत्रित होकर भारतीय सेनाओं के कुशलता, वीरता, शौर्य पराक्रम और स्वास्थ्य की मंगल कामना तथा देश की खुशहाली व भारत माता को परम वैभव के शिखर तक ले जाने के लिए, श्री हनुमान मंदिर में सुंदरकांड हनुमान चालीसा, आरती, रामायण की चौपाई का पाठ किया। इस अवसर पर मानस लोधी, संतोष लोधी, अवध विश्वकर्मा, विनोद गुप्ता, हीरा लाल साहू, अशोक साहू, पुराणिक साहू, मनहरण साहू, भुवन साहू, सीताराम यादव, टोकेश साहू, ओंकार विश्वकर्मा, तोश कुमार साहू आदि ने हनुमान से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सैनिको का हौसला बुलंद रहे के लिए भगवान से प्रार्थना तथा धर्म से विजय के संकल्प को पूरा करने का आव्हान किया गया।

एआई के सब्जेक्ट में प्रियांशु को मिले 100 फीसदी अंक

रायपुर। निजी स्कूल में अध्ययनरत

प्रियांशु घोष ने सीबीएसई दसवी में 91 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी (एआई) में 100 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं।

रश्मि साहू ने 12वीं बोर्ड में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

आरंग। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानसोज की मेधावी छात्रा

रश्मि साहू ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विज्ञान संकाय में 81.60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। रश्मि साहू ने अपने कड़ी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर विद्यालय में विज्ञान संकाय सफलता हासिल की। रश्मि की इस सफलता से विद्यालय में हर्ष का माहौल है। प्राचार्य, शिक्षकगण एवं साथी छात्र-छात्राओं ने उसकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

सुशासन तिहार : ट्राइसायकिल चेकबुक और प्रमाणपत्रों का किया वितरण

टोहड़ा के शिविर में समस्याओं के निपटारे से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

सुशासन तिहार अंतर्गत तिल्दा ब्लॉक के ग्राम पंचायत टोहड़ा में बुधवार को समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कलेक्टर गौरव सिंह, रायपुर एसपी डॉक्टर लाल उमेद सिंह विशेष रूप से उपस्थित हुए। शिविर स्थल पर कई हितग्राहियों को सामग्रियों का वितरण किया गया। प्रमाण पत्र, चेक आदि बांटे गए, एक विकलांग को ट्रायसिकल दिया गया। महिला बाल विकास विभाग द्वारा 5महिलाओं का गोद भराई कार्यक्रम भी कराया गया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम के तहत कलेक्टर, एसपी एवं अन्य अतिथियों को पौधे भेंट किया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा की शासन प्रशासन के द्वारा सुराज अभियान तीन चरणों में चलाया गया। तीसरे और अंतिम चरण में इसका समाधान शिविर आयोजित किया गया है, जिसमें ग्रामीणों की शिकायतों व मांग पत्र पर त्वरित निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर ने सुराज योजना की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही इस योजना के तहत ग्रामीण और शहर वासियों को मिल रहे लाभ की भी जानकारी उनके द्वारा दी गई । उन्होंने कहा की समाधान शिविर में मांग पत्र और सुझाव आदि सभी विषयों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। कुछ प्रकरण जो लंबित है, वह आने वाले दिनों में पूर्ण हो जाएगी। इस अवसर पर एसडीएम आशुतोष देवांगन, जनपद सीईओ विवेक गोस्वामी, तहसीलदार ज्योति मसियारे, नायब तहसीलदार विपिन पटेल सहित समस्त विभागों के अधिकारी कर्मचारी गण व शिक्षक शिक्षिकाएं सहित जनप्रतिनिधिगण, एवं भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

शिकायतों व मांग पत्रों का त्वरित समाधान

इस अवसर पर जिला पंचायत के सभापति स्वाति वर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित कर इस सुशासन तिहार के लिए शासन प्रशासन का आभार माना। साथ ही मुख्यमंत्री की उन्होंने भूरी भूरी प्रशंसा भी की राज्य सरकार के प्रति भी उन्होंने आभार व्यक्त किया एवं सुशासन तिहार से नागरिकों को मिल रहे लाभ की जानकारी दी। हमारे संवाददाता ने एसपी को नेवरा थाना में पुलिस बल की कमी पर ध्यान आकर्षित कराया जिस पर एसपी डॉक्टर लाल उमेद सिंह ने नेवरा थाना में पुलिस बल बढ़ाने आश्वासन दिया। कार्यक्रम के बाद कलेक्टर एसपी ने गांव में सड़क किनारे पौधे रोपण किए।

समाधान शिविर में ,सांसद ने जताई सख्ती

आरंग। मंगलवार को नया रायपुर के राखी में आयोजित समाधान शिविर में रीवा ग्राम की बहुप्रतीक्षित पेयजल समस्या को पहली बार गंभीरता से उठाया गया। शिविर में क्षेत्रीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विधायक गुरु खुशवंत साहेब की उपस्थिति में जनपद सदस्य कृष्णा महेश साहू ने ग्राम रीवा की पेयजल समस्या को लेकर एक लिखित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि ग्राम की 5,000 से अधिक आबादी विगत वर्षों से पेयजल संकट से जूझ रही है। ज्ञापन प्रस्तुत करने के बाद, मंच से ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई।

पेयजल संकट पर गंभीर हुए जनप्रतिनिधि

उन्होंने सवाल किया कि इतने बड़े गांव में अब तक पेयजल की स्थायी व्यवस्था क्यों नहीं की गई। इस पर पीएचई अधिकारियों ने मंच से ही यह आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर ग्राम रीवा की आधी आबादी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पेयजल की आपूर्ति प्रारंभ कर दी जाएगी। ग्राम रीवा की जनपद सदस्य कृष्णा महेश साहू की सक्रिय पहल और प्रयासों की ग्रामीणों ने सराहना की है। वर्षों से उपेक्षित इस मूलभूत समस्या को लेकर पहली बार किसी जनप्रतिनिधि ने मंच से प्रभावी रूप में आवाज उठाई है। ग्रामीणों ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि अब इस समस्या का स्थायी समाधान भी शीघ्र होगा। गांव के वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं ने बताया कि गर्मियों में स्थिति और भी दयनीय हो जाती ह। ग्रामीणों ने सांसद और विधायक से अपील की है कि ग्राम रीवा के लिए एक दीर्घकालीन योजना के तहत नल-जल योजना या 60 एकड़ में फैली जलाशय सफाई व गहरीकरण कर कारगर परियोजनाएं शुरू की जाएं। जिससे अगली पीढ़ी को इस संकट से मुक्ति मिल सके। समाधान शिविर में हुई यह पहल निश्चित रूप से रीवा ग्राम के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

सुशासन शिविर में समस्याओं का मौके पर समाधान

अभनपुर। बुधवार को नगर पालिका अभनपुर मे सुशासन तिहार के अवसर पर रायपुर लोकसभा सासंद बृजमोहन अग्रवाल, अभनपुर विधायक इन्द्रकुमार साहू, भाजपा वरिष्ठ नेता अशोक बजाज, नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे,उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी,एसडीएम रवि सिंह, सीएमओ राजेश तिवारी, तहसीलदार रामप्रसाद बघेल प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियो की उपस्थिती मे नगर के समस्याओ व मांग से संबंधित आवेदनो का मौके मे ही निराकरण किया गया। इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने स्कूलो मे पौधारोपण कर बाउड्री बनाने का निर्देश दिये है एवं सासंद निधि से गार्डन के लिए 10लाख रूपये व श्रीराम नगर के समीप सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रूपये की घोषणा की। विधायक निधि से खेल ग्राउंड के लिए 10 लाख रूपये की घोषणा की गई है। नगर मे पेयजल की समस्या मे सुधार लाने पीएचई विभाग को प्रोजेक्ट बनाकर देने के लिए कहा तथा क्षेत्र मे अवैध शराब की ब्रिकी पर शक्ति के साथ रोक लगाने के निर्देश दिये है।बिजली कटौती की शिकसत पर बिजली विभाग के अधिकारियो को व्यवस्था सुधारने निर्देश दिये है। विधायक इन्द्रकुमार साहू ने कहा कि शासन की योजनाओ का धरातल मे आमजनता को कितना लाभ मिल रहा है तथा उनकी समस्याओ से संबंधित प्राप्त आवेदनो पर तत्काल निराकरण सुशासन तिहार मे हो रहा है। प्रक्रियागत आवेदनो का निराकरण करने अधिकारियो को निर्देश दिये गये है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष भरत बैस, प्रदीप शर्मा,पार्षद रानू राठी, दीक्षा राठी, नीलकमल गिलहरे, मीना साहू, रूपनारायण साहू, बीरबल टंडन, वीरेन्द्रप्रताप सिन्हा, कचरूलाल भट्टर,पूर्व नपं.उपाध्यक्ष किशन शर्मा, मोहन अग्रवाल, सरपंच संघ अध्यक्ष मुकेश ढीढी, बसंत कोसले, नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी सुशासन तिहार मे उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार: समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान

आरंग। छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री दर्जा, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने चंदखुरी खेल मैदान में आयोजित सुशासन तिहार संवाद से समाधान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी विभिन्न समस्याओं, मांगों और शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मौके पर ही कई समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराया।उन्होंने कहा जनता के विश्वास से ही मेरी जिम्मेदारी और दृढ़ता दोनों सशक्त होती है। हर व्यक्ति की समस्या मेरे लिए एक संकल्प है, जिसका समाधान करना मेरा धर्म और दायित्व है। समाधान शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर गुरु साहेब ने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और हितग्राही लाभ वितरण की वस्तुस्थिति जानी। शिविर में हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं के तहत विभिन्न सामग्री, सहायता उपकरण एवं संसाधनों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारीगण,

नगर पंचायत एवं ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण, स्थानीय कर्मचारी, समाजसेवी संस्थाएं तथा सैकड़ों की संख्या में आम नागरिक व कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे। सभी ने गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में जनसंवाद एवं समाधान की इस पहल की सराहना की।

हुमांशी को 10वीं में 96.50 प्रतिशत अंक

आरंग। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों में सर्वोदय उच्च माध्यमिक विद्यालय फरफौद की छात्रा हुमांशी साहू 96.50% अंक के साथ स्कूल में प्रथम, लेशिका देवांगन 95.66% अंक के साथ स्कूल में द्वितीय व रमा साहू 94.60% अंक के साथ स्कूल में तृतीय रही। ज्ञात हो की हिमांशी साहू राज्य की टॉप टेन सूची में शामिल नहीं हो पाईं, लेकिन आरंग जनपद में द्वितीय स्थान हासिल कर सर्वोदय विद्यालय फरफौद व परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। हुमांशी के इस उपलब्धि पर पूरे विद्यालय में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों और सहपाठियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा, हुमांशी की मेहनत और लगन ने यह साबित कर दिया है कि सच्ची लगन से किसी भी लक्ष्य को पाया जा सकता है, चाहे संसाधन सीमित ही क्यों न हों। हुमांशी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और सतत अध्ययन को दिया।

पेज 11 के शेष...

मेट्रोमोनियल साइट पर ....

शिकायत दर्ज कराई है। अब्दुल ने पुलिस को बताया है कि वह तलाकशुदा है, इसलिए उसने शादी करने अप्रैल में मेट्रोमोनियल साइट पर अपना बायोडाटा अपलोड किया। बायोडाटा में दिए गए मोबाइल नंबर पर मध्यप्रदेश, बैतूल की सादिया शेख नाम की महिला ने अब्दुल से संपर्क किया और शादी करने की इच्छा व्यक्त करते हुए उसके साथ मोबाइल से चैट करने लगी।

चैटिंग के दौरान .....

ठगी का शिकार बनाया। मेट्रोमोनियल साइट निकाह फार एवर के बारे में अब्दुल ने जानकारी जुटाई, तो उसे उस साइट को जालसाजों द्वारा चलाए जाने के बारे में जानकारी मिली।

मोटर वाहन के पंजीकृत मालिक को नोटिस के लिए पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना स्थापना और ताजा पंजीकरण का उपयोग किया जा सकता है वित्तीय के नाम में प्रमाण पत्र

(डुप्लिकेट में बनाया जा सकता है और डुप्लिकेट कॉपी को फाइनेंसर को एक साथ भेजा जाना है नोटिस जारी करना)

पंजीकरण की स्थिति का कार्यालय बिलासपुर रेफरी संख्या 305/RTO/25 दिनांक 07/05/2025

श्री **श्यामली सेल्स कार्पोरेशन** (रजिस्टर्ड)। है। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि **टाटा मोटर्स फाईनेंस लिमिटेड** (Financio) है / ने सूचित किया है कि उसने / उन्होंने मोटर वाहन असर पंजीकरण को आपने कब्जे में ले लिया है संख्या **सीजी 10 बी.क्यू. 9757** एक समझौते द्वारा कवर किया गया किराया-खरीद / पट्टे । उक्त समझौते के प्रावधानों के तहत अपने डिफ़ॉल्ट के कारण हाइपोथैकेशन, और:

1. आपने उसे / उन्हें पंजीकरण प्रमाणपत्र देने से मना कर दिया है।, 2. आप फरार हो गए हैं।

उसने पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने और नए सिरे से जारी करने का अनुरोध किया है उसके / उसके नाम में पंजीकरण का प्रमाण पत्र।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त के पंजीकरण के प्रमाणपत्र को सरेंडर करें मोटर वाहन जो आपके द्वारा बनाए रखा गया है वह आपके कब्जे को खोने के बावजूद और जिससे धारा 2 (3) के तहत मोटर वाहन का स्वामित्व और आपके भेजने के लिए रसीद की तारीख से सात दिनों के भीतर इस कार्यालय में, यदि कोई हो, का प्रतिनिधित्व आपके द्वारा यह नोटिस, विफल होने पर पंजीकरण का एक नया प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा फाइनेंसर का नाम, आपके अनुसार आयोजित पंजीकरण का प्रमाणपत्र रद्द करना धारा 51 (5) के साथ।

तारीख.....

Registered Authorty
Bilaspur(C.G)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **अमित तिरपुड़े पिता पुरूषोत्तम तिरपुड़े**, निवासी - सी-203, सालासर ग्रीन, सरोना, रायपुर (छ.ग.), पिन-492099, यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपना पुराना नाम अमित तिरपुड़े पिता पुरूषोत्तम तिरपुड़े को त्याग कर नया नाम **अमित पुरूषोत्तम तिरपुड़े पिता पुरूषोत्तम तिरपुड़े** रख लिया हूँ।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम **अमित पुरूषोत्तम तिरपुड़े पिता पुरूषोत्तम तिरपुड़े** से ही जाना पहचाना जावे।

अमित पुरूषोत्तम तिरपुड़े
सी-203, सालासर ग्रीन, सरोना, रायपुर (छ.ग.), पिन-492099

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 15/04/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामदयाल माहेश्वरी पिता/पति बिसौहा माहेश्वरी निवासी मंदिर हसौद छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल-मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 1378/3, 1383/1, 1383/3, 1383/4 रकबा 0.291, 0.121, 0.081, 0.101 हेक्टेयर का सीमांकन/बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 20/01/2025 के परिपालन में दिनांक 30/05/2025 को समय 02 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन/बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

(राजस्व निरीक्षक)
मंदिर हसौद

:: आम सूचना ::

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर

जारी दिनांक 15/04/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राम सिंह पिता /पति बिसौहा राम निवासी मंदिर हसौद छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 1383/16 रकबा 0.304 हे. का सीमांकन /बटांकन/ न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 20/01/2025 के परिपालन में दिनांक 20/05/2025 को समय 2.00 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन/ बटांकन/ में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/ आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नही है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

HEALTH TOWN

"संस्कारित मातृत्व का पथ - गर्भसंस्कार कार्यक्रम"
k'sagar's श्रेयन आयुर्वेद
मातृत्व की यात्रा को बनाएं सकारात्मक और सशक्त
"मातृत्व की ओर बढ़ते हर कदम में साथ आपके लिए विशेष दंपतियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम"
JOIN OUR SEMINAR
Mantras chanting | Yoga and exercise | Music therapy | garbh savand
14 मई, बुधवार 2025, समय : 04.00 PM
रजिस्ट्रेशन के लिए स्कैन करें
SCAN ME
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : महाराष्ट्र मण्डल चौबे कालोनी, रायपुर 492001,
मो. 91119-12122, 91119-22122 www.shreyanayurveda.com
Dr. Pallavi Kshirsagar

NMH
निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

घर एक मंदिर : कलाप्रेम और संस्कारों का संगम

हेमंत वर्मा/ हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ की माटी के एक ऐसे रत्न, जिनकी आवाज़ में लोकगीतों की मिठास और दिल में परिवार के प्रति असीम प्रेम बसा है। उनकी सफलता की कहानी, उनके घर की दीवारों से लेकर उनकी आँखों की चमक तक, हर जगह बिखरी हुई है। अनुज के लिए उनका घर सिर्फ़ चार दीवारों का ढाँचा नहीं, बल्कि एक मंदिर है, जहाँ उनकी माँ के आशीर्वाद की गूँज और उनकी पत्नी डॉक्टर स्मिता शर्मा जी के स्नेह की महक हर पल व्याप्त रहती है। दो प्यारी बेटियाँ कु अनुमिता व आरुग शर्मा मानो घर के आँगन में खिले दो फूल, उनकी हँसी से घर का हर कोना रोशन रहता है। अनुज अक्सर कहते हैं, ₹काम कितना भी थका देने वाला हो, घर की याद आते ही सारी थकान दूर हो जाती है। जिस घर में माँ और परिवार का साथ हो, वह स्वर्ग से भी सुंदर होता है।₹अनुज ने अपने घर को एक कलाकार के कैनवास की तरह सजाया है। हर कोने में उनकी कलात्मकता झलकती है। दीवारों पर छत्तीसगढ़ की लोक कला के रंग, आँगन में तुलसी का पौधा और घर के अंदर सजी लकड़ी की कलाकृतियाँ, सब मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं, जो देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर देता है।एक दिन, जब अनुज अपने काम से थके-हारे घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि उनकी बेटियाँ आँगन में मिट्टी के खिलौने बना रही थीं। उनकी माँ रसोई में उनके पसंदीदा पकवान बना रही थीं, और डाक्टर स्मिता शर्मा उनकी पत्नी, घर को फूलों से सजा रही थीं। उस पल, अनुज को लगा कि उनका घर सचमुच स्वर्ग से कम नहीं है। उन्होंने अपनी बेटियों को गोद में उठाया, माँ के पैर छुए और स्मिता को गले लगाया। उस दिन, उन्होंने महसूस किया कि सच्ची खुशी उनके परिवार में ही छिपी है। अनुज का घर, उनकी सफलता का प्रतीक होने के साथ-साथ उनके परिवार के अटूट बंधन का भी प्रतीक है। यह घर, उनकी कला, उनके प्रेम और उनके संस्कारों का संगम है, जो हर किसी को यह याद दिलाता है कि परिवार से बढ़कर कोई दौलत नहीं।

अटल सारंग के पदचिन्हों पर छत्तीसगढ़ के अनुज

माँ की ममता और बेटे का सम्मान देहुति निवास

बारह वर्ष की नाजुक उम्र, जब एक बच्चे के कंधे पर दुनियादारी की समझ का भार नहीं होता, जब पिता का हाथ सिर पर एक मजबूत छत्र की तरह महसूस होता है, तभी अनुज शर्मा के जीवन में एक ऐसा तूफान आया जिसने सब कुछ बदल दिया। उनके पिता का अचानक निधन हो गया। वह खालीपन, वह गहरा शून्य, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है, अनुज और उनके भाई-बहन के छोटे से संसार पर छा गया।उस कठिन घड़ी में, उनकी माँ, देहुति, एक चट्टान की तरह खड़ी रहीं। एक कोमल हृदय वाली माँ, जिसने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि वह अकेले अपने चार बच्चों की नाव को इस तूफानी सागर से पार लगाएंगी। उनके आँसू शायद अकेले में बहते थे, उनकी चिंताएं रात की खामोशी में घुल जाती थीं, लेकिन अपने बच्चों के सामने उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपने भीतर एक अटूट साहस का संचार किया, पिता और माँ दोनों की भूमिका को निभाने का दृढ़ संकल्प लिया।अनुज, अपनी किशोरावस्था की दहलीज पर खड़े, उस बदलाव को महसूस कर रहे थे। पिता की कमी एक ठंडी हवा की तरह हमेशा उनके आसपास मंडराती रहती थी। लेकिन उसी के साथ, वह अपनी माँ के अथक प्रयासों को भी देख रहे थे। सुबह से लेकर रात तक, देहुति जी अपने बच्चों की जरूरतों को पूरा करने में जुटी रहती थीं। उनकी ममता भरी आवाज, उनके हाथों का स्पर्श, उनके स्नेहिल शब्द, बच्चों के लिए एक मरहम की तरह थे। अनुज ने माँ की आँखों में अपने भविष्य के लिए चिंता और प्यार दोनों को झलकते हुए देखा था।धीरे-धीरे, समय बीतता गया। देहुति जी ने अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दी, उन्हें संस्कार दिए, और उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत बनाया। अनुज ने अपनी माँ के संघर्षों को करीब से देखा था, और उनके प्रति उनके मन में गहरा सम्मान और कृतज्ञता का भाव पनपता गया। माँ की ममता और त्याग ने उन्हें भीतर से इतना मजबूत बना दिया था कि आज वह जीवन की हर मुश्किल का सामना आत्मविश्वास से कर सकते हैं।अनुज आज एक सफल व्यक्ति हैं, रायपुर शहर में उनका अपना सुंदर बंगला है। लेकिन इस सफलता के शिखर पर पहुंचकर भी, वह अपनी माँ को नहीं भूले। उनके हृदय में अपनी माँ के लिए जो स्थान है, वह अद्वितीय है। इसी अटूट प्रेम और सम्मान का प्रतीक है उनके बंगले का नाम - ₹देहुति निवास₹। यह सिर्फ एक घर नहीं है, यह उस माँ के प्रति उनके समर्पण का जीवंत प्रमाण है, जिसने अपने बच्चों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।इस घर में अनुज अपनी पत्नी, डॉ. श्वेता, और अपनी दो प्यारी बेटियों के साथ रहते हैं। लेकिन इस परिवार का केंद्र बिंदु आज भी उनकी माँ, देहुति जी हैं। उनकी उपस्थिति पूरे घर को एक warmth और स्नेह से भर देती है। अनुज अक्सर अपनी माँ के पास बैठते हैं, उनके हाथों को अपने हाथों में लेते हैं, और उनकी आँखों में झांकते हैं, मानो उस अथाह सागर को पढ़ने की कोशिश कर रहे हों जिसमें उनके लिए अनगिनत त्याग और प्यार छिपे हैं।माँ और पुत्र का यह रिश्ता, समय और परिस्थितियों की कसौटी पर खरा उतरा है। यह सिर्फ जन्म का बंधन नहीं है, बल्कि यह एक अटूट भावनात्मक जुड़ाव है, जो कृतज्ञता, सम्मान और निस्वार्थ प्रेम की नींव पर टिका है। ₹देहुति निवास₹ सिर्फ एक नाम नहीं, यह उस माँ की कहानी है जिसने अपने बच्चों के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया, और उस बेटे का सम्मान है जिसने अपनी माँ के प्यार और त्याग को कभी नहीं भुलाया। यह एक मार्मिक गाथा है, माँ और पुत्र के अनमोल बंधन की।

अटल-सारंग के आदर्शों पर अनुज शर्मा का जीवन का प्रारंभिक जीवन भाठापारा की सादगी भरी गलियों में बीता, जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखा में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सेवा के मूल्यों को आत्मसात किया। यह अनुभव उनके जीवन की मजबूत नींव बना।बचपन से ही, वे श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी और श्री गोविंद सारंग के आदर्शों से गहरे रूप से प्रभावित हुए। इन महान विभूतियों को उन्होंने अपना मार्गदर्शक माना और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उनकी निष्ठा आज भी उतनी ही प्रगाढ़ है, जो उनके निर्णयों और दृष्टिकोणों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। अटल जी और सारंग जी के विचारों ने उन्हें जीवन के गूढ़ रहस्यों को समझने और मानवीय मूल्यों को महत्व देने की प्रेरणा दी। इन आदर्शों ने उन्हें राजनीतिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।अनुज शर्मा ने अपने गुरुओं के आदर्शों को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ में भाजपा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके कार्यों में करुणा, सेवा भाव और दृढ़ संकल्प की झलक मिलती है, जो उन्होंने अपने आदर्शों से सीखी।भाठापारा की गलियों से लेकर अटल जी और सारंग जी के मार्गदर्शन तक का अनुज शर्मा का सफर, उनके व्यक्तित्व के विकास और छत्तीसगढ़ में भाजपा की स्थापना की एक महत्वपूर्ण कहानी कहता है। यह कहानी हमें सिखाती है कि प्रारंभिक जीवन के अनुभव और योग्य आदर्शों का मार्गदर्शन किसी व्यक्ति के जीवन और एक राजनीतिक विचारधारा को कैसे दिशा दे सकते हैं। अनुज शर्मा का जीवन इस बात का जीवंत उदाहरण है कि श्रद्धा, संस्कारों और दूरदर्शी आदर्शों के मार्गदर्शन से एक मजबूत और सार्थक जीवन के साथ-साथ एक राजनीतिक आंदोलन को भी खड़ा किया जा सकता है।

विशेष

धरसींवा विधानसभा में हुए विकास पर जनता की प्रतिक्रिया

क्या कहती हैं, विधानसभा की जनता

1. एक अनुभवी राजनीतिक विश्लेषक की ओर से पद्मश्री

डॉ. कृष्णाकुमार वर्मा

अनुज शर्मा जी, धरसींवा की राजनीतिक परिदृश्य में आपका व्यक्तित्व एक अद्वितीय पहचान रखता है। आपकी लोक-कल्याणकारी नीतियां और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण ने इस क्षेत्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में, आपने न केवल जनमानस की आकांक्षाओं को समझा है, बल्कि उन्हें साकार करने के लिए दृढ़ संकल्प भी दिखाया है। आपका राजनीतिक कौशल, आपकी दूरदर्शिता और सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता आपको एक असाधारण जननेता बनाती है। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ और आशा करता हूँ कि आपका अनुभव और ज्ञान प्रदेश और देश की सेवा में निरंतर योगदान देता रहेगा।

2. क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद की ओर से

श्यामलाल साहू

अनुज शर्मा जी, शिक्षा के क्षेत्र में आपका चिंतन और योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपने न केवल शिक्षा के महत्व को समझा है, बल्कि इसे जन-जन तक पहुँचाने के लिए ठोस कदम भी उठाए हैं। विद्यालयों की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और युवाओं को ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाने की आपकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। आपके प्रयासों से, हमारे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य की दिशा मिली है। मैं कामना करता हूँ कि आपका यह शिक्षा-प्रेमी दृष्टिकोण सदैव बना रहे और हमारे समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जाए।

3. एक सफल महिला उद्यमी की ओर से

श्रीमती रुखमणी शिवारे

माननीय अनुज शर्मा जी, आपने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने में जो सहयोग दिया है, वह अविस्मरणीय है। आपके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से, हमारे क्षेत्र की अनेक महिलाओं ने सफलता की नई कहानियाँ लिखी हैं। आपने महिला स्वयं सहायता समूहों को न केवल मंच प्रदान किया, बल्कि उन्हें अपने उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में भी सहायता की। आपकी यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुई है। मैं आपके प्रगतिशील विचारों और समर्थन के लिए हृदय से आभारी हूँ और आपके स्वर्णिम भविष्य की मंगलकामना करती हूँ।

4. कृषि क्षेत्र से जुड़े एक प्रगतिशील किसान की ओर से

कौशल साहू

पद्मश्री अनुज शर्मा जी, आपने कृषि और किसानों के उत्थान के लिए जो कार्य किए हैं, वे प्रत्यक्ष रूप से हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। आपने सिंचाई सुविधाओं को बेहतर बनाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए हमेशा प्रयास किया है। आपकी संवेदनशीलता और किसानों के प्रति आपका समर्पण हमें एक सच्चे अभिभावक का अनुभव कराता है। आपके मार्गदर्शन में, हमारे क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। मैं आपके स्वस्थ और सफल जीवन की कामना करता हूँ ताकि आप इसी प्रकार हमारा मार्गदर्शन करते रहें।

5. कला और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय एक प्रतिष्ठित कलाकार की ओर से

सोहन साहू

अनुज शर्मा जी, छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में आपका योगदान अतुलनीय है। आपने हमारी लोक कलाओं, संगीत और साहित्य को मंच प्रदान किया है और युवा कलाकारों को प्रोत्साहित किया है। आपकी गहरी रुचि और समर्थन ने हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखा है। मैं आपके कला-प्रेम और दूरदृष्टि की सराहना करता हूँ और आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

6. उद्योग और व्यापार जगत के एक अग्रणी व्यक्ति की ओर से

श्रीमती सरोज चंद्रवंशी

माननीय विधायक अनुज शर्मा जी, आपने धरसींवा क्षेत्र में औद्योगिक विकास और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया है। आपकी सकारात्मक नीतियों और प्रयासों से, नए उद्योगों की स्थापना हुई है और रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। आपने निवेशकों को आकर्षित करने और स्थानीय व्यवसायों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपका यह प्रगतिशील दृष्टिकोण क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है। मैं आपके कुशल नेतृत्व और सफल भविष्य की कामना करता हूँ।

7. युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक उत्साही युवा की ओर से

चंद्रकान्त साहू

अनुज भैया, आप हमारे लिए एक आदर्श हैं। आपकी उपलब्धियाँ हमें प्रेरित करती हैं और आपके मार्गदर्शन से हमें सही दिशा मिलती है। आपने युवाओं की आकांक्षाओं को समझा है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की है। शिक्षा, खेल और कौशल विकास के क्षेत्र में आपके प्रयासों से, हमारे भविष्य के लिए नए रास्ते खुले हैं। हम आपके ऊर्जावान नेतृत्व और प्रेरणादायक व्यक्तित्व के लिए आभारी हैं।

8. समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत एक समर्पित कार्यकर्ता की ओर से

बलदाऊराम साहू

पद्मश्री अनुज शर्मा जी, समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के प्रति आपकी करुणा और समर्पण अद्वितीय है। आपने हमेशा वंचितों की आवाज उठाई है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए संघर्ष किया है। आपकी मानवीय संवेदना और सेवा भावना ने अनेक लोगों के जीवन में आशा की किरण जगाई है। आपके प्रयासों से, हमारे समाज में सकारात्मक बदलाव आया है। मैं आपके निस्वार्थ सेवा भाव को नमन करता हूँ और आपके स्वस्थ एवं सफल जीवन की प्रार्थना करता हूँ।

9. क्षेत्र के एक अनुभवी पत्रकार की ओर से

मो. याकूब

अनुज शर्मा जी, सार्वजनिक जीवन में आपकी पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने आपको एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। आपने हमेशा जनता के मुद्दों को प्राथमिकता दी है और विकास कार्यों को ईमानदारी से क्रियान्वित किया है। आपकी सहजता और सभी से समान रूप से मिलने की प्रवृत्ति ने आपको लोगों के दिलों में बसा दिया है। एक पत्रकार के रूप में, मैं आपके कार्यों की सराहना करता हूँ और आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

10. आपके एक युवा और निष्ठावान कार्यकर्ता की ओर से

हनुमंत आडिल

अनुज भैया, विगत डेढ़ वर्षों से आपके साथ काम करते हुए मैंने आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति, अथक परिश्रम और हर पल कार्यकर्ताओं के साथ खड़े रहने के जज्बे को करीब से देखा है। आपने कभी भी अपने कार्यकर्ताओं को निराश नहीं किया और हमेशा उनके सुख-दुख में साथ रहे। आपका यह स्नेह और समर्थन ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आपके नेतृत्व में, हमने अनेक चुनौतियों का सामना किया।

ADVT
सौजन्य : कैलाश अग्रवाल, सिलयारी (धरसींवा)